35 वीं वार्षिक रिपोर्ट

वार्षिक रिपोर्ट

2024-2025

bmtpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
भारत सरकार

35वीं

वार्षिक रिपोर्ट

2024-2025

bmtpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
कोर–5ए, प्रथम तल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड,
नई दिल्ली–110003

प्राक्कथन

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद् (बीएमटीपीसी) के कार्यकारी निदेशक के रूप में, मुझें वर्ष 2024–2025 की परिषद् की 35वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। बीएमटीपीसी, भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत आने वाला स्वायत्त संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य नवोन्मेषी एवं वैकल्पिक निर्माण सामग्री, प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के माध्यम से निर्माण क्षेत्र में परिवर्तन लाने पर केन्द्रित है।

वर्ष 1990 में अपनी स्थापना से ही, बीएमटीपीसी को आपदा प्रतिरोधी निर्माण प्रथा सहित संसाधन–दक्ष, जलवायु अनुकूल टिकाऊ निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने तथा प्रयोगशाला से भूमि तक नवाचारों को लाने में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण परिषद् के रूप में कार्य करता आ रहा है। निर्माण क्षेत्र में बदलाव लाने के अपने प्रयास में, बीएमटीपीसी ने अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों को राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप ढाला है और अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से लाए जा रहे नवाचारों के जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग की दिशा में काम कर रहा है। जनसांख्यिकीय परिदृश्य में बदलाव और विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में आवास की कमी को देखते हुए, बीएमटीपीसी ने बड़े पैमाने पर जागरूकता फैलाने और लागत प्रभावी तकनीकों का प्रसार करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। हाल के वर्षों में, बीएमटीपीसी ने सामूहिक सामूहिक आवास के लिए ऐसी नवोन्मेषी निर्माण प्रणालियों/प्रौद्योगिकियों जो सुरक्षित, टिकाऊ और तेजी से निर्माण करने में सहायक हो सकती हैं, की पहचान और मूल्यांकन करने में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। परिषद् के इन प्रयासों के लिए राज्य सरकारों के साथ–साथ, सार्वजनिक एवं निजी एजेंसियों से अच्छी प्रतिक्रियायें प्राप्त हुईं हैं एवं देशभर में चल रही निर्माण परियोजनाओं में ये नवोन्मेषी फास्ट ट्रेक प्रणालियां अपनाई जा रही हैं।

व्यापक परामर्शी, बेहतर पहुंच और क्षेत्र में उभरती निर्माण प्रणालियों के बेहतर उपयोग के लिए, बीएमटीपीसी को इन प्रणालियों का उपयोग करके भारत के विभिन्न भागों में प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के निर्माण का कार्य सौंपा गया है। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी – सबके लिए आवास मिशन के अंतर्गत पूरे भारत में नई तकनीकों के बारे में जागरूकता फैलाना और तकनीकी जानकारी का प्रसार करना है। जैसा कि पिछली वार्षिक रिपोर्टों में बताया गया है, बीएमटीपीसी ने (i) भुवनेश्वर (ओडिशा), (ii) लखनऊ (उत्तर प्रदेश), (iii) बिहारशरीफ (बिहार), (iv) नेल्लोर (आंध्र प्रदेश), (v) हैदराबाद (तेलंगाना), (vi) पंचकुला (हरियाणा), (vii) अगरतला (त्रिपुरा), (viii) भोपाल (मध्य पद्रेश), (ix) अहमदाबाद (गुजरात), (x) तिरुपुर (तमिलनाडु) एवं (xi) अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में प्रदर्शन आवास परियोजनाएं पूरी कर ली हैं। वर्ष के दौरान, भालवाल, जम्मू–कश्मीर में चल रही प्रदर्शन आवास परियोजना भी पूरी की गई हैं। दो प्रदर्शन आवास परियोजनाएं, (i) दीमापुर, नागालैंड और (ii) गुवाहाटी, असम, निर्माण के अंतिम चरणों में है।

निर्माण क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजपत्र अधिसूचना, (दिनांक 4 दिसंबर, 1999, भारत का राजपत्र 49 में सं. I-16011/5/99 एच -II) के दृष्टिगत कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) के अंतर्गत, बीएमटीपीसी वैकल्पिक और नवीन निर्माण प्रणालियों तथा निर्माण सामग्री और उत्पादों का मूल्यांकन और प्रमाणित करने का कार्य कर रहा है। वर्ष के दौरान, उभरती प्रौद्योगिकियों और उत्पादों, जैसे कंक्रीवॉल–प्रबलित ईपीएस स्ट्रक्चरल पैनल सिस्टम, बिल्डिंग लिफ्टिंग तकनीक, इंडोवुड नेचुरल फाइबर कंपोजिट (एनएफसी) उत्पाद और इंसुलेटेड सैंडविच पैनल, का मूल्यांकन किया गया है और कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणन योजना (पीएसीएस) के अंतर्गत तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीएसी) को भेजने के लिए मसौदा पीएसी तैयार किए गए हैं। पीएसीएस के अंतर्गत कई अन्य उत्पादों/प्रणालियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। अभी तक, बीएमटीपीसी ने विभिन्न उत्पादों, सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को समाहित करते हुए 84 नवोन्मेषी उत्पादों/ प्रणालियों के लिए कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र (पीएसी) जारी किए हैं। मंत्रालय और बीएमटीपीसी के अथक प्रयासों से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने इनमें से अधिकांश नवोन्मेषी सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों पर विनिर्देश और दर अनुसूची (एसओआर) जारी की है।

बीएमटीपीसी, प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के कार्यान्वयन में भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने पीएमएवाई(यू) को नया रूप दिया है और देश भर के शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए 01.09.2024 से पीएमएवाई–यू 2.0 'सबके लिए आवास' मिशन आरंभ किया है। परिषद् को भूकंप क्षेत्र IV और क्षेत्र V में पड़ने वाले विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में परियोजनाएं संचालित करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अंतर्गत मूल्यांकन और निगरानीकर्ता एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है और यह तृतीय पक्ष निरीक्षण एवं निगरानी (टीपीआईएम) की समीक्षा और राज्यों/शहरी स्थानीय निकायों के पेशेवरों की क्षमता निर्माण का कार्य करती है। पीएमएवाई–यू के प्रौद्योगिकी उप–मिशन को पीएमएवाई–यू 2.0 के अंतर्गत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार उप–मिशन (टीआईएसएम) के रूप में विस्तारण किया गया है ताकि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और अन्य हितधारकों को ऐसी सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को अपनाने में मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान की जा सके जो जलवायु–अनुकूल, ऊर्जा–दक्ष, पर्यावरण–अनुकूल और किफायती हों और जिससे टिकाऊ, तेज और आपदा प्रतिरोधी विकास को बढ़ावा मिले। बीएमटीपीसी इस उप–मिशन के तकनीकी सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा है और आपदा–रोधी, ऊर्जा–दक्ष और पर्यावरण–अनुकूल तकनीकों को अपनाने में मंत्रालय और राज्यों की सहायता कर रहा है। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, परिषद् किफायती आवास के लिए उभरती तकनीकों को अपनाने में विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य एजेंसियों की भी सहयता कर रहा है।

ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज–इंडिया (जीएचटीसी–इंडिया) के अंतर्गत चयनित विश्व की प्रमाणित तकनीकों को भारत भर में छह स्थानों पर लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपी) के कार्यान्वयन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। संबंधित राज्य सरकारों के साथ गहन समन्वय बनाते

हुए एलएचपी के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय द्वारा परिषद् को तकनीकी भागीदार के रूप में नामित किया गया था। परिषद्, अफोर्डेबल सस्टैनेबल हाउसिंग ऐक्सेलरैटर–इंडिया (आशा–इंडिया) के माध्यम से चिन्हित भविष्य की संभावित प्रौद्योगिकियों के इनक्यूबेशन और एक्सेलरेशन में सहायता प्रदान करने में, और अफोर्डेबल रेन्टल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (एआरएचसी) के माध्यम से नवीन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके किराया आवास को प्रोत्साहित और बढ़ावा दिये जाने में भी संबद्ध रही है। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और जीआईजेड के सहयोग से उभरती निर्माण प्रणालियों के उपयोग पर अनेक वेबिनार भी आयोजित किए गए।

मंत्रिमंडल के अनुमोदन से बीएमटीपीसी में एक नेशनल अर्बन हाउसिंग फंड (एनयूएचएफ) का सृजन किया गया है जो ऋणदाता एजेंसियों या वित्तीय संस्थानों से ऋण एकत्रित करता है। एनयूएचएफ के लिए अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) द्वारा जुटाई गई निधियां बीएमटीपीसी को ऋण के रूप में प्राप्त हुई जिसे आगे केंद्रीय सहायता के रूप में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को संवितरित किया गया और साथ ही मिशन के ऋण आधारित ब्याज सब्सिडी योजना (सीएलएसएस) घटक के अंतर्गत केन्द्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनएज) को सब्सिडी के रूप में दिया गया। वेबसाइटों के रखरखाव, निगरानी कार्य, डेटा विश्लेषण, संकलन और प्रसार, इलेक्ट्रॉनिक रूप में आवधिक रिपोर्ट तैयार करने, स्थलीय दौरा/भौतिक सत्यापन करने के लिए बीएमटीपीसी के माध्यम से आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में एक डेटा संसाधन सह निगरानी केंद्र (डीआरएमसी) भी स्थापित किया गया है।

आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन बीएमटीपीसी की एक मुख्य ताकत है। बीएमटीपीसी इससे संबंधित तैयारी, रोकथाम एवं न्यूनीकरण में सक्रिय दृष्टिकोण स्थापित करने के प्रति कटिबद्ध है और व्यावसायिकों को शिक्षित करने तथा आम जन सहित विभिन्न हितधारकों के बीच सामूहिक जागरूकता फैलाने के कार्यों में निरंतर लगा हुआ है। लोगों में प्राकृतिक खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने और बेहतर समझ बढ़ाने के उद्देश्य श्य से योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से वल्नरबिलिटी ऐट्लस ऑफ इंडिया पर ई–पाठ्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्ष के दौरान, वल्नरबिलिटी ऐट्लस ऑफ इंडिया, जो बीएमटीपीसी द्वारा तैयार एक अनूठा दस्तावेज है, पर अनेक सत्र आयोजित किए गए, जो विभिन्न खतरों के संबंध में अत्यधिक अतिसंवेदनशीलता वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता करता है।

विश्व पर्यावास दिवस 2024 के अवसर पर, परिषद् ने दिव्यांग बच्चों के लिए 'बेहतर शहरी भविष्य के निर्माण हेतु युवाओं को शामिल करना'' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर, परिषद् ने विश्व पर्यावास दिवस के विषय पर न्यूजलेटर ''निर्माण सारिका'' का विशेषांक भी प्रकाशित किया। निर्माण क्षेत्र में ज्ञान के आधार को सुदृढ़ बनाने के क्रम में, परिषद् द्वारा नियमित अंतराल पर, नवीनतम गतिविधियों एवं सूचनाओं के साथ वेबसाइट का अद्यतन किया जा रहा है। वेबसाइट पर उत्पादों एवं सेवाओं के बारे में सामान्य पूछताछ के रूप में बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं प्राप्त हो रही है। वैकल्पिक, नवोन्मेषी, पर्यावरण–अनुकूल और आपदा–रोधी निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष के दौरान नवोन्मेषी निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियों पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी के साथ–साथ कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। बीएमटीपीसी आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय एवं योजना तथा वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से उभरती निर्माण प्रणालियों के क्षेत्र में व्यावसायिकों की क्षमता का निर्माण करने के लिए नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर ई–प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित करता आ रहा है। अब तक नवरीति के बीस बैचो का सफलतापूर्वक संचालन किया जा चुका है जिसमें 1224 प्रतिभागियों, मुख्य रूप से सिविल इंजीनियरों, वास्तुकारों, संकाय और विभिन्न इंजीनियरिंग और वास्तकुला कॉलेजों के छात्रों ने सहभागिता की। परिषद् अन्य क्रियाकलाप करने के साथ–साथ नवोन्मेषी निर्माण सामग्री और आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (X: @bmtpcdelhi; फेसबुकः @bmtpc.mhua; यूट्यूबः BMTPC) का उपयोग भी कर रही है।

ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि परिषद् द्वारा आरंभ और निष्पादित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों के लिए अध्यक्ष (माननीय मंत्री, आवासन और शहरी कार्य) और उपाध्यक्ष (माननीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य) और प्रबंधन मंडल के सदस्यों, अध्यक्ष (सचिव, आवासन और शहरी कार्य) और बीएमटीपीसी की कार्यकारी समिति के सदस्यों और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधिकारियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन, समर्थन और प्रोत्साहन मिला। बीएमटीपीसी नीति आयोग, शहरी विकास पर स्थायी संसदीय समिति, प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी सबके लिए आवास मिशन निदेशालय, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों, नगर निगमों और नगरीय स्थानीय निकायों, गृह मंत्रालय, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय, एनडीएमए, एनआईडीएम, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, डीएसटी, सीएसआईआर, आईआईटी, सीईपीटी, सीबीआरआई, एसईआरसी, आईसीआई, एसपीए, हड़को, बीआईएस, एनएचबी, एनसीएचएफ, एनबीसीसी, डीडीए, सीजीआईडब्ल्यूएचओ, सीपीडब्ल्यूडी, एनएसआईसी, सीआईडीसी, जीआईजेड, टेरी, आईजीबीसी एवं आरआईसीएस स्कूल ऑफ बिल्ट इनवार्यनमैंट को उनके द्वारा दिये गये वर्षों में निरंतर सहयोग और परिषद् के प्रयासों का समर्थन करने में रुचि लेने के लिए विशेष रूप से धन्यवाद देता है।

मैं परिषद् के क्रियाकलापों का समय पर कार्यान्वयन करने में बीएमटीपीसी के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किये गये सहयोग की भी हृदय की गहराईयों से सराहना करता हूँ। परिषद् आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से प्राप्त समर्थन और सहयोग के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने परिषद् को सौंपे गये कार्य को पूर्ण करने और इसके उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में परिषद् की सहायता की।

शैलेश कु. अग्रवाल

(डॉ. शैलेश कु. अग्रवाल)
कार्यकारी निदेशक

विषय–सूची

ध्येय एवं मिशन 1

प्रस्तावना 2

वर्ष 2024–2025 के दौरान मुख्य पहलें एवं गतिविधियां 7

I. उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए आदर्श प्रदर्शन निर्माण 7

1. पीएमएवाई (यू) के अंतर्गत उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके प्रदर्शन आवास परियोजनाएं 7

II. प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी – सबके लिए आवास मिशन 14

1. प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी – सबके लिए आवास मिशन के क्रियान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका 14

III. राष्ट्रीय शहरी आवास निधि (एनयूएचएफ) का क्रियान्वयन 18

IV. आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन 19

1. भारत की अतिसंवेदनशीलता एट्लस पर तकनीकी सत्र 19

V. निर्माण क्षेत्र में सूचना एवं डाटाबेस आधार का सुदृढ़ीकरण 21

1. बीएमटीपीसी के न्यूजलेटर –''निर्माण सारिका'' के विशेषांक का प्रकाशन 21
2. "नवीन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियां" पुस्तक का प्रकाशन 21
3. मानकीकरण एवं उत्पाद मूल्यांकन 22
4. भवनों में जलवायु लचीलापन और तापीय आराम बढ़ाने के लिए जीआईजेड की जलवायु स्मार्ट बिल्डिंग परियोजना 25
5. परिषद की वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रचार–प्रसार 26

VI. प्रौद्योगिकी की पहचान, स्थानांतरण एवं संवर्धनात्मक गतिविधियां 27

1. उभरती आवास प्रौद्योगिकियों की पहचान एवं मूल्यांकन 27
2. नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 28
3. योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली के "योजना–निष्णात (आवास)" के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सामग्री और प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम 30
4. सामूहिक आवास के लिए नई निर्माण प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता कार्यक्रम 30
5. नवीन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी 31
6. आवास एवं भवन निर्माण के लिए 3डी प्रिंटिंग तकनीक पर कार्यशाला 33
7. भारतीय निर्माण सामग्री के लिए एम्बोडेड कार्बन डेटाबेस स्थापित करने पर पणधारक परामर्श 34
8. नई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 35

9. एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना 35
10. ऊर्जा–दक्ष और टिकाऊ सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रसार और संवर्धन के लिए समझौता ज्ञापन 36
11. विश्व पर्यावास दिवस 2024 समारोह 36

VII. संगठन 38

VIII. कर्मचारियों की संख्या (यथा 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार) 40

IX. लेखा 41

अनुबंध

I संवर्धनात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता 57
II प्रस्तुतिकरण सहित प्रस्तुत / प्रकाशित आलेखादि 64

ध्येय

"बीएमटीपीसी, आम आदमी पर विशेष ध्यान देते हुए आपदा रोधी निर्माण सहित सुस्थिर निर्माण सामग्रियों और उचित प्रौद्योगिकियों तथा प्रणालियों के क्षेत्र में सभी के लिए विश्व स्तरीय ज्ञान तथा प्रदर्शन केन्द्र बने"

मिशन

"आवास के सुस्थिर विकास के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों सहित संभावित लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल, आपदा रोधी निर्माण सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के संवर्द्धन और प्रयोगशालाओं से जमीन तक इनके अंतरण के लिए व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण बनाने की दिशा में कार्य करना"

प्रस्तावना

वर्ष 1990 में स्थापित निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद् (बीएमटीपीसी) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है, जो निर्माण के क्षेत्र में वैकल्पिक और नवोन्मेषी निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों सहित संसाधन–कुशल, जलवायु संवेदनशील, आपदा प्रतिरोधी निर्माण प्रथाओं को सफलतापूर्वक हस्तांतरित कर रहा है। बीएमटीपीसी, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन सहित टिकाऊ निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने में मंत्रालय के संसाधन संस्थानों में से एक संस्थान है।

अपनी स्थापना के बाद से, बीएमटीपीसी ने प्रयोगशाला से लेकर भूमि तक वैकल्पिक/नवोन्मेषी निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग के लिए शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संगठनों, विदेशी संस्थानों के साथ नेटवर्किंग के माध्यम से बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाता रहा है। परिषद्, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर निर्माण क्षेत्र में नवावेन्मेषी, लागत प्रभावी, पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा दक्ष वैकल्पिक निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों को मुख्यधारा में लाने के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में भी काम कर रही है।

नवीन सामग्रियों और निर्माण प्रौद्योगिकियों के जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग को प्रदर्शित करने एवं हितधारकों के बीच जागरूकता और शिक्षा पैदा करने के लिए, परिषद् पीएमएवाई–यू के अंतर्गत देश के विभिन्न हिस्सों में अन्य प्रदर्शन संरचनाओं सहित मॉडल प्रदर्शन घरों का निर्माण कर रही है।

हाल के वर्षों में परिषद् ने न केवल टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी पहुंच का विस्तार किया है, अपितु किफायती सामूहिक आवास के लिए देश के भीतर और विश्व भर में उभरती हुई निर्माण प्रणालियों का प्रचार भी किया है। परिषद्, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है, जो निर्माण क्षेत्र में संसाधन दक्षता, अर्थव्यवस्था, गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण, गति और स्थिरता लाने के लिए विश्व भर में सफल साबित हुई हैं।

बीएमटीपीसी आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से काम कर रहा है और एनडीएमए, एनआईडीएम और अन्य संबंधित संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहा है। परिषद् ने वर्ष 2019 में भारत के अतिसंवेदनशीलता मानचित्र का तीसरा संस्करण जारी करने के साथ–साथ एक समर्पित वेबसाइट https://vai.bmtpc.org भी तैयार की। वर्ष के दौरान, भारत के अतिसंवेदनशीलता मानचित्र पर ऑनलाइन/ऑफलाइन दोनों तरह से अनेक सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, परिषद् नियमित रूप से आपदा रोधी निर्माण पर बहुपयोगी दिशा–निर्देश/नियमावली प्रकाशित करती रहती है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार "प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी – सबके लिए आवास" मिशन का क्रियान्वयन कर रहा है। पीएमएवाई–यू के कार्यान्वयन से प्राप्त अनुभवों के आधार पर, आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है और देश भर के शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए 01.09.2024 से पीएमएवाई–यू 2.0 'सभी के लिए आवास' मिशन शुरू किया है। परिषद् को भूकंप क्षेत्र IV और क्षेत्र V के अंतर्गत पड़ने वाले विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में परियोजनाएं संचालित करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अंतर्गत मूल्यांकन और निगरानीकर्ता एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा यह तृतीय पक्ष निरीक्षण और निगरानी (टीपीआईएम) समीक्षा और राज्यों/शहरी स्थानीय निकायों के पेशेवरों की क्षमता निर्माण का कार्य भी करती है। पीएमएवाई–यू के प्रौद्योगिकी उप–मिशन को पीएमएवाई–यू 2.0 के अंतर्गत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार उप–मिशन (टीआईएसएम) में विस्तारित किया गया है, ताकि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और अन्य हितधारकों को ऐसी सामग्रियों, प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को अपनाने में मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान की जा सके जो जलवायु–अनुकूल, ऊर्जा–दक्ष, पर्यावरण–अनुकूल, सस्ती

हों और जिससे टिकाऊ, तेज और आपदा–रोधी विकास हो सके। प्रौद्योगिकी उप–मिशन आईआईटी, एनआईटी, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, योजना एवं वास्तुकला संस्थानों और अन्य तकनीकी संस्थानों के सहयोग से राज्यों/शहरों को नवोन्मेषी एवं वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने में भी सहायता करता है। बीएमटीपीसी, प्रौद्योगिकी उप–मिशन के तकनीकी सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा है।

जीएचटीसी–इंडिया के अंतर्गत चयनित विश्व की प्रमाणित तकनीकों को भारत में छह स्थानों पर लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपी) के कार्यान्वयन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। संबंधित राज्य सरकारों के साथ गहन समन्वय बनाते हुए एलएचपी के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय द्वारा परिषद् को तकनीकी भागीदार के रूप में नामित किया गया था। परिषद्, किफायती टिकाऊ आवास उत्प्रेरक (आशा)–इंडिया के माध्यम से चयनित संभावित भावी प्रौद्योगिकियों के इनक्यूबेशन और एक्सेलरेशन में सहायता प्रदान करने में, और किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) के माध्यम से नवीन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके किराया आवास को प्रोत्साहित और बढ़ावा दिये जाने में भी संबद्ध रही है। बीएमटीपीसी ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से उभरती निर्माण प्रणालियों के क्षेत्र में पेशेवरों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर वर्चुअल स्वरूप में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी संचालित किया है।

बीएमटीपीसी के अंतर्गत एक राष्ट्रीय शहरी आवास निधि (एनयूएचएफ) का सृजन किया है जो ऋणदाता एजेंसियों/वित्तीय संस्थानों से ऋण एकत्रित करता है। एनयूएचएफ के लिए अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) द्वारा जुटाई गई निधियां बीएमटीपीसी को ऋण के रूप में प्राप्त हुई जिसको आगे (i) राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय सहायता और (ii) पीएमएवाई–यू के पूर्ववर्ती सीएलएसएस वर्टिकल के अंतर्गत केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) को सब्सिडी के रूप में संवितरित किया। अब, ईबीआर ऋण पर प्राप्त ब्याज की अदायगी आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा बीएमटीपीसी को संवितरित की जा रही है, ताकि ऋणदाता एजेंसी को भुगतान किया जा सके। पीएमएवाई (यू) के अंतर्गत बीएमटीपीसी द्वारा एक डेटा संसाधन सह निगरानी केंद्र (डीआरएमसी) भी संचालित किया जा रहा है। इसके लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में पेशेवरों और आईटी विशेषज्ञों की टीम की तैनाती की गई है। इसके अंतर्गत वेबसाइटों के रखरखाव, निगरानी कार्य, डेटा विश्लेषण, संकलन और प्रसार, इलेक्ट्रॉनिक रूप में आवधिक रिपोर्ट तैयार करने, एवं अन्य संबंधित आईसीटी गतिविधियां की जा रही है। डीआरएमसी के सुचारू संचालन के लिए बीएमटीपीसी के अधिकारियों के नेतृत्व में विशेषज्ञों और सहायक कर्मचारियों के साथ एक समर्पित टीम आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में तैनात की गई है।

उद्देश्य

परिषद के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- **भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियांः** निर्माण क्षेत्र में प्रमाणित नवोन्मेषी एवं उभरती निर्माण सामग्रियां तथा प्रौद्योगिकियों के विकास, मानकीकरण, यंत्रीकरण तथा बड़े पैमाने पर धरातल पर अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
- **क्षमता निर्माण एवं कौशल विकासः** व्यावसायिकों, निर्माण एजेंसियों, कारीगरों हेतु क्षमता निर्माण एवं उचित निर्माण पद्धतियों को प्रोत्साहित करने हेतु एक प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र के रूप में काम करना तथा निर्माण प्रौद्योगिकी को प्रयोगशाला से जमीन तक लाने के लिए विपणन करना
- **आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधनः** प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण, भेद्यता तथा जोखिम कम करने की प्रौद्योगिकियों एवं कार्य–प्रणालियों को बढ़ावा देना और भवनों का रेट्रोफिटिंग/पुनर्निमाण तथा मानव बस्तियों के लिये आपदा रोधी योजना बनाना।
- **परियोजना प्रबंधन एवं परामर्शः** मूल्यांकन, निगरानी तथा केन्द्र/राज्य की विभिन्न योजनाओं के तहत आवास परियोजनाओं का तृतीय पक्ष का निरीक्षण सहित परियोजना प्रबंधन तथा परामर्श की सेवाएं देना।

प्रमुख कार्य क्षेत्र

अपेक्षित उद्देश्य प्राप्त करने के लिए, बीएमटीपीसी ने अपनी गतिविधियों के निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है:

- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय तौर पर आवास क्षेत्र के लिए उपलब्ध प्रमाणित एवं उभरती आवास प्रौद्योगिकियों की पहचान करना, उसका मूल्यांकन करना एवं उसे बढ़ावा देना।
- निर्माण में गति, किफायत, कुशलता एवं गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना।
- प्रौद्योगिकियों को प्रोन्नत करने, जानकारी जुटाने, आत्मसात करने तथा प्रसार करते हुए प्रौद्योगिकियों के बड़े पैमाने पर अनुप्रयोग हेतु सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
- प्रदर्शन संरचना के माध्यम से प्रमाणित, स्थानीय तौर पर उपलब्ध एवं उभरती प्रौद्योगिकियों हेतु पर्यावरण अनुकूल, ऊर्जा दक्ष तथा आपदा रोधी प्रौद्योगिकियों का जमीनी स्तर पर अनुप्रयोग।
- उभरती हुई प्रौद्योगिकी/ प्रणाली सहित प्रमाणित भवन निर्माण सामग्रियों/प्रौद्योगिकियों पर संहिताओं, अनुसूचियों और मानकों का नियमन।
- लागत प्रभावी एवं नवोन्मेषी भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकियों के लाभ, टिकाऊपन एवं स्वीकार्यता का प्रलेखन।
- क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, प्रदर्शनियों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर व्यावसायिकों एवं निर्माण कामगारों के कौशल को संवर्धन करना
- आपदा रोधी निर्माण प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करना
- प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के तहत डेटा संसाधन–एवं–निगरानी केन्द्र (डीएमआरसी) के संचालन कार्य प्रारंभ करने सहित आवास परियोजनाओं का मूल्यांकन, निगरानी तथा तृतीय पक्ष निरीक्षण करना।
- प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अंतर्गत अतिरिक्त बजटीय संसाधन के माध्यम से राष्ट्रीय शहरी आवास निधि (एनयूएचएफ) का क्रियान्वयन
- सफलता की कहानियों का दस्तावेजीकरण सहित उपयोगकर्ता पुस्तक, दिशानिर्देश, सार–संग्रह, निर्देशिका, विवरणिका, तकनीकी–व्यवहार्यता रिपोर्ट, वीडियो फिल्म, प्रदर्शन सीडी, इंटरेक्टिव वेबसाइट, ब्लॉग का प्रकाशन।

प्रशासन एवं प्रबंधन

बीएमटीपीसी त्रिस्तरीय प्रणाली को अपनाकर अपने प्रशासनिक एवं तकनीकी दायित्वों का पालन करता है जो निम्नानुसार है:

i. परिषद् के अध्यक्ष के रूप में, माननीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में प्रबंधन मण्डल

ii. कार्यकारी समिति जिसके अध्यक्ष सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय होते हैं

iii. कार्यकारी निदेशक जो बीएमटीपीसी के प्रमुख होते हैं

परिषद् के प्रबंधन बोर्ड में विभिन्न मंत्रालयों एवं संबंधित संगठनों के 17 सदस्य शामिल हैं। कार्यकारी समिति में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, आवास एवं शहरी विकास निगम (हडको), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) एवं तकनीकी विशेषज्ञों से 8 सदस्य शामिल हैं। प्रबंधन बोर्ड एवं कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची नीचे दी गई है:

प्रबंधन मंडल
(31.03.2025 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	सदस्यगण	
1	श्री मनोहर लाल माननीय मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2	श्री तोखन साहू माननीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
3	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	उपाध्यक्ष
4	सुश्री अन्ना रॉय, प्रधान आर्थिक सलाहकार डेटा प्रबंधन और विश्लेषण, शोध एवं नेटवर्किंग, शहरीकरण प्रबंधन नीति आयोग, भारत सरकार	सदस्य
5	श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आवास एवं शहरी विकास निगम (हडको)	सदस्य
6	श्री सुभाष चन्द्र लाल दास, सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
7	प्रो. अभय करंदीकर सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
8	श्री चंचल कुमार, सचिव, उत्तर–पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
9	श्री राजेन्द्र सिंह सदस्य एवं विभागाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार	सदस्य
10	डॉ. (श्रीमती) एन. कलैसेल्वी महानिदेशक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार	सदस्य
11	श्री सतिन्दर पाल सिंह महानिदेशक (अतिरिक्त प्रभार), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार	सदस्य
12	प्रो. के एन सत्यनारायण निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), तिरुपति	सदस्य
13	प्रो. रजत मूना निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर,	सदस्य
14	श्री सतिंदर पाल सिंह अपर सचिव (आवास), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य

क्रम सं.	सदस्यगण	
15	श्री संजीत संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
16	श्री कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
17	डॉ. शैलेश कु. अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी)	सदस्य सचिव

कार्यकारी समिति

(31.03.2025 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	सदस्यगण	
1	श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2	श्री सतिंदर पाल सिंह अपर सचिव (आवास), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
3	श्री संजीत संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
4	श्री कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक, (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
5	श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, आवास एवं शहरी विकास निगम (हडको)	सदस्य
6	प्रो. प्रदीप कुमार रमनचारला, निदेशक, केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की	सदस्य
7	प्रो. प्रदिप्ता बनर्जी, प्रोफेसर, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी मुंबई	सदस्य
8	डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद (बीएमटीपीसी)	सदस्य सचिव

वर्ष 2024–25 के दौरान मुख्य पहलें और क्रियाकलाप

I. उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए आदर्श प्रदर्शन निर्माण

1. पीएमएवाई (यू) के अंतर्गत उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके प्रदर्शन आवास परियोजनाएं

बीएमटीपीसी वर्ष 1990 से ही जमीनी स्तरीय अनुप्रयोगों के माध्यम से लागत प्रभावी टिकाऊ प्रौद्योगिकियों को निरंतर बढ़ावा देने का काम कर रहा है, तथापि, विगत कुछ वर्षों के दौरान, बीएमटीपीसी पारंपरिक कास्ट–इन–सीटू लोड बियरिंग और फ्रेमयुक्त निर्माण के अलावा नवीन निर्माण प्रणालियों को मुख्यधारा में लाने की प्रक्रिया में है, जो विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में किफायती सामूहिक आवास के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। ये नई निर्माण प्रणालियां उपयुक्त संरचनात्मक प्रणालियों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करती हैं, जो न केवल मौजूदा आरसीसी/भार वहन करने वाले निर्माण से बेहतर हैं, अपितु बेहतर कार्यात्मक कार्य–निष्पादन के साथ बहुत त्वरित गति से गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सतत निर्मित वातावरण भी उपलब्ध कराती हैं।

बीएमटीपीसी प्रदर्शन निर्माण द्वारा पहचान, मूल्यांकन, मानकीकरण, प्रमाणन, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और जमीनी स्तरीय अनुप्रयोग के माध्यम से आवास में नई/वैकल्पिक निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों के उपयोग का प्रसार करता है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के प्रमुख मिशन पीएमएवाई–शहरी के अंतर्गत, शहरी गरीब परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, देश भर में आवासों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए आधुनिक, नवोन्मेषी और हरित प्रौद्योगिकियों को अपनाने की सुविधा हेतु एक प्रौद्योगिकी उप मिशन (टीएसएम) की स्थापना की गई है। प्रौद्योगिकी उप मिशन (टीएसएम) के अंतर्गत आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने बीएमटीपीसी को विभिन्न नवोन्मेषी निर्माण प्रणालियों और अन्य टिकाऊ प्रथाओं को प्रदर्शित करने वाले प्रदर्शन आवास परियोजनाएं (डीएचपी) निष्पादित करने का काम सौंपा है। इस प्ररूपी डीएचपी में बुनियादी और सामाजिक अवसंरचना वाले 40 आवास सम्मिलित हैं और इनका उपयोग आवास परियोजना के रूप में या किसी अन्य सामाजिक/कल्याण उद्देश्य के लिए किया जा सकता है, जो भी संबंधित राज्य उचित समझे। प्रदर्शन आवास परियोजना (डीएचपी) का निर्माण या तो जीएचटीसी–इंडिया के माध्यम से चयनित उभरती निर्माण प्रणालियों या बीएमटीपीसी के पीएसीएस के अंतर्गत प्रमाणित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके किया जाता है।

ये डीएचपी जीवंत प्रयोगशालाएं हैं जो देश के विभिन्न भू–जलवायु क्षेत्रों में उपयुक्त वैकल्पिक सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को बड़े पैमाने पर अपनाने के प्रति आत्मविश्वास पैदा करने और सक्षम वातावरण बनाने में सहायता करती हैं, जिससे भवन निर्माण और अधिक किफायती और टिकाऊ हो जाता है। जैसा कि पिछली वार्षिक रिपोर्टों में बताया गया है, बीएमटीपीसी ने (i) नेल्लोर (आंध्र प्रदेश), (ii) भुवनेश्वर (ओडिशा), (iii) लखनऊ (उत्तर प्रदेश), (iv) बिहारशरीफ (बिहार), (v) हैदराबाद (तेलंगाना), (vi) पंचकुला (हरियाणा), (vii) अगरतला (त्रिपुरा), (viii) भोपाल (मध्य प्रदेश), (ix) अहमदाबाद (गुजरात), (x) तिरुपुर (तमिलनाडु) एवं (xi) अयोध्या (उत्तर प्रदेश) में प्रदर्शन आवास परियोजनाएं पूरी कर ली हैं। वर्ष के दौरान में भालवाल जम्मू–कश्मीर चल रही प्रदर्शन आवास परियोजना भी पूरी हो गई हैं। (i) दीमापुर, नागालैंड और (ii) गुवाहाटी, असम में दो प्रदर्शन आवास परियोजनाएं अंतिम चरण में हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के निर्माण का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक निर्माण के स्थान पर मौजूदा प्रमाणित, उभरती और टिकाऊ निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों के व्यापक प्रसार और अपनाने में सुविधा प्रदान करना है इससे निर्माण क्षेत्र में ऐसी सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को मुख्यधारा में लाने और उन्हें निर्माण के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकियों के रूप में अपनाने के लिए सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में सहायता मिलती है। डीएचपी के निर्माण के दौरान, पेशेवरों, कारीगरों और निकटवर्ती शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों को नियमित आधार पर प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

पूर्ण डीएचपी

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान पूर्ण की गई प्रदर्शन आवास परियोजना का विवरण इस प्रकार हैः

1. भालवाल, जम्मू में प्रदर्शन आवास परियोजना

संवर्धित प्रौद्योगिकीः प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम – क्विकबिल्ड पैनल्स का उपयोग करके ईपीएस कोर पैनल

जम्मू–कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, जम्मू–कश्मीर सरकार ने प्रदर्शन आवास परियोजना के लिए भालवाल, जम्मू में 4048 वर्गमीटर भूमि आवंटित की जिसका उपयोग खेल छात्रावास के रूप में किया जाएगा। लेआउट योजना, वास्तुशिल्प योजना आदि को जम्मू–कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, जम्मू–कश्मीर सरकार द्वारा मंजूर की गई थी। यह डीएचपी अन्य प्रावधानों के साथ जी+2 कॉन्फिगरेशन में है और प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम – ईपीएस कोर पैनल का उपयोग करके बनाया जा रहा है।

परियोजना की रूपरेखाः

- स्थानः भालवाल, जम्मू
- राज्य स्तरीय नोडल एजेंसीः जम्मू–कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, जम्मू–कश्मीर सरकार
- भूमि आबंटनकर्ताः जम्मू–कश्मीर हाउसिंग बोर्ड, जम्मू–कश्मीर सरकार
- उपयोग : खेल छात्रावास
- परियोजना के भूखंड का क्षेत्रफलः 4048 वर्गमीटर
- आवास की संख्याः 40 (जी+2); अन्य प्रावधानों में शौचालय के साथ एक कार्यालय, रसोई और स्टोर के साथ डाइनिंग हॉल, गतिविधि कक्ष सह जिम, शौचालय और स्टोर के साथ मेडिकल कक्ष, शौचालय के साथ केयर टेकर रूम, लॉंड्री शामिल है।
- प्रत्येक इकाई का कारपेट एरियाः 28.57 वर्गमीटर
- प्रत्येक इकाई का निर्मित क्षेत्रः 35.35 वर्गमीटर
- कुल निर्मित क्षेत्रः 2054 वर्गमीटर
- प्रयुक्त प्रौद्योगिकीः प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम – क्विकबिल्ड पैनल का उपयोग कर ईपीएस कोर पैनल
- प्रत्येक इकाई में 2 कमरे, रसोई, शौचालय और बालकनी शामिल हैं
- बुनियादी सुविधाएंः सीसी रोड, कंक्रीट पेवर्स का रास्ता, जल आपूर्ति कार्य, सेप्टिक टैंक, ट्यूबवेल, बागवानी कार्य, चारदीवारी, जल निकासी और निपटान और सौर पैनलों का उपयोग करके बाहरी विद्युतीकरण, वर्षा जल संचयन, अग्निशमन प्रणाली, आदि।
- भूकंप रोधी विशेषताएं शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी के बारे में

वॉल के रूप में क्विकबिल्ड पैनल (प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम) और कंक्रीट के साथ ईपीएस छत/स्लैब पैनल का उपयोग करते हुए ईपीएस कोर पैनल – क्विकबिल्ड पैनल सिस्टम में एक वेल्डेड वायर स्पेस फ्रेम होता है जो पॉलीस्टीरिन इन्सुलेशन कोर के साथ जुड़ा होता है। वॉल पैनल को सही स्थान पर रखा जाता है और दोनों तरफ कंक्रीट की एक परत लगाई जाती है। वॉल पैनल को प्रत्येक तरफ वेल्डेड–तार मेश से वेल्डेड विकर्ण क्रॉस तारों से इसकी ताकत और कड़ापन प्राप्त होती है। यह संयोजन एक ट्रस व्यवहार उत्पन्न करता है, जो पूर्ण समग्र व्यवहार के लिए कठोरता और शियर प्रदान करता है। स्टील ट्रस को पॉलीस्टायरीन कोर के माध्यम से छेद दिया जाता है और एक कठोर पैनल बनाने के लिए गैल्वेनाइज्ड स्टील जाल की बाहरी परत शीट में वेल्ड किया जाता है। संरचना का आवरण प्रबलीकृत छड़ों के साथ सीधे स्लैब पर पैनलों को मैन्युअल रूप से खड़ा करके बनाया जाता है। दरवाजे, खिड़कियां और वेंटिलेटर जैसी वांछित सुविधाएं पहले से बनाई जा सकती हैं, जबकि प्लंबिंग, विद्युत नलिकाओं को साइट पर जोड़ा जा सकता है। फिर मोनोलीथिक संरचना बनाने के लिए वॉल को पारंपरिक विधि का उपयोग करके या शॉटक्रेटिंग मशीन द्वारा सीमेंट से प्लास्टर करके तैयार किया जाता है। इन पैनलों का उपयोग सभी प्रकार के निर्माण की इमारतों की बाहरी और आंतरिक भार वहन करने वाली और गैर–भार वहन करने वाली वॉलों और फर्श के निर्माण में किया जाता है।

इस परियोजना में, सिस्टम का उपयोग भार वहन करने वाले वॉल पैनलों के रूप में किया गया है। वॉल की कुल मोटाई 180 मिमी है जिसमें ईपीएस मोटाई 80 मिमी और वॉल के दोनों ओर 50 मिमी शॉर्टक्रेटिंग/प्लास्टरिंग है।

भालवाल, जम्मू, जम्मू और कश्मीर में प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम – क्विक बिल्ड 3डी पैनल्स के उपयोग से पीएमएवाई–यू के अंतर्गत प्रदर्शन आवास परियोजना (स्पोर्ट्स हॉस्टल)

निर्माणाधीन प्रदर्शन आवास परियोजनाएं (डीएचपी)

निर्माणाधीन डीएचपी का विवरण इस प्रकार है:

1. दीमापुर, नागालैंड में प्रदर्शन आवास परियोजना

संवर्धित प्रौद्योगिकी: इस्पात संरचना के साथ पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल सिस्टम–ईपीएस सीमेंट सैंडविच पैनल

नागालैंड सरकार के कार्य एवं आवास विभाग और नगरपालिका कार्य विभाग ने प्रदर्शन आवास परियोजना के लिए पीडब्ल्यूडी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स सेमाटीला, दीमापुर, नागालैंड में 2819 वर्गमीटर भूमि आवंटित की जिसका उपयोग कामकाजी महिला छात्रावास के रूप में उपयोग किए जाएगा। लेआउट योजना, वास्तुशिल्प योजना आदि को पीडब्ल्यूडी हाउसिंग, कोहिमा, नागालैंड द्वारा मंजूर की गई थी। इस डीएचपी में जी+2 कॉन्फिगरेशन में एक हॉस्टल ब्लॉक और स्टील संरचना के साथ पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल सिस्टम–ईपीएस सीमेंट सैंडविच पैनल का उपयोग करके एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया जा रहा है।

परियोजना की रूपरेखा:

- स्थान: पीडब्ल्यूडी हाउसिंग कॉम्प्लेक्स सेमाटीला, दीमापुर, नागालैंड
- राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी: नगरपालिका कार्य विभाग, नागालैंड सरकार
- भूमि आबंटनकर्ता: निर्माण एवं आवास विभाग, नागालैंड सरकार
- उपयोग: कामकाजी महिला छात्रावास
- परियोजना के भूखंड का क्षेत्रफल: 2819 वर्गमीटर
- आवास की संख्या: 40 (जी+2); अन्य प्रावधानों में रसोई के साथ एक डाइनिंग हॉल, गतिविधि कक्ष, शौचालय के साथ चिकित्सा कक्ष, शौचालय के साथ कार्यालय, शौचालय के साथ केयर टेकर कक्ष शामिल हैं।
- 272 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र में सामुदायिक केंद्र इसमें रसोई, कार्यालय, दो दुकानें, दो शौचालय और दिव्यांगजनों लिए एक अलग शौचालय के साथ एक मंजिला बहुउद्देशीय हॉल शामिल है।
- प्रत्येक इकाई का कारपेट एरिया: 25.21 वर्गमीटर
- प्रत्येक इकाई का निर्मित क्षेत्र: 28.60 वर्गमीटर
- कुल निर्मित क्षेत्र: 2050 वर्गमीटर, सामुदायिक केंद्र सहित
- प्रयुक्त प्रौद्योगिकी: इस्पात संरचना के साथ पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल सिस्टम–ईपीएस सीमेंट सैंडविच पैनल
- प्रत्येक इकाई में एक कमरा, एक पैंट्री, शौचालय और बालकनी शामिल है

दीमापुर, नागालैंड में प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम – फ्लाईएश ईपीएस (बीड्स) सीमेंट सैंडविच पैनल के उपयोग से पीएमएवाई-यू के अंतर्गत प्रदर्शन आवास परियोजना (कामकाजी महिला छात्रावास) और सामुदायिक केंद्र

- बुनियादी सुविधाएं: सीसी रोड, कंक्रीट पेवर्स का रास्ता, जल आपूर्ति कार्य, सेप्टिक टैंक, बागवानी कार्य, चारदीवारी, जल निकासी और निपटान और सौर पैनलों का उपयोग करके बाहरी विद्युतीकरण, वर्षा जल संचयन, अग्निशमन प्रणाली, आदि।
- भूकंप रोधी विशेषताएं शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी के बारे में

पूर्वनिर्मित (प्रीफैब्रिकेटेड) सैंडविच पैनल सिस्टम–ईपीएस सीमेंट सैंडविच पैनल स्टील संरचना के साथ हल्के वजन वाले ठोस कोर सैंडविच पैनल होते हैं जो 5 मिमी गैर–एस्बेस्टस फाइबर सीमेंट बोर्ड से बने होते हैं जो पैनल के दोनों किनारों पर फेसिंग शीट और विस्तारित पॉलीस्टीरिन के टुकड़े, एडमिक्स्चर, सीमेंट, रेत, फ्लाई ऐश मुख्य सामग्री और अन्य संबद्ध सामग्री मोर्टार के स्वरूप में होते हैं। घुलनशील अवस्था वाली मुख्य सामग्री को दबाव के अंतर्गत पूर्व निर्धारित सांचों में डाला जाता है। एक बार उसे सेट होने के उपरांत, इसे प्रशोधन के लिए ले जाया जाता है और आरसीसी या स्टील फ्रेम संरचना के साथ उपयोग के लिए तैयार किया जाता है।

ये पैनल बिना किसी संरचनात्मक समर्थन के केवल 5 मीटर तक स्थापित किए जा सकते हैं। शीटों के कारण, पैनलों को पलस्तर और क्योरिंग की आवश्यकता नहीं होती है। ये पैनल एक दूसरे से जोड़ वाली प्रणाली से जुड़े हुए होते हैं।

ये भार वहन नही करने वाले पैनल होते हैं और इन्हें डिजाइन के आधार पर अतिरिक्त संरचनात्मक समर्थन, स्टील या आरसीसी के साथ वॉल, फर्श और छत के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। हालाँकि, इनका उपयोग बिना किसी सपोर्ट ढांचे के एकल मंजिल निर्माण या सीढ़ियों के स्लैब, रसोई/स्नानागार के स्लैब आदि के रूप में किया जा सकता है। इसलिए यहां स्टील स्ट्रक्चर के साथ पैनल का उपयोग किया जा रहा है।

इस परियोजना में, बाहरी वॉलों की कुल मोटाई 90 मिमी और अंदरूनी वॉलों की 75 मिमी है। भवन की संरचना स्टील में है जिसमें इन्फिल के रूप में प्रीफैब्रिकेटेड सैंडविच पैनल है। छत का स्लैब भी कंक्रीट के ऊपरी परत के साथ पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल से बना होता है।

2. गुवाहाटी, असम में प्रदर्शन आवास परियोजना

सवंर्धित प्रौद्योगिकीः लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम – वी–इनफिल वॉलों के साथ लाइट गेज स्टील फ्रेमवर्क सिस्टम (एलजीएसएफएस)

मिशन निदेशक, पीएमएवाई–एचएफए(यू)–असम, गुवाहाटी ने गुवाहाटी के फाटाशिल अंबारी में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के स्वामित्व के अंतर्गत आने वाली 1600 वर्ग मीटर भूमि आवंटित की है जिसका उपयोग जीएमसी के संविदागत सफाई कर्मचारियों के लिए किराये के आवास के रूप में किया जाएगा। गुवाहाटी नगर निगम ने अन्य प्रावधानों और एक सामुदायिक केंद्र के साथ 40 आवास इकाइयों वाली योजना और लेआउट को मंजूरी दी। इस डीएचपी के अंतर्गत बनने वाले आवस जी+3 कॉन्फिगरेशन में हैं और सामुदायिक केंद्र (जी) का निर्माण लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम – वी–इनफिल वॉलों और प्री–इंजीनियर्ड बिल्डिंग (पीईबी) स्टील संरचना वाले लाइट गेज स्टील फ्रेमवर्क सिस्टम (एलजीएसएफएस) का उपयोग करके किया जा रहा है।

परियोजना की रूपरेखाः

- स्थानः फाटाशिल अंबारी, गुवाहाटी
- राज्य स्तरीय नोडल एजेंसीः मिशन निदेशक, पीएमएवाई–एचएफए(यू)–असम, गुवाहाटी
- भूमि आबंटनकर्ताः गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी)
- उपयोगः जीएमसी के संविदात्मक सफाई कर्मचारियों के लिए किराये का आवास
- परियोजना के भूखंड क्षेत्रफलः 1600 वर्गमीटर
- आवास की संख्याः 40 (जी+3)
- रसोईघर, कार्यालय, ग्रीन रूम, दुकानें और शौचालय के साथ एक मंजिला बहुउद्देशीय हॉल के साथ 336 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र वाला सामुदायिक केंद्र।
- प्रत्येक इकाई का कारपेट एरियाः 31.06 वर्गमीटर
- प्रत्येक इकाई का निर्मित क्षेत्रः 36.09 वर्गमीटर
- कुल निर्मित क्षेत्रः 2190 वर्गमीटर सामुदायिक केंद्र सहित
- प्रयुक्त प्रौद्योगिकीः लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम – वी–इनफिल वॉलों के साथ लाइट गेज स्टील फ्रेमवर्क सिस्टम (एलजीएसएफएस)
- प्रत्येक इकाई में एक बैठक कक्ष, एक शयनकक्ष, एक रसोईघर, एक स्नान कक्ष, एक शौचालय, एक लॉबी और एक बालकनी शामिल है।
- बुनियादी सुविधाएंः सीसी रोड, कंक्रीट पेवर्स का रास्ता, जल आपूर्ति कार्य, यूजीटी, सेप्टिक टैंक, बागवानी कार्य, चारदीवारी, ट्यूबवेल, जल निकासी और निपटान और सौर पैनलों का उपयोग करके

गुवाहाटी, असम में लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम – वी-इनफिल दीवार के साथ एलजीएसएफ के उपयोग करके पीएमएवाई-यू के अंतर्गत प्रदर्शन आवास परियोजना (संविदात्मक सफाई कर्मचारीयों के लिए) और सामुदायिक केंद्र

बाहरी विद्युतीकरण, वर्षा जल संचयन, अग्निशमन प्रणाली, आदि।

- भूकंप रोधी विशेषताएं शामिल हैं।

प्रौद्योगिकी के बारे में

लाइट गेज फ्रेम्ड स्टील स्ट्रक्चर (एलजीएफएसएस) फैक्ट्री में बने गैल्वनाइज्ड लाइट गेज स्टील घटकों पर आधारित है, जो कोल्ड फॉर्मिंग विधि द्वारा निर्मित होते हैं, जिन्हें किसी भवन के संरचनात्मक स्टील ढांचे और अलग–अलग दीवार और फर्श के निर्माण के लिए साइट पर पैनल के रूप में असंबेल किया जाता है। इस प्रौद्योगिकी में पैनलों को किसी भवन और फर्श तथा छत की अंदरूनी और अलग–अलग दीवारों और बाहरी दीवारों की अंदरूनी भित्ति बनाने के लिए स्क्रू और बोल्ट के साथ साइट पर असेंबल किया जाता है। इमारत वी–इन्फिल वॉल घटाकों के अधिष्ठापन से पूरी की जाती है।

वी–इनफिल वॉल एक नवोन्मेषी उभरती हुई भवन और निर्माण तकनीक है जिसमें जीआई स्टड के दोनों ओर फैक्ट्री में बने 8/10 मिमी फाइबर सीमेंट बोर्ड (वीबोर्ड) का उपयोग किया जाता है और इसे सीधी दीवारों के निर्माण के लिए खड़ा किया जाता है, जो ईपीएस, सीमेंट रेत और अन्य जोड़ने वाले घटकों से बने हल्के वजन वाले कंक्रीट से भरे होते हैं। यह प्रणाली सभी प्रकार की वास्तुशिल्प विशेषताओं जैसे कोविंग, बॉक्स, कैंटिलीवर, प्रोजेक्शन, इनफिल दीवारें, मेजेनाइन फर्श आदि को शामिल कर सकती है। यह प्रणाली सभी प्रकार की सेवाओं यथा विद्युत, गैस और पाइपलाइन आदि में भी शामिल की जा सकती है।

इस परियोजना में, दीवार की कुल मोटाई 124 मिमी होती है जिसमें एलजीएसएफ की 89 मिमी मोटाई और बाहरी दीवार पर वाष्प अवरोध के साथ 9 मिमी और 6 मिमी मोटा फाइबर सीमेंट बोर्ड और दीवार के अंदर 12 मिमी जिप्सम बोर्ड के साथ 8 मिमी मोटा फाइबर सीमेंट बोर्ड है। वी–इनफिल दीवार सामग्री का उपयोग प्री–इंजीनियर्ड बिल्डिंग (पीईबी) स्टील संरचना के साथ इनफिल सामग्री के रूप में किया गया है।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान चल रही प्रदर्शन आवास परियोजना (डीएचपी) की स्थिति इस प्रकार है:

क्र. सं.	डीएचपी का स्थान	उपयोग	स्थिति
1	दीमापुर, नागालैंड	कामकाजी महिला छात्रावास (जी+2) सामुदायिक केंद्र (एक मंजिला)	फिनिशिंग कार्य चल रहा है।
2	गुवाहाटी, असम	जीएमसी के संविदात्मक सफाई कर्मचारियों के लिए 40 भवन (जी+3) और सामुदायिक केंद्र (एक मंजिला)	सामुदायिक केंद्र – फिनिशिंग कार्य पूरा हो गया है मुख्य भवन – अधिरचना एंव अवसंरचना कार्य चल रहा है।

प्रदर्शन आवास परियोजनाओं (डीएचपी) में उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

परिषद् ने नई/वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/यूएलबी स्तर पर हितधारकों (राज्य/संघ राज्य क्षेत्र/यूएलबी अधिकारियों, तकनीकी पेशेवरों, बिल्डरों, विकास एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य) के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से डीएचपी का निर्माण कार्य आरंभ किया है। इन प्रौद्योगिकियों को मुख्यधारा में लाने के लिए, नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के संबंध में पर्यवेक्षकों और कारीगरों की क्षमता का निर्माण करना नितांत आवश्यक है। तदनुसार, उभरती निर्माण प्रणालियों के संबंध में पेशेवरों/कारीगरों/इंजीनियरिंग एवं वास्तुकला महाविद्यालयों के छात्रों के क्षमता निर्माण के भाग के रूप में, परिषद् ने विभिन्न प्रदर्शन आवास परियोजनाओं में प्रयुक्त की जा रही प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में 6 जून, 2024, 13 जून, 2024, 21 जून, 2024 और 15 जनवरी, 2025 को दीमापुर में प्रदर्शन आवास परियोजना स्थल पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रदर्शन आवास परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी और उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रचार-प्रसार के लिए तकनीकी समूह

प्रदर्शन आवास परियोजनाओं (डीएचपी) की प्रगति की निगरानी करने तथा राज्य सरकार के भीतर व्यापक

दीमापुर में प्रदर्शन आवास परियोजना में नवीन प्रौद्योगिकियों पर संवेदीकरण कार्यक्रम का 6 जून, 2024 को आयोजन

स्वीकार्यता एवं डीएचपी में उपयोग की जाने वाली उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रचार–प्रसार करने के लिए एसएलएनए के प्रतिनिधि, स्थानीय आईआईटी / एनआईटी / अनुसंधान संस्थान के विशेषज्ञ, यूएलबी और बीएमटीपीसी के इंजीनियर सदस्य को मिलाकर तकनीकी समूह का गठन किया गया है। आईआईटी जम्मू, जम्मू–कश्मीर आवास बोर्ड, जम्मू नगर निगम और बीएमटीपीसी के अधिकारियों के प्रतिनिधियों से मिलकर बने इस तकनीकी समूह की बैठक 4 जुलाई, 2024 को डीएचपी भालवाल, जम्मू (जम्मू–कश्मीर) में आयोजित की गई।

प्रदर्शन आवास परियोजना जम्मू में 4 जुलाई, 2024 को तकनीकी समूह की बैठक का आयोजन

II. प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी – सबके लिए आवास मिशन

1. प्रधान मंत्री आवास योजना-शहरी – सबके लिए आवास मिशन के क्रियान्वयन में बीएमटीपीसी की भूमिका

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ''प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी – सबके लिए आवास'' मिशन को क्रियान्वित करने का कार्य कर रहा है। पीएमएवाई–यू के कार्यान्वयन से प्राप्त अनुभवों के आधार पर, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है और देश भर के शहरी क्षेत्रों में एक करोड़ अतिरिक्त पात्र लाभार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए 01.09.2024 से पीएमएवाई–यू 2.0 'सबके लिए आवास' मिशन आरंभ किया है। परिषद् को भूकंप क्षेत्र IV और क्षेत्र V में पड़ने वाले विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में चलने वाली परियोजनाओं के लिए मूल्यांकन और निगरानी एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और यह राज्यों/शहरी स्थानीय निकायों के पेशेवरों की टीपीआईएम समीक्षा और क्षमता निर्माण का कार्य करती है।

जीएचटीसी–इंडिया के अंतर्गत चयनित विश्व की प्रमाणित प्रौद्योगिकियों को भारत के छह स्थानों पर लाइट हाउस परियोजनाओं (एलएचपी) के कार्यान्वयन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। संबंधित राज्य सरकारों के साथ गहन समन्वय बनाते हुए एलएचपी के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय द्वारा परिषद् को तकनीकी भागीदार के रूप में नामित किया गया था। परिषद्, अफोर्डेबल सस्टैनेबल हाउसिंग ऐक्सेलरैटर–इंडिया (आशा–इंडिया) के माध्यम से चिन्हित भविष्य की संभावित प्रौद्योगिकियों के इनक्यूबेशन और एक्सेलरेशन में सहायता प्रदान करने में, और अफोर्डेबल रेन्टल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (एआरएचसी) के माध्यम से नवीन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके किराया आवास को प्रोत्साहित और बढ़ावा दिये जाने में भी संबद्ध रही है।

प्रौद्योगिकी एवं नवाचार उप-मिशन (टीआईएसएम)

पीएमएवाई–यू के प्रौद्योगिकी उप–मिशन को पीएमएवाई–यू 2.0 के अंतर्गत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार उप–मिशन (टीआईएसएम) में विस्तारित किया गया है, ताकि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य हितधारकों को आवासों के तीव्र एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए आधुनिक, नवोन्मेषी और हरित प्रौद्योगिकियों तथा वैकल्पिक निर्माण सामग्री को अपनाने में मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान की जा सके। प्रौद्योगिकी उप–मिशन आईआईटी, एनआईटी, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और योजना एवं वास्तुकला संस्थानों तथा अन्य तकनीकी संस्थानों के सहयोग से आपदा प्रतिरोधी और पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों को लागू करने में राज्यों/शहरों की सहायता भी करता है। बीएमटीपीसी प्रौद्योगिकी उप–मिशन के तकनीकी सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा है और पीएमएवाई–यू के अंतर्गत आवासों के निर्माण में वैकल्पिक और नवोन्मेषी निर्माण सामग्री, प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं का उपयोग करने के लिए राज्य सरकारों की सहायता कर रहा है।

सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निर्माण में नई व उभरती प्रौद्योगिकियों का अंगीकरण

राज्य सरकारों द्वारा वैकल्पिक एवं उभरती प्रौद्योगिकियां अपनाने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने सीपीडब्लूडी तथा राज्य सरकारों के विभागों को अभिप्रेरित किया कि ऐसी अधिसूचनाएं, परिपत्रों तथा एसओआरएस, विनिर्देशन इत्यादि जारी करें जो राज्य सरकारों को आवास परियोजनाओं में इन नई निर्माण प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए अधिकृत करे। तदनुसार, बीएमटीपीसी पीएसीएस के अंतर्गत प्रमाणित उभरती प्रौद्योगिकियों का तकनीकी विवरण दरों की अनुसूची में सम्मिलित कराने के लिए सीपीडब्ल्यूडी को उपलब्ध कराता है।

अफोर्डेबल रेन्टल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (एआरएचसी)

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) योजना को क्रियान्वित कर रहा है। एआरएचसी के मॉडल–2 के अंतर्गत भवनों के निर्माण में नवीन एवं वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग के लिए प्रौद्योगिकी नवोन्मेषी अनुदान (टीआईजी) प्राप्त करने के प्रस्तावों के लिए बीएमटीपीसी को किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) योजना के अंतर्गत मूल्यांकन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अब तक कुल 82,273 भवन इकाईयों के साथ टीआईजी के 13 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है जिनमें मुख्य रूप से डॉरमेट्री बेड, तथा सिंगल और डबल बेड रूम वाले

आवास सम्मिलित हैं। प्राप्त सांविधिक अनुमोदनों और परियोजनाओं में अपेक्षित प्रगति के आधार पर, भारत सरकार ने निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए टीआईजी जारी किया है:

क्र.सं.	परियोजना इकाई	परियोजना स्थान	भारत सरकार द्वारा जारी टीआईजी (लाख रुपए में)
1	एसपीआर सिटी एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड	श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु	793.60
2	एसपीआर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड (एसपीआर एसपीडी इंडस्ट्रियल हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड)	श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु	534.40
3	टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड/विदियाल रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड	होसुर, कृष्णागिरि, तमिलनाडु	1315.20
4	तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम (एसआईपीसीओटी)	वलम, श्रीपेरुम्बुदूर, कांचीपुरम, तमिलनाडु	1872.00

डेटा संसाधन सह निगरानी केन्द्र (डीआरएमसी)

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने बीएमटीपीसी के माध्यम से महत्वपूर्ण गतिविधियों की निगरानी को सुव्यवस्थित और बढ़ाने के लिए एक मजबूत डेटा संसाधन सह निगरानी केंद्र (डीआरएमसी) की स्थापना की। डीआरएमसी को व्यापक डेटा विश्लेषण, संकलन, प्रसार और आवधिक रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। यह क्षेत्र का दौरा करने और भौतिक सत्यापन की सुविधा भी प्रदान करता है, जिससे व्यवस्थित और पेशेवर तरीके से दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। निर्माण भवन स्थित मिशन निदेशालय के अंतर्गत एक समर्पित निगरानी प्रकोष्ठ के रूप में कार्य करते हुए, डीआरएमसी दैनिक आधार पर डेटा संग्रहण, विश्लेषण और प्रगति निगरानी रिपोर्ट तैयार करने में सहायता प्रदान करता है। यह केंद्रीकृत दृष्टिकोण निर्माण प्रगति और अन्य संबंधित गतिविधियों पर निर्बाध निगरानी सुनिश्चित करता है। डीआरएमसी के सुचारू और प्रभावी संचालन के लिए आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में बीएमटीपीसी के अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों और सहायक कर्मचारियों की एक विशेष टीम तैनात की गई है। मंत्रालय पीएमएवाई–यू और पीएमएवाई–यू 2.0 के अंतर्गत निम्नलिखित आवश्यक सॉफ्टवेयर और वेबसाइटों के विकास और रखरखाव के लिए डीआरएमसी की क्षमताओं का लाभ उठाता है, जो मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने और व्यापक निगरानी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं:

पीएमएवाई–यू की वेबसाइटों और लीगेसी एप्लिकेशन का विकास और रखरखाव	• पीएमएवाई–यू 2.0 के लिए एकीकृत वेब पोर्टल • पीएमएवाई–यू डैशबोर्ड (https://dashboard.pmay-urban.gov.in) • पीएमएवाई–यू (http://pmay-urban-gov-in) • ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज–इंडिया – जीएचटीसी–इंडिया (http://ghtc.india.gov.in) • किफायती किराया आवास परिसर (एआरएचसी) (https://arhc.mohua.gov.in/index.html) • पीएमएवाई–यू एमआईएस (https://pmaymis.gov.in) • सीएलएसएस आवास पोर्टल–सीएलएपी (http://pmayclap.gov.in/)
मोबाइल एप्लिकेशन का विकास और रखरखाव	• एकीकृत पीएमएवाई–यू 2.0 मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस) • पीएमएवाई–यू मोबाइल ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस) • निर्माण स्थल विजिटर ऐप (एंड्रॉइड और आईओएस) • जीएचटीसी–इंडिया • अंगीकार • खुशियों का आशियाना
कार्यकलाप मॉड्यूल का रखरखाव	• लाइव प्रयोगशाला मॉड्यूल • एलएचपी मॉड्यूल • नया शहरी भारत मॉड्यूल • भारतीय शहरी आवास सम्मेलन (आईयूएचसी) • एआरएचसी के अंतर्गत प्रशिक्षण मॉड्यूल • मॉडल 1 के लिए एआरएचसी एमआईएस • मॉडल 2 के लिए एआरएचसी एमआईएस • एआरएचसी नॉलेज पैक • वेबसाइटों के लिए सीएमएस
कार्यान्वयन सहायता कक्ष	हितधारकों को सहायता प्रदान करने के लिए एकीकृत वेब पोर्टल (यूडब्ल्यूपी) के कार्यान्वयन सहायता प्रकोष्ठ
पीजी शिकायत कक्ष	वेबसाइट, सीपीजीआरएएम, ई.मेल, मैनुअल पत्र आदि जैसे सभी चैनलों से प्राप्त शिकायतों का निपटारा करने के लिए मानव संसाधन के साथ पीजी–सेल की स्थापना।
पीएमएवाई–यू पुरस्कार	पीएमएवाई–यू पुरस्कारों के लिए नामांकन प्रस्तुत करने और उनका चयन करने से संबंधित सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन
पीएमएवाई–यू एवं पीएमएवाई–यू 2.0 के लिए आईईसी सहायता	**सोशल मीडिया** • गुणवत्ता सामग्री का नियमित अद्यतन करते हुए यूट्यूब (@पीएमएवाईअर्बन) चैनल, एक्स (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक (@पीएमएवाईअर्बन पेज) और व्हाट्सएप का प्रबंधन **पुस्तकें एवं प्रकाशन** • पीएमएवाई–यू और लाइट हाउस परियोजना, जीएचटीसी, एआरएचसी आदि के लिए मासिक ई–न्यूजलेटर और ब्रोशर/प्रपत्र • महिला उद्यमियों की आवाज • सभी के लिए आवास की दिशा में परिवर्तनकारी सुधार • आवास, संतुष्टि और आजीविका – पीएमएवाई–यू का एक प्रभाव आकलन • भारत में किफायती आवास के बारे में चर्चा और पीएमएवाई (यू) के अंतर्गत सर्वोत्तम प्रथाओं पर मंथन **प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया** • समारोह पूर्व एवं समारोहोपरांत प्रेस विज्ञप्ति, समाचार पत्र विज्ञापन और लेख, ई–पुस्तकों, उपलब्धियों आदि पर पीआईबी प्रभाग को सूचना • हितधारकों/लाभार्थियों को बल्क एसएमएस टेक्स्ट/व्हाट्सएप संदेश • वेबसाइटों के लिए बैनर और इन्फोग्राफिक्स (आवासन और शहरी विकास मंत्रालय, पीएमएवाई–यू, जीएचटीसी, एआरएचसी) **वीडियो फिल्मों का निर्माण** • सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने के लिए सीबीएफसी द्वारा प्रमाणित वीडियो फिल्म – सबका आवास • 1. पीएमएवाई–यू के 8 वर्ष – एक यात्रा; 2. लाइट हाउस परियोजनाएं पर; 3 लाभार्थी प्रशंसापत्र पर; 4. महिला सशक्तिकरण पर; 5. स्वतंत्रता दिवस पर; 6. गणतंत्र दिवस और राष्ट्रीय महत्व के अन्य अवसर पर वीडियो फिल्म/रील

हितधारकों के साथ समन्वय और एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) का विकास	• प्रयास पोर्टल के लिए पीएमओ • ई–उत्थान (अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग) • विकास निगरानी और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ), डेटा अभिशासन गुणवत्ता सूची (डीजीक्यूआई), आउटपुट आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क (ओओएमएफ) के लिए नीति आयोग • एक ऐप, अनेक सरकारी सेवाएँ (उमंग) प्लेटफॉर्म और मायगव पोर्टल के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय • आंध्र प्रदेश, असम, कर्नाटक आदि जैसे विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिए डैशबोर्ड और माननीय सांसदों के लिए दिशा पोर्टल • मंत्रालय का डैशबोर्ड

अफोर्डेबल सस्टैनेबल हाउसिंग ऐक्सेलरैटर–इंडिया (आशा–इंडिया)

जीएचटीसी–इंडिया के अंतर्गत, अफोर्डेबल सस्टैनेबल हाउसिंग ऐक्सेलरैटर–इंडिया (आशा–इंडिया) के माध्यम से चिन्हित स्वदेशी संभावित भावी प्रौद्योगिकियों को इनक्यूबेशन और एक्सेलरेशन सहायता प्रदान की जा रही है। इस संबंध में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पाँच इनक्यूबेशन सहायता संस्थानों/प्रयोगशालाओं का चयन किया गया है: (i) आईआईटी–रुड़की, (ii) आईआईटी–मद्रास, (iii) आईआईटी, बॉम्बे, (iv) आईआईटी–खड़गपुर और (bv) सीएसआईआर–नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआईएसटी), जोरहाट, असम, सीएसआईआर–सीबीआरआई–रुड़की के सहयोग से। आशा–इंडिया का उद्देश्य भारत के जीवंत और गतिशील नवप्रवर्तकों के समुदाय को बढ़ावा देने और प्रदर्शित करने के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करके आवास निर्माण क्षेत्र, निर्माण सामग्री और संबंधित उत्पादों में अनुसंधान और विकास को उत्प्रेरित करना है। भविष्य की संभावित प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत दो श्रेणियों का समर्थन किया जा रहा है, जिनमें (i) इनक्यूबेशन समर्थन (सपोर्ट) के लिए प्री–प्रोटोटाइप टेक्नोलॉजीज और (ii) त्वरण समर्थन (एक्सेलेरेशन सपोर्ट) के लिए पोस्ट–प्रोटोटाइप टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

जीएचटीसी–इंडिया के आशा–इंडिया प्री–प्रोटोटाइप घटक के अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति इस प्रकार है:

परियोजना I: "अल्प लागत वाले बांस आवास" परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः आईआईटी, खड़गपुर
इनक्यूबेटीः दृष्टि फाउंडेशन

इस परियोजना में बांस निर्माण की सामग्री और तकनीक में और अधिक नवोन्मेषी और सुधार लाना, प्रदर्शन संरचना (सामुदायिक केंद्र) का निर्माण, आईआईटी प्रयोगशाला के भीतर प्रदर्शन संरचना की निरंतर लाइव और दूरस्थ पैरामीट्रिक निगरानी, विश्लेषण, कंप्यूटर सिमुलेशन और परीक्षण, आराम, लागत, निर्माण की गति, रखरखाव के संदर्भ में मौजूदा प्रौद्योगिकियों के साथ प्रस्तावित प्रौद्योगिकी के लाभों की स्थापना, आईआईटी द्वारा उत्पाद मापदंडों और बेंचमार्क को मान्यता देना और विकसित करना आदि सम्मिलित है।

परियोजना II: ''प्रीकास्ट पैनलों की प्रायोगिक परीक्षण'' पर परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः आईआईटी, रुड़की
इनक्यूबेटीः सुरेश चावला

इस परियोजना में प्रीकास्ट पैनलों से बनी शियर दीवार के परीक्षण के लिए प्रायोगिक सेटअप का विकास, तख्तों के लिए सांचों का निर्माण, वायर मेश के साथ प्रीकास्ट पैनल शियर दीवार की ढलाई और सुदृढीकरण, प्रीकास्ट पैनलों का इन–प्लेन और आउट ऑफ प्लेन परीक्षण, समग्र दीवार पैनल एंकरेज प्रणाली का अर्ध–चक्रीय परीक्षण, वायर मेश और ऊर्ध्वाधर सुदृढीकरण दीवार के साथ प्रीकास्ट पैनल शियर दीवार के लिए डिजाइन प्रक्रिया का विकास आदि सम्मिलित है।

परियोजना III: '' पुनरूपयोग प्लास्टिक का उपयोग करके पूर्वनिर्मित पूर्वनिर्मित आयतनकारी निर्माण (पीपीवीसी)'' पर परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः आईआईटी, रुड़की
इनक्यूबेटीः अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

इस परियोजना में हॉट रोल्ड और कोल्ड फॉर्म्ड स्टील संरचना के संयोजन के साथ पुनर्चक्रित प्लास्टिक का उपयोग करके पीपीवीसी का डिजाइन और निर्माण, अपशिष्ट प्लास्टिक से बने बिल्डिंग ब्लॉक और पैनल का विकास, विभिन्न घटकों के इंजीनियरिंग गुणों का विश्लेषण, हाइब्रिड सिस्टम का भूकंपीय प्रदर्शन, आईआईटी रुड़की में एक प्रोटोटाइप मॉड्यूलर सिस्टम का निर्माण, संपूर्ण सिस्टम के लिए बिल्ड–अप मैनुअल का विकास आदि सम्मिलित है।

परियोजना IV: ''पूर्व–निर्मित भवन तत्वों और 3डी वॉल्यूमेट्रिक निर्माण के लिए कृषि–औद्योगिक क्षार–सक्रिय घटक' पर परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः एनईआईएसटी–जोरहाट और सीएसआईआर–सीबीआरआई रूड़की
इनक्यूबेटीः वीएनआईटी, नागपुर

इस परियोजना में भवन निर्माण प्रौद्योगिकी का विकास सम्मिलित है, अर्थात् तीव्र गति से सामूहिक आवास के निर्माण के लिए प्रबलित जैव आधारित क्षार सक्रिय पूर्वनिर्मित वॉल्यूमेट्रिक संरचनात्मक प्रणाली, ताकि वर्तमान अभ्यास की तुलना में कम चक्र अवधि प्राप्त की जा सके। गतिविधियों में लागत प्रभावी और टिकाऊ प्रीकास्ट हल्के वजन वाले दीवार पैनल और वॉल्यूमेट्रिक इकाइयों का विकास, पूर्वनिर्मित 3डी वॉल्यूमेट्रिक आरसी मॉड्यूलर भवनों के लिए भूकंपीय डिजाइन पैरामीटर/मानदंड, डिजाइन रणनीति, सभी उपयोगिताओं और अन्य सुविधाओं के साथ पूर्वनिर्मित शौचालय और पाकगृह के लिए विकसित प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन, सीएसआईआर–सीबीआरआई, रुड़की के प्रौद्योगिकी प्रदर्शन पार्क में पूर्वनिर्मित वॉल्यूमेट्रिक और 3डी प्रिंटिंग तकनीकों को शामिल करते हुए दो मंजिला 1100 वर्ग फुट डेमो बिल्डिंग (संख्या 2) का निर्माण, पीपीवीसी पॉड्स का पूर्ण पैमाने पर परीक्षण आदि सम्मिलित है।

परियोजना V: "निर्माण में 3डी प्रिंटिंग" पर परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः आईआईटी मद्रास
इनक्यूबेटीः मेसर्स त्वस्ता मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड

इसमें 3डी प्रिंटेबल कंक्रीट के लिए सामग्री विकास, सुरक्षित संरचनात्मक इंजीनियरिंग पद्धतियां, आईआईटी मद्रास में परीक्षण और ट्रायल के साथ 3डी प्रिंटर का निर्माण, प्रदर्शन संरचना (जी+1 गेस्ट हाउस) का निर्माण, 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग पर दिशानिर्देश/भारतीय मानक तैयार करना आदि सम्मिलित है।

परियोजना VI: ''3डी वॉल्यूमेट्रिक प्रीकास्ट निर्माण प्रौद्योगिकी का विकास'' पर परियोजना
आशा–इंडिया केंद्रः आईआईटी, मद्रास
इनक्यूबेटीः मेसर्स स्लैब्स इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड

इस परियोजना में 3डी वॉल्यूमेट्रिक मोल्ड का डिजाइन और निर्माण, 3डी वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलर इकाइयों के लिए 3डी कनेक्शन का डिजाइन, एक मानक अपार्टमेंट का प्रयोगात्मक निर्माण, सामूहिक आवास में 3डी प्रीकास्ट प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के कार्यान्वयन हेतु दिशानिर्देशों का विकास आदि सम्मिलित है।

ये सभी परियोजनाएं विभिन्न स्तरों पर अंतिम चरण में हैं और इनके दिसंबर, 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सीबीआरआई रुड़की में कृषि-अपशिष्ट आधारित मॉड्यूलर हॉलो ब्लॉकों का उपयोग करके 3डी प्रिंटेड आवास

III. राष्ट्रीय शहरी आवास निधि (एनयूएचएफ) का क्रियान्वयन

मंत्रिमंडल के अनुमोदन से बीएमटीपीसी में राष्ट्रीय शहरी आवास निधि (एनयूएचएफ) का सृजन किया है जो ऋणदाता एजेंसियों या वित्तीय संस्थानों से ऋण एकत्रित कर रहा है। एनयूएचएफ के लिए अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) द्वारा जुटाई गई निधियां बीएमटीपीसी को ऋण के रूप में प्राप्त हुई जिसको आगे केंद्रीय सहायता के रूप में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को संवितरित किया गया, साथ ही नियंत्रक मंत्रालय के आदेशानुसार मिशन के सीएलएसएस घटक के अंतर्गत केन्द्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनएज) को सब्सिडी के रूप में दिया गया।

परिषद् ने पूर्व के वर्षों में राज्य सरकारों को मंत्रालय के निदेशानुसार पीएमएवाई (यू) के अंतर्गत केंद्रीय हिस्से का संवितरण कर दिया है। अब तक एनएसएसएफ और हुडको से ईबीआर के रूप में क्रमशः 33,000 करोड़ रुपये और 20,000 करोड़ रुपये (कुल मिलाकर 53,000 करोड़ रुपये) प्राप्त हुए हैं और इसे समय–समय पर आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी स्वीकृति पत्रों के अनुसार संवितरित कर दिया गया है। मंत्रालय से 53,000 करोड़ रुपये में से एनएसएसएफ को मूल ऋण राशि की एकमुश्त चुकौती के लिए बीएमटीपीसी को 33,000 करोड़ रुपये (वित्तीय वर्ष 2021–22) प्राप्त हुए जिसे मूल ऋण राशि की एकमुश्त चुकौती के लिए एनएसएसएफ को विप्रेषित कर दिया गया है।

वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा हुड़को से प्राप्त 20,000 करोड़ रुपये के ईबीआर पर ब्याज भुगतान के लिए 1770.44 करोड़ रुपये (लगभग) का भुगतान किया गया था जिसे मंत्रालय के स्वीकृति पत्रों के अनुसार हुडको को संवितरित कर दिया गया है।

IV. आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन

1. भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर तकनीकी सत्र

बीएमटीपीसी ने भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस का तीसरा संस्करण तैयार किया है, जिसमें भूकंप, हवा/चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन, आंधी–तूफान के खतरे के मानचित्र और उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के आधार पर अतिसंवेदनशील जोखिम तालिकाएं सम्मिलित हैं, ताकि ऐसी प्राकृतिक आपदाओं को कम करने में सरकारों और विभिन्न अन्य एजेंसियों को तैयारी करने में सहायता मिल सके। यह एटलस न केवल आम जनता के लिए अपितु शहरी प्रबंधकों और आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन से जुड़े राष्ट्रीय एवं राज्य प्राधिकरणों के लिए भी अत्यंत उपयोगी साधन है। एटलस का डिजिटल संस्करण भी विकसित किया गया है, जिसके लिए एक समर्पित वेबसाइट https://vai.bmtpc.org बनाई गई है।

व्यावसायिकों और हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्यक्रमों के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर कई तकनीकी सत्र आयोजित किए गएः

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा दिनांक 8 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में अपनी स्थापना का 150 वर्ष का आयोजन।
- एनडीएमए, एनआरएससी, आईएमडी और सीआरओपीसी द्वारा दिनांक 9–10 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में पुनर्निर्माण की सुगमता विषय पर सामाजिक न्याय और सबसे अति पिछड़े समुदायों के सशक्तिकरण विषय पर बिजली गिरने और मौसम की भीषण घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से दिनांक 6 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर कार्यशाला – महत्वपूर्ण अवसरः सीओडीआरआर कार्यशाला 6 का आयोजन।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा एनआईडीएम रोहिणी परिसर, नई दिल्ली में दिनांक 11–15 नवंबर, 2024 को भूकंप जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।
- एसएआईएआरडी–हिमालयन क्लाइमेट कंसोर्टियम द्वारा जोशीमठः हिमालयी शहरी पुनर्निर्माण की सुगमता के लिए एक जागृति आह्वान पर दिनांक 14 सितंबर, 2024 को वेबिनार का आयोजन।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा 8 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस (हाइब्रिड मोड में) पर विशेष सत्र का आयोजन

- एनआईडीएम, नई दिल्ली में वरिष्ठ संकायों और शिक्षाविदों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से मौसम की भीषण घटनाओं के संदर्भ में शहरी बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण की सुगमता" पर दिनांक 9–13 सितंबर, 2024 को एक साप्ताहिक राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा नई दिल्ली में दिनांक 21 मई, 2024 को शहरी पुनर्निर्माण सुगमता पर हितधारक परामर्श का आयोजन।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा दिनांक 2–5 अप्रैल, 2024 को शैक्षिक संस्थानों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरणः पुनर्निर्माण सुगमता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

बीएमटीपीसी ने देश और राज्यों से लेकर जिला स्तर तक भूकंप, हवा/चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन, तूफान और क्षतिपूर्ण जोखिम तालिकाओं से संबंधित जोखिम के मानचित्रों तक आसान पहुंच और डाउनलोड के लिए एक समर्पित वेबसाइट https://vai.bmtpc.org बनाई है। बीएमटीपीसी, आवसन एवं शहरी कार्य मंत्रालय और योजना एवं वास्तुकला विद्यालय (एसपीए) नई दिल्ली ने https://ecourse.bmtpc.org पर भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर ई–पाठ्यक्रम आरंभ किया है। यह एक बुनियादी ई–लर्निंग कोर्स है जो प्राकृतिक खतरों के बारे में जागरूकता और समझ प्रदान करता है, विभिन्न खतरों (भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन, बाढ़, आदि) के संबंध में अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता करता है और मौजूदा आवास स्टॉक के नुकसान के जोखिम के जिलेवार स्तर को विनिर्दिष्ट करता है। दो नए पाठ्यक्रम, अर्थात् (i) भूकंप प्रतिरोधी आवास निर्माण पर ई–पाठ्यक्रम और (ii) आवास के हवा/चक्रवात प्रतिरोध में सुधार लाने पर ई–पाठ्यक्रम भी विकसित और अपलोड किए गए हैं।

9–13 सितंबर, 2024 को एनआईडीएम, नई दिल्ली में वरिष्ठ संकायों और शिक्षाविदों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से "मौसम की भीषण घटनाओं के संदर्भ में शहरी बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण की सुगमता" पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)

V. निर्माण क्षेत्र में सूचना और डाटाबेस आधार का सुदृढ़ीकरण

1. बीएमटीपीसी के न्यूजलेटर –''निर्माण सारिका'' के विशेषांक का प्रकाशन

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने विगत वर्षों भांति, विश्व पर्यावास दिवस 2024 हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर, बीएमटीपीसी ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा चुने गए ''बेहतर शहरी भविष्य के निर्माण हेतु युवाओं को जोड़ना'' विषय पर अपने न्यूजलेटर ''निर्माण सारिका'' का विशेषांक प्रकाशित किया। इस विशेषांक में परिषद् के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालने के अलावा, विश्व पर्यावास दिवस के विषय से संबंधित विभिन्न मुद्दों को भी रेखांकित किया गया है। श्री तोखन साहू, माननीय, राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने 9 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली में श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की उपस्थिति में ''निर्माण सारिका'' के इस विशेषांक का विमोचन किया।

2. ''नवीन निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियां'' पुस्तक का प्रकाशन

परिषद् ने दिनांक 19–20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में नवीन भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों (आईबीएमसीटीई–2025) पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन किया ताकि सभी हितधारकों को अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए एक मंच पर लाया जा सके। इस अवसर पर, परिषद् ने "नवीन निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकी" नामक पुस्तक का सार तैयार किया। इस पुस्तक में अत्याधुनिक सामग्रियों, निर्माण प्रौद्योगिकियों से लेकर दक्ष, टिकाऊ, नेट–शून्य प्रक्रियाओं तक के अनेक विषयों को सम्मिलित किया गया है और इसमें भवन निर्माण सामग्री और निर्माण प्रथाओं के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों और संस्थानों द्वारा लिखे गए 26 शोधपत्र सम्मिलित हैं। इन तकनीकी शोधपत्रों में राष्ट्रीय सम्मेलन के निम्नलिखित उप–विषय सम्मिलित हैं:

- उभरती हुई निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रणालियाँ और टिकाऊ भवन प्रथाएँ
- भविष्य की प्रौद्योगिकीं सहित औद्योगिक भवन प्रणालियाँ
- हरित भवन निर्माण सामग्री और सतत विकास
- भवन निर्माण एवं संचालन में ऊर्जा एवं तापीय दक्षता, हरित निर्माण

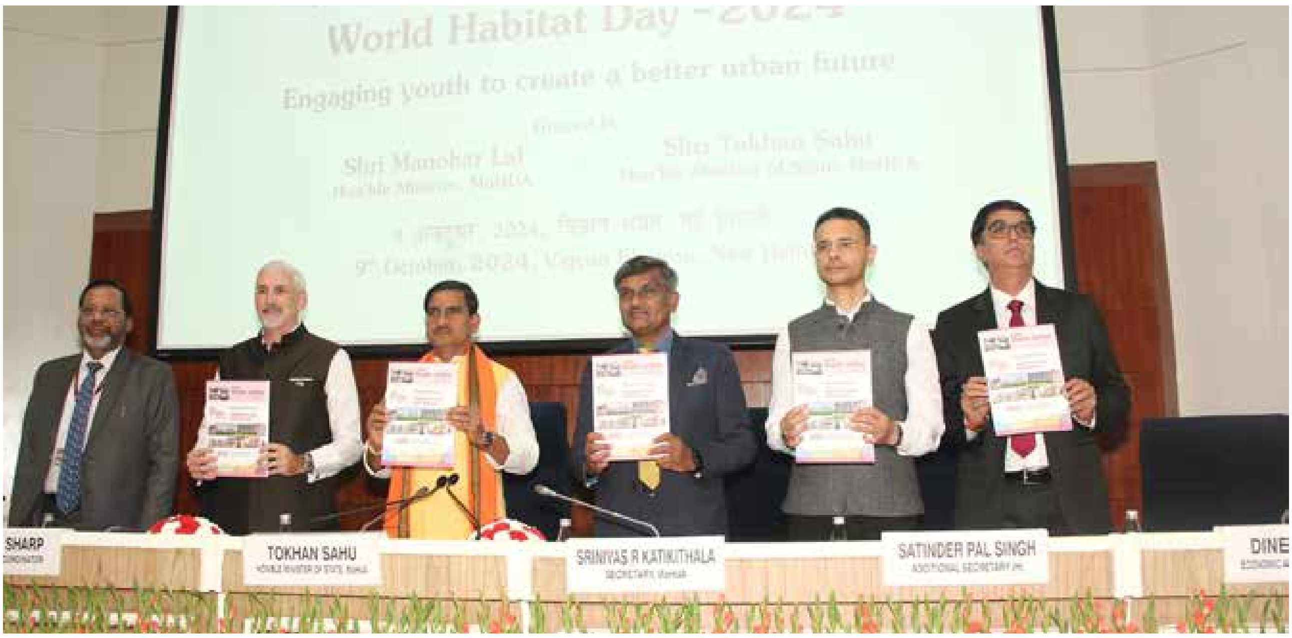

श्री तोखन साहू, माननीय राज्य मंत्री, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय दिनाक 9 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली में श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला, सचिव, आवासन एवं शहरी कार्य की उपस्थिति में बीएमटीपीसी के न्यूजलेटर ''निर्माण सारिका'' के विशेषांक का विमोचन करते हुए

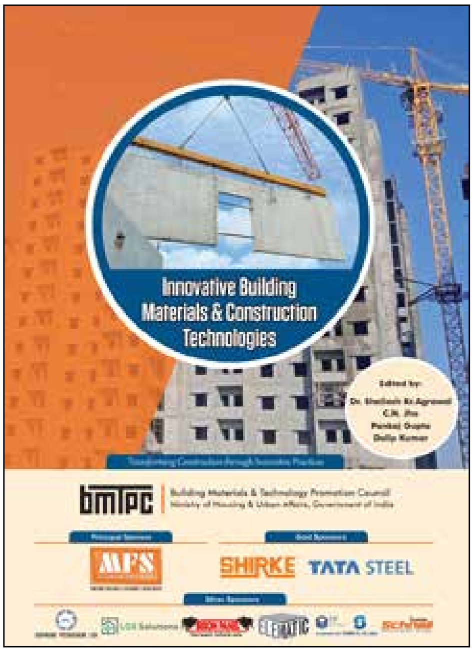

- औद्योगिक/कृषि/प्लास्टिक अपशिष्ट आधारित उत्पाद/घटक, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियां

ये शोधपत्र उद्योग जगत के विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोध संस्थानों और व्यावसायिकों द्वारा तैयार किए गए हैं। इस पुस्तक को https://bmtpc.org पर भी अपलोड किया गया जिसे डाउनलोड किया जा सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्माण उद्योग के लिए एक शिक्षण मंच प्रदान करना और भवन निर्माण उद्योग, व्यावसायिकों, सार्वजनिक एवं निजी एजेंसियों तथा वास्तुकला एवं इंजीनियरिंग के छात्रों को निर्मित पर्यावरण के लिए नई सामग्रियों और तकनीकों से अवगत कराना है।

3. मानकीकरण एवं उत्पाद मूल्यांकन

कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना (पीएसीएस)

बीएमटीपीसी द्वारा चलाई जा रही कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणीकरण योजना (भारत का गजट सं. 49 दिनांक 4 दिसंबर, 1999 में गजट अधिसूचना सं. I-16011/5/99 H-II), किसी उत्पाद के विनिर्माताओं या संस्थापकों के लिए एक तृतीय पक्षीय स्वैच्छिक योजना है जिसमें मूल्यांकन की उचित प्रक्रिया पश्चात निर्माण सामग्री, उत्पाद, संघटक, तत्व एवं प्रणाली आदि का मूल्यांकन सम्मिलित है।

चूंकि यह योजना उत्पादों/प्रणालियों के लिये चलाई जा रही है जहां कोई प्रासंगिक भारतीय मानकीकरण उपलब्ध नहीं है अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि सबसे पहले कार्य–निष्पादन मूल्यांकन के लिये अपेक्षित विनिर्देश पर काम किया जाए। उन मदों के लिए जहां भारतीय संहिताएं उपलब्ध नहीं हैं, अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं का भी संदर्भ लिया जा रहा है। कुछ मामलों में, विनिर्माताओं द्वारा संस्तुत विनिर्देशों को गुणवत्ता एवं कार्य–निष्पादन में सुधार लाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं के आधार पर संशोधित किया जाना है।

विभिन्न राज्य, उनके आवास बोर्ड एवं अन्य विभाग भी अपने राज्यों में सामूहिक आवास के निर्माण हेतु उभरती प्रौद्योगिकियों एवं सामग्रियों को बढ़ावा दे रहे हैं एवं उनका उपयोग कर रहे हैं। इस तरह पीएसीएस, सामूहिक आवास में उभरती प्रौद्योगिकियों की शुरूआत का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है।

प्रमाणन के लिए नई प्रणालियों/उत्पादों के मसौदा पीएसी की तैयारी

प्रारंभिक आवेदन (पीए), विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) के साथ प्रस्तुत विवरण और समय–समय पर की गई विभिन्न टिप्पणियों के आधार पर एजेंसी द्वारा प्रदान किए गए स्पष्टीकरण पर आधारित, निम्नलिखित नए उत्पादों/प्रणालियों के लिए कार्य–निष्पादन मूल्यांकन प्रमाणपत्र (पीएसी) का मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है जिसे तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीएसी) को भेजा जाएगाः

i) कंक्रीवॉल – मेसर्स एनबीपी निर्माण भारत पैनल्स एलएलपी, इंदौर द्वारा प्रबलित ईपीएस स्ट्रक्चरल पैनल (आरईएसपी) प्रणाली
स्टील की जाली और क्रॉस कनेक्टर से प्रबलित ईपीएस पैनलों की एक निर्माण प्रणाली, एक त्रि–आयामी संरचना बनाती है। कार्यस्थल पर, दीवारों और स्लैब बनाने के लिए पैनलों को कंक्रीट से पक्का किया जाता है, जिससे मजबूती और टिकाऊपन के साथ–साथ उच्च स्तर का तापीय इन्सुलेशन भी मिलता है।

ii) मेसर्स कृष्ण लाल एंड संस, हरियाणा द्वारा बिल्डिंग लिफ्टिंग तकनीक
यह एक विशेष इंजीनियरिंग तकनीक/प्रक्रिया है जिसका उपयोग बाढ़ जैसी समस्याओं का समाधान

करने, नींव की मरम्मत आदि जैसे उद्देश्यों के लिए संपूर्ण भवन संरचना को ऊंचा उठाने के लिए किया जाता है। उठाने का कार्य अनेक जैकों की सहायता से किया जाता है, जो समान रूप से भार वहन करने वाले भागों के नीचे रखे जाते हैं, तथा संपूर्ण भवन संरचना की समान और स्थिर ऊंचाई सुनिश्चित करने के लिए एक साथ संचालित किए जाते हैं।

iii) मेसर्स इंडोवुड एनएफसी प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा इंडोवुड प्राकृतिक फाइबर कम्पोजिट (एनएफसी) उत्पाद

यह कृषि फाइबर, पीवीसी रेजिन और एडिटिव्स से बना एक इंजीनियर्ड लकड़ी का विकल्प है, जिसे मजबूती और स्थायित्व के साथ लकड़ी जैसा बनाया गया है। यह क्लैडिंग, पैनलिंग, फर्निशिंग, जॉइनरी और आउटडोर अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त है, और इसे थर्मोफॉर्म किया जा सकता है। इसमें उत्पाद के कुल वजन के 30 प्रतिशत तक कृषि अवशेष – चावल की भूसी का उपयोग किया जाता है, जिसे अक्सर फेंक दिया जाता है या जला दिया जाता है, इस प्रकार उन्नत प्रक्रिया का उपयोग करके इस अपशिष्ट को टिकाऊ पैनलों में परिवर्तित किया जाता है।

iv) मेसर्स सुची फोम्स प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात द्वारा इंसुलेटेड सैंडविच पैनल (रिगिड पॉलीयूरेथेन/पॉलीआइसोसायन्यूरेट कोर)

इन मिश्रित पैनलों में दो धातु शीटों के बीच एक कठोर इंसुलेटिंग कोर होता है, जिसमें विभिन्न कोटिंग्स और मौसम प्रतिरोधक क्षमता होती है। विभिन्न मोटाई और फिनिश में निर्मित, ये थर्मल इंसुलेशन और हल्के वजन का निर्माण प्रदान करते हैं, और इमारतों में दीवारों, क्लैडिंग और छत के लिए व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

पीएसीएस का नवीकरण

अपेक्षित विवरण के साथ नवीकरण आवेदनों की प्राप्ति के आधार पर, वर्ष के दौरान निम्नलिखित पीएसी का नवीकरण किया गया। नवीनीकरण प्रक्रिया के दौरान, हाल की परीक्षण रिपोर्ट और टीएसी के कुछ सदस्यों के साथ विनिर्माण इकाइयों के निरीक्षण के आधार पर तकनीकी अनुरूपता पहलुओं को सुनिश्चित किया जाता है। जिन आवेदनों का नवीनीकरण किया गया है वे इस प्रकार हैं:

i) मेसर्स ईपैक पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्रेटर नोएडा द्वारा प्री–इंजीनियर्ड बिल्डिंग स्ट्रक्चर के साथ पीयूएफ सैंडविच पैनल

प्री–इंजीनियर्ड बिल्डिंग संरचना के साथ पीयूएफ सैंडविच पैनल दीवारों और छत के लिए पीयूएफ पैनलों के साथ एक स्टील फ्रेमिंग सिस्टम को जोड़ने में काम आते हैं। लेपित स्टील शीटों के बीच एक कठोर पीयूएफ कोर से बने ये पैनल हल्के, तापीय रूप से दक्ष हैं और इन्हें आसानी से स्थापित किया जा सकता है।

ii) मेसर्स त्वस्ता मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा कंक्रीट 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी (सी3डीपी)

कंक्रीट 3डी प्रिंटिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें स्वचालित रोबोटिक प्रणालियां एक पंप, एक्सट्रूडर और प्रिंट हेड का उपयोग करके कंक्रीट को परत दर परत बिछाती हैं, तथा इस प्रक्रिया को सॉफ्टवेयर के माध्यम से नियंत्रित किया जाता है, जो मशीन और सामग्री मापदंडों को एकीकृत करता है। इस प्रणाली के लाभों में डिजाइन की स्वतंत्रता, निर्माण दक्षता, स्वचालन, दीवार के लिए फॉर्मवर्क की आवश्यकता न होना तथा श्रमिक की सुरक्षा आदि सम्मिलित है।

iii) इंस्टाकॉन, मेसर्स सिनर्जी थ्रिसलिंगटन, सोलन, एच. पी. द्वारा– फैक्ट्री निर्मित फास्ट ट्रैक मॉड्यूलर बिल्डिंग सिस्टम

फैक्ट्री मेड फास्ट ट्रैक मॉड्यूलर बिल्डिंग प्रणाली एक स्टील–आधारित निर्माण पद्धति है, जिसमें फर्श, छत, बिजली और प्लंबिंग सहित लगभग 70% कार्य कारखानों में पूरा किया जाता है। इसके पश्चात मॉड्यूलों को स्थल (साइट) पर पहुंचाया जाता है, जहां इन्हें जोड़ा जाता है, तथा ईपीएस पैनल की दीवारों पर कंक्रीटिंग करके मॉनोलिथिक संरचना तैयार की जाती है।

iv) मेसर्स ईएसईएस बायो वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड, मोरीगांव, असम द्वारा स्ट्रैंड वोवन बांस वुड फ्लोरिंग, वॉल पैनल और दरवाजे/खिड़की के फ्रेम

बांस की लकड़ी एक पर्यावरण–अनुकूल मजबूत लकड़ी का विकल्प है, जो प्रसंस्कृत बांस की बल्लियों से बनाया जाता है, जिन्हें पहले उबाला जाता है फिर उसका कार्बनीकृत किया जाता है और फिर भट्टी में सुखाया जाता है इसके पश्चात फेनोलिक चिपकाने वाले पदार्थ

से चिपकाने के बाद इसे उच्च दबाव में संपीड़ित किया जाता है।

निम्नलिखित उत्पादों/प्रणालियों के लिए नवीकरण आवेदन प्रक्रियाधीन हैं:

i) मेसर्स लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा वॉल्यूमेट्रिक (3डी) कंक्रीट प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी (वीसीपीटी)
ii) मेसर्स मुथा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई द्वारा बांस की लकड़ी के उत्पाद
iii) एकीकृत हाइब्रिड समाधान – वन (आईएचएस – वन) मेसर्स आप का आवास एलएलपी, नई दिल्ली द्वारा
iv) मेसर्स आउटिनॉर्ड फॉर्मवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, पुणे द्वारा मॉड्यूलर टनल का निर्माण
v) मेसर्स जेपीएल इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड, भिवाड़ी, राजस्थान द्वारा इलास्टोमेरिक पेंटेबल प्लास्टर

पीएसीएस के निगर्मन हेतु प्रक्रियाधीन आवेदन

विनिर्माताओं से निम्नलिखित नए उत्पादों/प्रणालियों के लिए प्रारंभिक आवेदन (पीए) प्राप्त हुए हैं, जिसके आधार पर आवेदनों को संसाधित करने के लिए अन्य दस्तावेजों के साथ जानकारी प्रस्तुत करने के लिए विस्तृत आवेदन पत्र (डीएएफ) जारी किए जा रहे हैं:

i) 3डी प्रिंटेड वॉल पैनल:
3डी वॉल पैनल का निर्माण एक रोबोटिक आर्म/गैन्ट्री–नियंत्रित नोजल (3डी कंक्रीट प्रिंटर) के माध्यम से तैयार कंक्रीट मिश्रण को पंप करके किया जाता है, जो सामग्री को परत दर परत एक स्थिर प्लेटफॉर्म पर प्रिंट करता है। इन दीवार पैनलों का उपयोग सूखी या गीली स्थितियों में आंतरिक और बाहरी दोनों दीवारों के लिए किया जा सकता है।

ii) एक्सपैनल बिल्डिंग टेक्नोलॉजीज:
एक्सपैनल में गैल्वेनाइज्ड स्टील जाल और इलेक्ट्रो–वेल्डेड कनेक्टरों से मजबूत किए गए ईपीएस कोर पैनल का उपयोग किया गया है, जो तापीय और संसाधन दक्षता लाभ के साथ भार वहन करने वाली दीवारों, विभाजन दीवारों और स्लैब के रूप में कार्य करते हैं।

iii) पुनर्चक्रित प्लास्टिक बोर्ड/पैनल:
ये 100% पुनर्चक्रित बहु–परत प्लास्टिक कचरे से बने पर्यावरण–अनुकूल भवन पैनल होते हैं। ये मजबूत, जलरोधी, दीमक–रोधी और अग्निरोधी हैं, जिससे ये दीवारों, विभाजनों, छतों और शटरिंग जैसे कार्यों के लिए लकड़ी, प्लाईवुड या धातु का एक टिकाऊ विकल्प बन जाते हैं।

नए उत्पादों/प्रणालियों के लिए निम्नलिखित प्रारंभिक आवेदन (पीए) प्राप्त हुए हैं और वर्तमान में आगे की प्रक्रिया के लिए समीक्षा/परीक्षण के अधीन हैं:

i) स्ट्रक्चरल इंसुलेटेड कंक्रीट पैनल (ईपीएस 3डी पैनल)
स्ट्रक्चरल इंसुलेटेड कंक्रीट पैनल (ईपीएस 3डी पैनल) हल्के, उच्च शक्ति वाले पैनल हैं, जिनमें ईपीएस कोर होता है, जो गैल्वेनाइज्ड स्टील जाल में बंद होता है और कंक्रीट से तैयार किया जाता है। वे ईंट/ब्लॉक चिनाई में काम आते हैं और दीवारों, विभाजनों, स्लैब, छत, सीढ़ियों और लैंडिंग के लिए उपयोग किए जाते हैं।

ii) पेन फाउंडेशन (प्री–इंजीनियर्ड फाउंडेशन)
प्री–इंजीनियर्ड नेल (पेन) फाउंडेशन एक उन्नत फाउंडेशन सिस्टम है जिसमें स्टील के तत्वों (कीलों) को एक कोण पर मिट्टी में ठोंका जाता है, जिससे जमीन मजबूत और स्थिर होकर किसी संरचना को सहारा देती है। यह 60 मीट्रिक टन तक के स्तंभ भार वाली कम ऊँचाई वाली संरचनाओं को सहारा दे सकता है।

iii) कोटेड ईपीएस बीड्स द्वारा पोलिटर्म ब्लू–थर्मल इंसुलेशन:
इसमें ई.आई.ए. योजक के साथ मिश्रित ईपीएस मोती (3–6 मिमी व्यास) शामिल हैं, जो एक हल्के समुच्चय का निर्माण करते हैं जिसका उपयोग मोर्टार स्क्रीडिंग अनुप्रयोगों, इन्सुलेशन परतों आदि में थर्मल इन्सुलेशन के लिए किया जाता है।

iv) इकोवॉल प्रणाली:
यह एक ईपीएस आधारित पैनल प्रणाली है जिसमें ईपीएस कोर के साथ हल्के, कारखाने में निर्मित पैनल शामिल हैं, जो तेज निर्माण, थर्मल इन्सुलेशन और कम संरचनात्मक भार प्रदान करते हैं। यह प्रणाली आंतरिक और बाह्य दोनों दीवार अनुप्रयोगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

उपरोक्त आवेदनों पर कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रमाण पत्र (पीएसी) तैयार करने से पहले फर्मों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों, उनकी वेबसाइटों पर उपलब्ध जानकारी, कार्य स्थल पर विनिर्माण संयंत्रों के निरीक्षण और उत्पादों/प्रणालियों

आदि के नमूनों के परीक्षण के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक, परिषद् विभिन्न नवीन सामग्रियों, उत्पादों और प्रणालियों आदि पर 84 पीएसी जारी कर चुकी हैं, जिनमें से 46 पीएसी उभरती निर्माण प्रणालियों से संबंधित हैं। इनका विवरण https://bmtpc.org पर देखा जा सकता है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की अनुभागीय (सेक्शनल) समितियों के लिए तकनीकी सहायता

पीएसीएस के अलावा परिषद्, सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित विभिन्न विषयों – यथा सीमेंट एवं कंक्रीट, फ्लोरिंग, वाल फर्निशिंग तथा रूफिंग सामग्री; भूकंप इंजीनियरिंग, आवासीय प्रीफैब्रिकेटेड निर्माण; पहाड़ी क्षेत्र विकास तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता इत्यादि पर भारतीय मानकों का सूत्रीकरण करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की विभिन्न अनुभागीय समितियों को तकनीकी सहायता (इनपुट) उपलब्ध करा रही है।

राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) में संशोधन किया जा रहा है और बीआईएस जल्द ही इसका नया संस्करण जारी करेगा। एनबीसी के विभिन्न भागों में संशोधन का काम 22 पैनलों को सौंपा गया है। एनबीसी के भाग 5 निर्माण सामग्री को उत्तरोत्तर संशोधित करने की दिशा में, डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, बीएमटीपीसी की अध्यक्षता में निर्माण सामग्री सीईडी46:पी3 के लिए विशेषज्ञ पैनल की स्थापना की गई।

संशोधन के लिए कुछ क्षेत्र जिन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है वे इस प्रकार हैं:

- स्थायित्वः भवन निर्माण सामग्री के पूरे जीवनचक्र में टिकाऊ प्रथाओं को समाविष्ट करने पर जोर दिया जाएगा।
- 3डी प्रिंटिंगः निर्माण में 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी के एकीकरण को विशिष्ट दिशानिर्देशों के साथ संबोधित किया जाएगा।
- वैकल्पिक प्रौद्योगिकियांः वैकल्पिक निर्माण विधियों के लिए विस्तृत अपेक्षाएं स्थापित की जाएंगी।
- पुनर्चक्रित सामग्रीः निर्माण में पुनर्चक्रित सामग्री के उपयोग को विनियमों के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाएगा।

वर्ष के दौरान विशेषज्ञ पैनल की कई बैठकें आयोजित की गईं। निर्माण उद्योग के हितधारकों, जिनमें वास्तुकार, इंजीनियर और सामग्री आपूर्तिकर्ता सम्मिलित हैं, को भी व्यावहारिक कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस को अपने सुझाव देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

4. भवनों में जलवायु लचीलापन और तापीय आराम बढ़ाने के लिए जीआईजेड की जलवायु स्मार्ट बिल्डिंग परियोजना

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने शहरी क्षेत्रों में किफायती आवास की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी का शुभारम्भ किया। यह दृष्टिकोण नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। इसलिए, यह आवश्यक हो जाता है कि बनाए जा रहे आवासों में रहने वालों को इष्टतम तापीय सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किफायती आवास व्यावहारिक रूप से किफायती ही रहें।

तदनुसार, बीएमटीपीसी आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के जीआईजेड के जलवायु स्मार्ट भवन परियोजना की विभिन्न गतिविधियों के साथ गहनता से जुड़ा हुआ है, इसका मुख्य उद्देश्य किफायती आवास में निर्माण और भवनों में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों के साथ नवीन निष्क्रिय उपायों, स्थानीय टिकाऊ और कम सन्निहित ऊर्जा सामग्री को अपनाकर भवनों में जलवायु लचीलापन और तापीय आराम को बढ़ाना है। इस अवधि के दौरान, निम्नलिखित ज्ञान संबंधी उत्पाद विकसित किए गए हैं:

- थर्मल कम्फर्ट एक्शन प्लानः नवीन और टिकाऊ डिजाइन रणनीतियों के माध्यम से थर्मल कम्फर्ट चुनौतियों का समाधान करके भारत के किफायती आवास क्षेत्र में रहने योग्यता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका।
- जलवायु स्मार्ट भवन डिजाइनों की सूचीः यह वेबटूल विभिन्न प्रकार वाले जलवायु क्षेत्रों के लिए एकल और बहु–परिवार वाले आवास के लिए डिजाइन टेम्पलेट्स प्रदान करता है। इस वेबटूल को https://climatesmartbuildings.itechmission.org/ पर देखा जा सकता है।
- आवास सारथी मोबाइल एप्लीकेशनः इस एप्लीकेशन में दो घटक सम्मिलित हैं (i) स्मार्ट आवासः उपर्युक्त

डिजाइन कैटलॉग, और (ii) पृथ्वीः सीएसबी परियोजना के अंतर्गत विकसित पृथ्वी मानक और दिशानिर्देशों का एक इंटरैक्टिव, उपयोगकर्ता–अनुकूल, डिजिटल संस्करण।

- किफायती आवास के लिए जलवायु स्मार्ट भवन डिजाइनों का संग्रह (क) खंड 01 – लाभार्थी के नेतृत्व में निर्माण और (ख) खंड 02 – बहु–परिवार वाले आवास।
- वास्तुकारों और राज्य/शहर के अधिकारियों को पृथ्वी पर प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल।

ये दस्तावेज सिफारिशों का एक सेट है, जो निष्क्रिय डिजाइन उपायों के साथ किफायती आवास में थर्मल आराम को बढ़ाने के लिए व्यापक जीवित प्रयोगशाला प्रयोगों के परिणामस्वरूप तैयार किया गया है।

5. परिषद् की वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रसार

परिषद् की वेबसाइट (https://www.bmtpc.org) को विश्व स्तर पर पेशेवरों और अन्य लोगों के द्वारा देखा जा रहा है। इसका उपयोग नवोन्मेषी भवन सामग्रियों और निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में एक संदर्भ संसाधन के तौर पर किया जा रहा है। परिषद् की वेबसाइट सबके लिये किफायती आवास के सामर्थ्यकारी वातावरण तैयार करने के इसके अधिदेश के अनुरूप किफायती भवन सामग्रियों और निर्माण पर एक कोष के तौर पर कार्य करती है। परिषद् की वेबसाइट को राजभाषा निदेशालय के निदेशों के अनुसार हिंदी में भी विकसित किया गया है। इसके अलावा, भारत की अतिसंवेदनशीलता ऐट्लस तक आसान पहुंच के लिए एक समर्पित एकल वेबसाइट https://vai.bmtpc.org विकसित की है। इसके अलावा, बीएमटीपीसी अपने ई–पाठ्यक्रमों के लिए दो वेबसाइट संचालित कर रहा है, अर्थात् (i) नवरीतिः नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर ई–प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (https://ict.bmtpc.org) और (ii) भारत की अतिसंवेदनशीलता ऐट्लस पर ई–पाठ्यक्रम (https://ecourse.bmtpc.org)।

वेबसाइट पर उत्पाद एवं सेवाओं के बारे में सामान्य पूछताछ के तौर पर अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त होती है। परिषद् की वेबसाइट का किराया एवं क्रय अपेक्षाओं, निविदा सूचनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सूचना का अधिकार अधिनियम तथा समय–समय पर यथापेक्षित अन्य सूचनाओं के अतिरिक्त नवीनतम तकनीकी सूचना से नियमित तौर पर अद्यनीकृत किया जाता है।

परिषद् नवीन निर्माण सामग्री और आपदा प्रतिरोधी प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी का प्रचार–प्रसार करने के लिए अन्य क्रियाकलाप सहित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (X: @bmtpcdelhi; फेसबुकः @bmtpc.mhua; यूट्यूबः BMTPC) का भी उपयोग कर रही है।

यूट्यूब चैनल "बीएमटीपीसी" दर्शकों के बीच मुख्य रूप से इंजीनियरों, वास्तुकारों और अन्य हितधारकों के बीच दिन–ब–दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इस यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध विभिन्न वीडियो के 26,41,042 से अधिक बार देखा गया। अधिकांश लोगों द्वारा देखे जा रहे कुछ वीडियो इस प्रकार हैं (1) लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चर सिस्टम (94,313 बार), (2) ईपीएस आधारित पैनल सिस्टम (75,213 बार), (3) मोनोलिथिक कंक्रीट कंस्ट्रक्शन (11,880 बार), (4) स्टे इन प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम (6,601 बार) (5) पूर्वनिर्मित कंक्रीट निर्माण (5,366) इत्यादि। बीएमटीपीसी यूट्यूब चैनल पर अब तक 3174 सब्सक्राबर बन चुके हैं।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने सभी हितधारकों के लिए एक ऑनलाइन नामांकन अभियान शुरू किया है, ताकि वे नवीनतम नवीन प्रौद्योगिकियों का उपयोग सीखने, अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों के अनुसार नवोन्मेषी करने और उन्हें 'मेक इन इंडिया' के रूप में अंगीकृत जी जाने वाली नई निर्माण प्रौद्योगिकियों के टेक्नोग्राही के रूप में अनुकूलित करने के लिए स्वयं को पंजीकृत कर सकें। टेक्नोग्राही नवीन और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकर्ता हैं जो निर्माण क्षेत्र में प्रौद्योगिकी परिवर्तन लाकर देश में इसे अंगीकृत करने और इसे बढ़ावा देने में सहायता करते हैं। वे आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने हेतु नए शहरी भारत के लिए शहरी परिदृश्य को बदलने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं। बीएमटीपीसी ने जीएचटीसी–इंडिया के अंतर्गत टेक्नोग्राहियों के लिए एक ई–ज्ञान पैक विकसित किया है। इसमें 42,000 से अधिक टेक्नोग्राहियों को नामांकित किया गया है, जिन्हें ई–लर्निंग, स्थलीय दौरा, क्षेत्र विशेषज्ञों के साथ चर्चा–परिचर्चा और वेबिनार के माध्यम से उभरती आवास प्रौद्योगिकियों से अवगत कराया गया है।

VI. प्रौद्योगिकी की पहचान, स्थानांतरण एवं संवर्धनात्मक गतिविधियां

1. उभरती आवास प्रौद्योगिकियों की पहचान एवं मूल्यांकन

परिषद् नियमित आधार पर विश्व भर में अपनाई गई वैकल्पिक निर्माण प्रणालियों का मूल्यांकन कर रही है ताकि भारतीय भू–जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल ऐसी उपयुक्त तकनीकों की पहचान, अनुकूलन और संवर्धन किया जा सके। इस प्रक्रिया में, पीएसी के माध्यम से निम्नलिखित तकनीकों का मूल्यांकन और प्रमाणन किया गया है, जो देश में निर्मित–पर्यावरण के लिए उपयोग किए जाने वाले भविष्य के उत्पाद और तकनीकें हैं:

प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण प्रणाली – 3डी प्रीकास्ट वॉल्यूमेट्रिक

1 वॉल्यूमेट्रिक (3डी) कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक (वीसीपीटी)
2 कंक्रीट 3डी प्रिंटिंग तकनीक (सी3डीपी)

प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण प्रणाली – स्थल पर जोड़े गए प्रीकास्ट घटक

3 एसआरपीएल बिल्डिंग सिस्टम (वफल–क्रेट)
4 वॉलटेक हॉलोकोर कंक्रीट पैनल
5 प्रीकास्ट लार्ज कंक्रीट पैनल सिस्टम
6 औद्योगिक 3–एस प्रणाली जिसमें आरसीसी प्रीकास्ट का उपयोग किया जाता है, जिसमें शीयर दीवारें, स्तंभ, बीम, सेलुलर लाइट वेट कंक्रीट स्लैब/सेमी–प्रीकास्ट सॉलिड स्लैब शामिल हो या नहीं।
7 रोबोटिक हॉलोकोर कंक्रीट वॉल पैनल
8 के–वॉल पैनल
9 अर्बनैक प्रीकास्ट निर्माण प्रौद्योगिकी
10 एकीकृत हाइब्रिड समाधान – एक
11 कोन_क्रिट प्रबलित ऑटोक्लेव्ड वातित कंक्रीट पैनल

लाइट गेज स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम और प्री–इंजीनियर्ड स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम

12 फैक्ट्री निर्मित फास्ट ट्रैक मॉड्यूलर बिल्डिंग सिस्टम
13 स्पीड फ्लोर सिस्टम
14 लाइट गेज स्टील फ्रेम्ड स्ट्रक्चर (एलजीएसएफ)
15 इनफिल कंक्रीट पैनल तकनीक के साथ लाइट गेज स्टील फ्रेम संरचना
16 स्टील संरचनायुक्त सतत सैंडविच (पीयूएफ) पैनल
17 पैनल पूर्व इंजीनियर्ड बिल्डिंग संरचना के साथ पीयूएफ सैंडविच
18 फेरोबिल्ड डिजाइन सिस्टम के हिस्से के रूप में फेरॉन पैनल

पूर्वनिर्मित सैंडविच पैनल प्रणाली

19 उन्नत भवन प्रणाली – एम्मेड्यू
20 क्विकबिल्ड 3डी पैनल
21 प्रबलित ईपीएस कोर पैनल सिस्टम
22 रैपिड पैनल
23 पूर्वनिर्मित फाइबर प्रबलित सैंडविच पैनल
24 कंक्रीट पैनल सिस्टम
25 राइजिंग ईपीएस (बीड्स) सीमेंट पैनल
26 पीआईआर ड्राई वॉल प्री–फैब पैनल सिस्टम
27 बाउपनेल प्रणाली
28 फ्लाईऐश ईपीएस (बीड्स) सीमेंट सैंडविच पैनल
29 वी–इन्फिल वॉल (हल्के वजन वाली ईपीएस वॉल)
30 नैनो लिविंग सिस्टम टेक्नोलॉजी
31 फैक्ट्री में खनिज ऊन का उपयोग करके बनाए गए इंसुलेटेड सैंडविच पैनल
32 सैंडविच पैनल का उपयोग करके फैक्ट्री असेंबल्ड इंसुलेटेड
33 एवरेस्ट रैपिकॉन पैनल/सॉलिड वॉल पैनल
34 कंक्रीवॉल – प्रबलित ईपीएस स्ट्रक्चरल पैनल (आरईएसपी सिस्टम)
35 इंसुलेटेड सैंडविच पैनल (कठोर पॉलीयूरेथेन/पॉली आइसोसायन्यूरेट कोर)

मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण

36 मोनोलिथिक कंक्रीट निर्माण प्रणाली
37 मॉड्यूलर टनल फॉर्म

स्टे इन प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम

38 ग्लास फाइबर प्रबलित जिप्सम पैनल सिस्टम
39 सिस्मो बिल्डिंग टेक्नोलॉजी
40 इंसुलेटिंग कंक्रीट फॉर्म

41 लॉस्ट–इन–प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम– प्लास्मोलाइट वॉल पैनल
42 लॉस्ट–इन–प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम– प्लासवॉल पैनल सिस्टम
43 संरचनात्मक स्टे–इन–प्लेस फॉर्मवर्क प्रणाली
44 मोनोलिथिक इंसुलेटेड कंक्रीट सिस्टम
45 स्टे–इन–प्लेस पीवीसी दीवार फॉर्म
46 स्थायी दीवार फॉर्म (पीवीसी)

2. नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

आवास और भवन निर्माण के लिए नई और उभरती हुई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों के बारे में निर्माण पेशेवरों के बीच क्षमता निर्माण के उद्देश्य से, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने बीएमटीपीसी और योजना एवं वास्तुवकला विद्यालय (एसपीए), नई दिल्ली के सहयोग से उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर नवरीति (भारतीय आवास हेतु नई, सस्ती, विधिमान्य, अनुसंधान नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियां) नामक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम कार्यान्वयन किया है। बीएमटीपीसी द्वारा योजना एवं वास्तुवकला विद्यालय (एसपीए), नई दिल्ली के सहयोग से ''निर्माण प्रौद्योगिकी वर्ष 2019–20'' के हिस्से के रूप में यह प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आरंभ किया गया।

इस पाठ्यक्रम का शुभारंभ छह लाइट हाउस परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह के दौरान 1 जनवरी, 2021 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवरीति के लिए पुस्तक के रूप में संसाधन सामग्री जारी करते हुए किया गया। इस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य (क) आवास के लिए विश्व भर में उपयोग की जा रही नवीनतम सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों से पेशेवरों को अवगत कराना, (ख) संपत्तियों, विनिर्देशों, प्रदर्शन के संदर्भ में सामग्री और प्रौद्योगिकियों की अत्याधुनिकता के बारे में जागरूकता प्रदान करना, डिजाइन और निर्माण के तरीके ताकि पेशेवर इन्हें अपने दैनिक अभ्यास में सफलतापूर्वक नियोजित कर सकें और (ग) निष्पादित परियोजनाओं के लिए निवेश उपलब्ध कराना जहां ऐसी सामग्री और प्रौद्योगिकियां क्रियान्वित की गई हैं। नवरीति के पहले बैच का उद्घाटन दिनांक 11.02.2021 को सचिव (आवासन एवं शहरी कार्य) ने किया। मार्च 2025 तक नवरीति पाठ्यक्रम के 20 बैच संचालित किए जा चुके हैं।

8 दिवसीय ई–पाठ्यक्रम के दौरान निम्नलिखित विषयवस्तु शामिल की गई है:

1. उभरती निर्माण प्रणालियों का परिचय
2. फॉर्मवर्क सिस्टम – परिचय, अवधारणाएँ और इसकी विशेषताएँ, डिजाइन दर्शन
3. फॉर्मवर्क सिस्टम – निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
4. स्टे–इन–प्लेस फॉर्मवर्क सिस्टम – निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
5. सामूहिक आवास के लिए 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग तकनीक – परिचय, अवधारणाएं और इसकी विशेषताएं
6. जीएफआरजी पैनल सिस्टम – परिचय, अवधारणाएं, निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
7. स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम– परिचय, अवधारणाएँ, निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
8. स्टील स्ट्रक्चरल सिस्टम – विश्लेषण और डिजाइन और केस स्टडी
9. प्रीकास्ट सैंडविच पैनल सिस्टम – परिचय, अवधारणाएं, निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
10. लाइट गेज स्टील फ्रेम सिस्टम – परिचय, अवधारणाएं और इसकी विशेषताएं
11. लाइट गेज स्टील फ्रेम सिस्टम – निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
12. प्रीकास्ट कंक्रीट भवन – अवधारणाएँ, निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
13. प्रीकास्ट कंक्रीट निर्माण – डिजाइन, इंजीनियरिंग और स्थापना, उत्पादन पद्धति और जोड़ और विवरण
14. कंक्रीट निर्माण में स्थापित एंकरेज पश्चात – स्टील–से–कंक्रीट और कंक्रीट–से–कंक्रीट कनेक्शन पर अंतर्दृष्टि

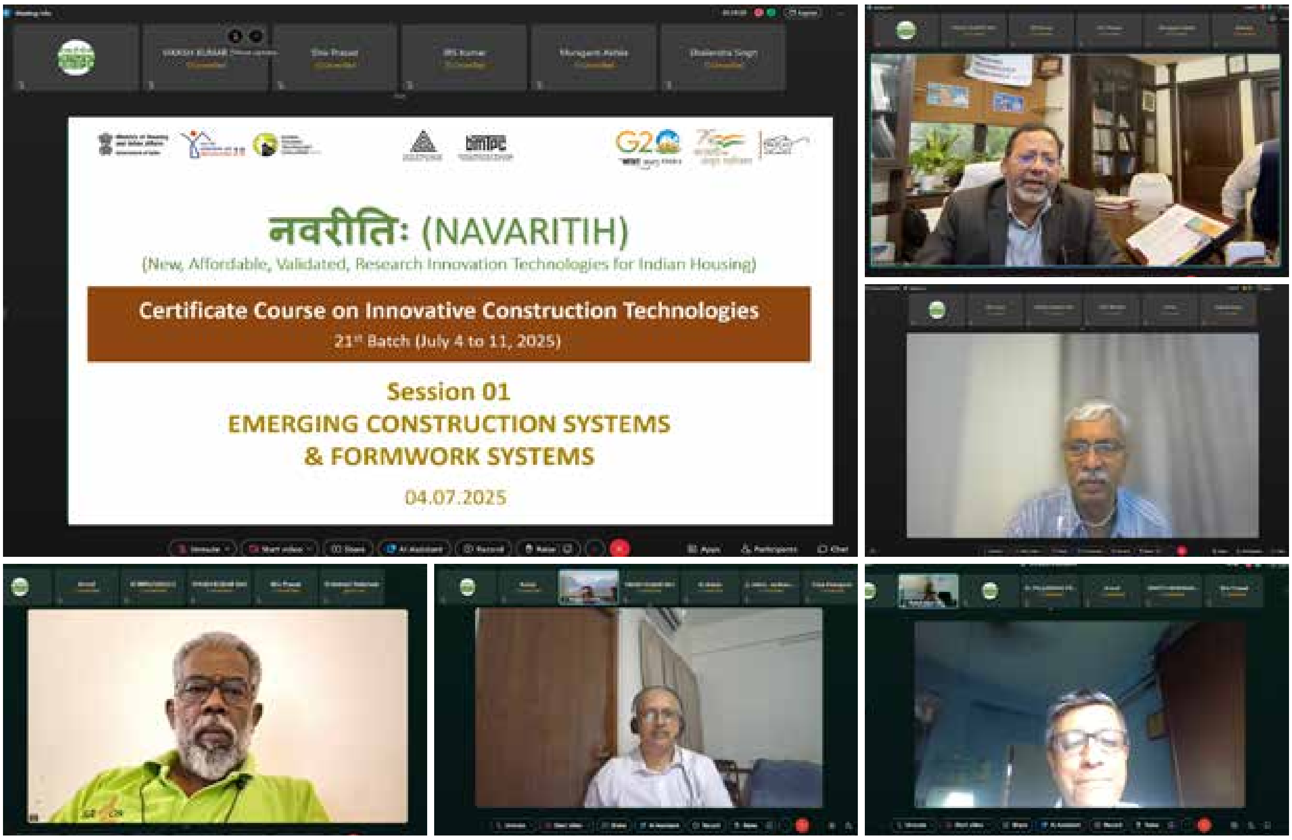

17 से 24 जनवरी, 2025 को नवरीतिः नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकियों पर ई-प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के 21वां बैच का आयोजन

15. तापीय रूप से आरामदायक किफायती आवास, बुनियादी अवधारणाएँ, निष्क्रिय डिजाइन रणनीतियाँ और नवीन निर्माण सामग्री
16. निर्माण परियोजनाओं में समय लागत में वृद्धि और शमन उपाय
17. 3डी प्रीकास्ट वॉल्यूमेट्रिक सिस्टम – निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
18. 3डी प्रीकास्ट वॉल्यूमेट्रिक सिस्टम – निर्माण पद्धति, कार्यान्वयन और केस स्टडी
19. 3डी प्रीकास्ट वॉल्यूमेट्रिक सिस्टम – परिचय, अवधारणाएँ और इसकी विशेषताएँ, डिजाइन दर्शन

इस पाठ्यक्रम को अब तक बहुत अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित बैच आयोजित किए गए:

क्र. स.	बैच	तिथि
1	18वां बैच	3 से 10 मई, 2024
2	19वां बैच	6 से 13 सितंबर, 2024
3	20वां बैच	17 से 24 जनवरी, 2025

इन बीस बैचों में, 1224 प्रतिभागियों, मुख्य रूप से सिविल इंजीनियरों और वास्तुकार, विभिन्न अभियांत्रिकी और वास्तुकला विद्यालयों के संकाय और छात्रों ने सहभागिता की। यह अपनी तरह का पहला पाठ्यक्रम है और इस पाठ्यक्रम में वैकल्पिक और नवोन्मेषी सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियां सम्मिलित हैं। इस पाठ्यक्रम के संसाधन संकाय एसपीए, बीएमटीपीसी, आईआईटी, सीबीआरआई और उद्योग से संबंधित होते हैं।

इस पाठ्यक्रम के अंत में, बहुविकल्पीय प्रश्नों (एमसीक्यू) पर आधारित एक ऑनलाइन परीक्षा होती है। पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, आवेदक को एसपीए, नई दिल्ली और बीएमटीपीसी द्वारा एक ऑनलाइन प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

3. योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली के "योजना-निष्णात (आवास)" के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सामग्री और प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली द्वारा परिषद को उनके स्नातकोत्तर छात्रों के लिए दूसरे सेमेस्टर के दौरान ''योजना–निष्णात (आवास)'' सामग्री और प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम आरंभ करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

स्नातकोत्तर छात्रों के दूसरे सेमेस्टर के लिए सामग्री और प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के पाठ्यक्रम में भवन निर्माण सामग्री पारंपरिक और पारंपरिक, कम लागत वाली सामग्री, आवास विकास के लिए प्रौद्योगिकी का महत्व, पारंपरिक प्रौद्योगिकियां और आधुनिक प्रौद्योगिकियां, उपयुक्त प्रौद्योगिकी, भारत और तीसरी दुनिया में आवास विकास के संदर्भ में आवास हेतु प्रौद्योगिकी, प्रणाली निर्माण की अवधारणा, विभिन्न खुली और बंद प्रणालियाँ, भवन की विभिन्न प्रणालियों का चुनाव, बुद्धिमत्तापूर्ण भवन की अवधारणा, भारत में निर्माण उद्योग के संगठन–आवास निर्माण उद्योग का महत्व, इसकी विशेषताएं और इसमें शामिल विभिन्न कारकों की भूमिका, आवास निर्माण उद्योग–निर्माण सामग्री निर्माताओं, विक्रेताओं और छोटे ठेकेदारों में छोटे पैमाने के उद्यम, आवास निर्माण में संसाधनों और जनशक्ति का महत्व, आवास निर्माण में प्रदान करने की आवश्यकता, नृमिति केंद्रों की अवधारणा, लागत कम करने वाली तकनीकें, पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियां, आवास परियोजनाओं में प्रौद्योगिकी की भूमिका निर्माण–लागत समय और अन्य निहितार्थ, गृह निर्माण के लिए उभरते तकनीकी दृष्टिकोण, बुनियादी ढांचे और आवास क्षेत्र की योजना, ''हरित'' आवास नई और वैकल्पिक तकनीकों को बढ़ावा देने में बीएमटीपीसी और अन्य संगठनों की भूमिका सम्मिलित हैं।

इस प्रकार, एसपीए, नई दिल्ली के अनुरोधानुसार, कार्यकारी निदेशक, बीएमटीपीसी ने स्नातकोत्तर छात्रों के लिए दूसरे सेमेस्टर के दौरान (जनवरी–मई, 2024 एवं जनवरी–मई, 2025) ''योजना–निष्णात (आवास)'' के सामग्री और प्रौद्योगिकी पर पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान निम्नलिखित व्याख्यान दिए गए:

व्याख्यान 1 से 3	टिकाऊ निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियां
व्याख्यान 4	कृषि, खनिज और औद्योगिक कचरे से निर्माण सामग्री और उत्पाद
व्याख्यान 5	निर्माण एवं तोड़–फोड़ से उत्पन्न (सी एंड डी) कचरा प्रबंधन
व्याख्यान 6	भवनों में ऊर्जा
व्याख्यान 7	हरित भवन – किफायती आवास गृह
व्याख्यान 8 से 11	आपदा प्रतिरोधी डिजाइन और निर्माण प्रथाएं
व्याख्यान 12–13	सामूहिक आवास के लिए उभरती निर्माण प्रणाली
व्याख्यान 14	बुद्धिमत्तापूर्ण भवन

4. सामूहिक आवास के लिए नई निर्माण प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता कार्यक्रम

बीएमटीपीसी ने भारतीय वास्तुकार संस्थान, उत्तरी चैप्टर के सहयोग से बुधवार, 27 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में सामूहिक आवास के लिए नई निर्माण प्रौद्योगिकियों पर संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने किया। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से भारत के भविष्य की शहरीकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण, निर्माण तकनीकों में नवीनतम प्रगति के बारे में कार्यरत वास्तुकारों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, बीएमटीपीसी के संबोधन से हुई। उन्होंने आवास क्षेत्र में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों पर चर्चा की और विशेष रूप से लाइट हाउस परियोजनाओं का उल्लेख किया।

मुख्य अतिथि, श्री श्रीनिवास आर. कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पेशेवर जीवन के गहन अनुभव साझा किए तथा देश भर में शहरी आवास की कमियों को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने वास्तुकारों से अपील की कि वे हमारे मौजूदा शहरों के बारे में नए सिरे से सोचें, ताकि बढ़ती भूमि लागत के मुद्दों का समाधान किया जा सके, जिसके कारण हमारे

श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय दिनांक 27 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में सामूहिक आवास के लिए नई निर्माण प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए

शहरों में आवास की लागत पहुंच से बाहर हो रही है।

इसमे होममिशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बी जी शिर्के कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, मैजिक्रेट बिल्डिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आउटिनॉर्ड फॉर्मवर्क प्राइवेट लिमिटेड, मित्सुमी हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड, स्केलेटन कंसल्टेंट्स और लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न नवीन और उभरती प्रौद्योगिकियों और उनके केस स्टडीज पर प्रस्तुतियां दी गईं।

5. नवीन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी

हाल के घटनाक्रमों का जायजा लेने के लिए, बीएमटीपीसी ने वैकल्पिक, नवीन, पर्यावरण अनुकूल और आपदा प्रतिरोधी निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियों की पहचान करने और उन्हें बढ़ावा देने के अपने प्रयास के अंतर्गत, 19–20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में नवीन निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–एक्सपो का आयोजन किया ताकि सभी हितधारकों को अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने

श्री कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार, 19 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-एक्सपो का उद्घाटन करते हुए

19-20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में नवीन भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन-सह-प्रदर्शनी

के लिए एक मंच पर लाया जा सके।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–एक्सपो का उद्घाटन श्री कुलदीप नारायण, संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (एचएफए), आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। इस अवसर पर श्री संजय कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आवास और शहरी विकास निगम (हुडको), डॉ. वी.के.पॉल, निदेशक, योजना एवं वास्तुकार विद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. (डॉ.) अनिल कश्यप, कुलपति, एनआईसीएमएआर विश्वविद्यालय और महानिदेशक, एनआईसीएमएआर, श्री संजय सेठ, वरिष्ठ निदेशक, टेरी और उपाध्यक्ष एवं सीईओ, ग्रिहा परिषद्, मेजर जनरल (डॉ.) अशोक कुमार वीएसएम (सेवानिवृत्त) और डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक, बीएमटीपीसी भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही को विषयगत क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जैसे उभरती हुई भवन सामग्री और निर्माण प्रणाली, भविष्य की प्रौद्योगिकियों सहित औद्योगिक भवन प्रणालियां, हरित भवन सामग्री और सतत विकास, भवन निर्माण और संचालन में ऊर्जा और तापीय दक्षता, भवनों में औद्योगिक/कृषि/प्लास्टिक अपशिष्ट का उपयोग और सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, इसके पश्चात प्रदर्शकों द्वारा उत्पादों / प्रणालियों पर प्रस्तुतिकरण।

वक्ताओं में शैक्षणिक/अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, आईआईटी, उद्योग, ऊर्जा दक्षता और हरित भवन के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के प्रतिष्ठित संकाय, वैज्ञानिक, अनुसंधान सहयोगी और विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने अपने उत्पादों/प्रणाली प्रदर्शित की। सम्मेलन–सह–एक्सपो में 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने सहभागिता की, जिनमें शहरी स्थानीय निकायों/राज्य सरकारों के प्रतिनिधि, तकनीकी/वास्तुशिल्प संस्थानों के संकाय और छात्र, विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के अधिकारी, निजी एजेंसियों के अभ्यासरत आर्किटेक्ट/इंजीनियर आदि सम्मिलित थे। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी में सहभागिता करने वालों की प्रदर्शको की सूची भी जारी की गई।

6. आवास एवं भवन निर्माण के लिए 3डी प्रिंटिंग तकनीक पर कार्यशाला

बीएमटीपीसी उभरती प्रौद्योगिकियों, अच्छे निर्माण प्रथाओं, टिकाऊ और हरित निर्माण प्रथाओं, भूकंप प्रतिरोधी डिजाइन और निर्माण आदि के क्षेत्रों में नियमित आधार पर क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी आयोजित करता है।

श्री विश्वेश्वरैया कौशल विश्वविद्यालय (एसवीएसयू) के छात्रों और संकाय को संवेदनशील बनाने के लिए,

12 दिसंबर, 2024 को एसवीएसयू परिसर, पलवल में "आवास एवं भवन निर्माण हेतु 3डी प्रिंटिंग तकनीक पर" कार्यशाला

बीएमटीपीसी ने एसवीएसयू के सहयोग से 12 दिसंबर, 2024 को हरियाणा के पलवल स्थित एसवीएसयू परिसर में "आवास और भवन निर्माण के लिए 3डी प्रिंटिंग तकनीक" पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में लगभग 100 छात्रों और संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों और संकाय/व्यावसायिकों को भारत में आवास एवं भवन निर्माण में प्रयुक्त 3डी प्रिंटिंग तकनीक के बारे में जागरूक करना था। इस कार्यशाला में सहभागिता करने वाले प्रतिभागियों को यह सीखने का अवसर मिला कि 3डी प्रिंटिंग प्रौद्योगिकी किस प्रकार तीव्र, सटीक और जटिल निर्माण के लिए रोबोटिक तकनीक के साथ काम करती है। मेसर्स त्वस्ता मैन्युफैक्चरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, मेसर्स माइकॉब प्राइवेट लिमिटेड, गांधी नगर, मेसर्स सिम्पलीफोर्ज क्रिएशंस 3डी क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, मेसर्स क्रेटबॉट्स डिजिटल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, पुणे और एलएंडटी के उद्योग विशेषज्ञों द्वारा 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी पर विशेष प्रस्तुतिकरण दिया गया।

7. भारतीय निर्माण सामग्री के लिए एम्बोडीड कार्बन डेटाबेस स्थापित करने पर हितधारक परामर्श

बीएमटीपीसी ने 18 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में भवन विज्ञान एवं ऊर्जा उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआरबीएसई), सीईपीटी विश्वविद्यालय अहमदाबाद के सहयोग से और शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के सहयोग से भारतीय निर्माण सामग्री के लिए एम्बोडीड कार्बन डेटाबेस की स्थापना पर एक हितधारक परामर्श का आयोजन किया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भारतीय निर्माण सामग्रियों के लिए एम्बोडीड कार्बन डेटाबेस स्थापित करने के साधनों और तरीकों पर विस्तार से चर्चा करना था। इस कार्यशाला में आयोजित चर्चाओं में (क) एक मानकीकृत डेटा संग्रह टेम्पलेट का निर्माण, डेटा अपेक्षाओं को औपचारिक रूप देना, जैसे कि कवर किए गए न्यूनतम जीवन चक्र चरण, कार्यात्मक इकाइयाँ, आदि, (ख) डेटा विश्लेषण ढांचे का विकास, डेटा की उच्चतम गुणवत्ता सुनिश्चित करना, और (ग) सबसे अधिक उपयोग की

18 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में भारतीय निर्माण सामग्री के लिए एम्बोडीड कार्बन डेटाबेस की स्थापना पर हितधारक परामर्श

जाने वाली सामग्रियों के लिए एम्बोडीड कार्बन डेटा संग्रह शामिल था। इस क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों के लगभग 40 विशेषज्ञों ने सहभागिता की और संबंधित विषय पर विचार–विमर्श किया।

8. नई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

परिषद् को कोल इंडिया लिमिटेड से उनके इंजीनियरों और वास्तुकारों को नई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूक करने का अनुरोध प्राप्त हुआ। कोल इंडिया लिमिटेड से प्राप्त अनुरोध के आधार पर, बीएमटीपीसी द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के सिविल इंजीनियरिंग अनुशासन से संबंधित अधिकारियों के लिए 6–7 फरवरी, 2025 के दौरान भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में "नई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण अनुकूल, ऊर्जा दक्ष और नवीन निर्माण सामग्री तथा निर्माण प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में प्रगति को शामिल किया गया। बीएमटीपीसी की प्रमुख प्रस्तुतिकरण के साथ–साथ 3डी वॉल्यूमेट्रिक कंक्रीट निर्माण और 3डी कंक्रीट प्रिंटिंग के प्रौद्योगिकी प्रदाताओं ने भी प्रस्तुतिकरण दिया गया। कोल इंडिया के अधिकारियों के लिए रांची स्थित लाइट हाउस परियोजना का दौरा भी आयोजित किया गया तथा एलएचपी की तकनीकी एवं स्थायित्व संबंधी जानकारी दी गई।

6–7 फरवरी, 2025 को भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में "नई निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

9. एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना

एशिया अल्प कार्बन भवन परिवर्तन (एएलसीबीटी) परियोजना एक पांच वर्षीय, बहु–पणधारक परियोजना है जिसका मुख्य उद्देश्य पांच एशियाई देशों अर्थात् कंबोडिया, भारत, इंडोनेशिया, थाईलैंड और वियतनाम में अल्प कार्बन भवन परिवर्तन की दिशा में राष्ट्रव्यापी सुविधा प्रदान करना है। इस परियोजना को ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (जीजीजीआइ) द्वारा एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल), हीट इंटरनेशनल और एशियन सेंटर फॉर एनर्जी (एसीई) के साथ मिलकर क्रियान्वित किया जा रहा है।

यह परियोजना नियामक क्षमता और वित्तीय कमियों को दूर करती है जो कम कार्बन वाली इमारतों (एलसीबी) को बड़े पैमाने पर अपनाने में बाधा डालती हैं। एएलसीबीटी का उद्देश्य शहर और राज्य सरकारों के लिए तकनीकी और संस्थागत क्षमता का निर्माण करना है ताकि वे भवन और अंतरिक्ष शीतलन क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन न्यूनीकरण लक्ष्यों में योगदान दे सकें। एएलसीबीटी परियोजना के कार्यान्वयन ढाँचे में प्रत्येक देश स्तर पर एक तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की स्थापना का सुझाव दिया गया है। टीएसी इस कार्यक्रम के लिए एक उच्च स्तरीय सलाहकार निकाय है, जिसका गठन कंसोर्टियम परियोजना प्रमुख अर्थात जीजीजीआइ द्वारा किया जाएगा और इसमें प्रासंगिक अनुसंधान निकायों, शिक्षाविदों, व्यक्तिगत विशेषज्ञों आदि का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य शामिल होंगे, जिनका ज्ञान और विशेषज्ञता परियोजना के सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख मार्गदर्शक कारकों के रूप में कार्य करेगी। टीएसी का मुख्य उद्देश्य भारत में परियोजना कार्यान्वयन के तकनीकी पहलुओं पर रणनीतिक मार्गदर्शन और सलाहकारी प्रतिक्रिया प्रदान करना है। बीएमटीपीसी के कार्यकारी निदेशक को भारत में तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) का अध्यक्ष चुना गया है।

इस अवधि के दौरान, मास्टर प्रशिक्षकों के लिए एक अभिविन्यास सत्र और निम्न कार्बन भवन परिवर्तन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः 21 जनवरी, 2025 और 27–28 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में जीजीजीआई, सीआईआई और आईजीबीसी द्वारा आयोजित किया गया।

इस परियोजना के अंतर्गत एशिया में ऊर्जा परिदृश्य और जलवायु परिवर्तन पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल भी तैयार किया गया है।

10. ऊर्जा-दक्ष और टिकाऊ सामग्रियों एवं प्रौद्योगिकियों के प्रसार और संवर्धन के लिए समझौता ज्ञापन

बीएमटीपीसी ने ऊर्जा दक्ष और टिकाऊ सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के प्रसार और संवर्धन के लिए निम्नलिखित एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

आरएमआई एनर्जी सॉल्यूशंस इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली

भवन निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद् (बीएमटीपीसी) और आरएमआई एनर्जी सॉल्यूशंस इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के बीच 7 दिसंबर, 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन में भारत में राष्ट्रीय और उप–राष्ट्रीय स्तर पर कम कार्बन उत्सर्जन वाली निर्माण सामग्री और निर्माण प्रौद्योगिकी पहलों को समर्थन देने के लिए बीएमटीपीसी और आरएमआई इंडिया फाउंडेशन के बीच दीर्घकालिक सहयोग के लिए एक रूपरेखा स्थापित करने की परिकल्पना पर केन्द्रित है।

भारतीय सतत विकास संस्थान (आईआईएसडी), नई दिल्ली

बीएमटीपीसी और भारतीय सतत विकास संस्थान (आईआईएसडी), नई दिल्ली के बीच 6 मार्च, 2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन सतत निर्माण, परिचालित होने वाली अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय स्थिरता में तकनीकी सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने की परिकल्पना पर केन्द्रित है। दोनों पक्ष (i) प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान सहयोग, (ii) शैक्षणिक सहयोग, (iii) नीति एवं विनियामक नवोन्मेषी और (iv) प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (डीए), नई दिल्ली

बीएमटीपीसी और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (डीए), नई दिल्ली के बीच 12 मार्च, 2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन नई भवन प्रणालियों/प्रौद्योगिकियों, विशेष रूप से कम कार्बन, संसाधन–दक्ष और संवर्धित सतत विकास के लिए परिचालित होने वाले समाधानों को बढ़ावा देने के माध्यम से लचीले शहरों और एक टिकाऊ निर्मित वातावरण की दिशा में काम करने की परिकल्पना पर केन्द्रित है।

डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर और उसका आदान-प्रदान

प्रक्रियाधीन समझौता ज्ञापन इस प्रकार हैं:

i) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कालीकट (एनआईटीसी)
ii) द हैबिटेट एम्पायर, नई दिल्ली
iii) एमएनआईटी जयपुर
iv) यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

11. विश्व पर्यावास दिवस 2024 समारोह

बीएमटीपीसी ने 9 अक्तूबर, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विश्व पर्यावास दिवस 2024 समारोह में सहभागिता की। परिषद् ने दिव्यांग बच्चों के लिए ''बेहतर शहरी भविष्य के निर्माण हेतु युवाओं को जोड़ना'' विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर विजेता प्रविष्टियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को श्री तोखन साहू, माननीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर श्री श्रीनिवास आर कटिकिथला, सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर परिषद् ने विश्व पर्यावास दिवस की विषय पर समाचार पत्रिका ''निर्माण सारिका'' का विशेषांक भी प्रकाशित किया गया। श्री तोखन साहू, माननीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सचिव, आवासन और शहरी कार्य की उपस्थिति में नई दिल्ली में 9 अक्तूबर, 2024 को इस विशेषांक का विमोचन किया गया।

श्री तोखन साहू, माननीय राज्य मंत्री, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, 9 अक्तूबर, 2024 को विश्व पर्यावास दिवस की विषय पर दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता के विजेता प्रविष्टियों की प्रदर्शनी देखते हुए और विजेताओं को सम्मानित करते हुए

VII. संगठन

परिषद् के संगठनात्मक ढांचे को अगले पृष्ठ में दर्शाया गया है। 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार बीएमटीपीसी में कुल 30 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें से 12 अधिकारी और 18 सहायक स्टाफ सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, परियोजना–दर–परियोजना और आवश्यकता के अनुसार संविदा पर तकनीशियन/पेशेवर काम पर रखे जाते हैं।

परिषद् ने पारदर्शिता, जवाबदेही और कर्मचारियों के अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निम्नलिखित प्रशासनिक एवं वित्तीय उपायों का अनुपालन किया है:

- एमओए, उपनियमों, परिषद् के नियमों व विनियमों का क्रियान्वयन।
- परिषद की सुचारू और सामंजस्यपूर्ण कामकाज के लिए आंतरिक समितिः
  - निर्माण समिति
  - जीईएम समिति
  - स्थानीय खरीद समिति
  - परिवहन समिति
  - संविदात्मक भुगतान समिति
- आम लोगों की शिकायतों का निवारण करने के लिए केंद्रीकृत जन शिकायत सुधार एवं निगरानी प्रणाली के माध्यम से जन शिकायतों की ऑनलाइन प्रबंधन की शुरूआत की गई है।
- संगठन के सूचारू कामकाज एवं स्टाफ सदस्यों की शिकायतों के समाधान का पता लगाने के लिए एक अधिकारी को निदेशक, शिकायत और एक अधिकारी को कल्याण अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कल्याण एवं विकास हेतु एससी/एसटी एवं ओबीसी प्रकोष्ठ।
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन।
- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु समिति।
- संवेदनशील और गैर–संवेदनशील पदों पर अधिकारियों के आवर्तन (रोटेशन) की निगरानी और अधिकारियों की समीक्षा और स्क्रीनिंग के लिए प्रोबिटी पोर्टल का कार्यान्वयन।

सतर्कता गतिविधियाँ

सीवीओ–बीएमटीपीसी का प्रभार सीवीओ–हुडको को दिया गया है। परिषद् का एक नोडल अधिकारी संगठन में ईमानदारी, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार निवारण को बढ़ावा देने के लिए सतर्कता संबंधी गतिविधियों के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ समन्वय करता है। सतर्कता गतिविधियों में निवारक उपाय शामिल हैं, जैसे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए प्रक्रियाओं में सुधार करना और दंडात्मक कार्रवाई जैसे शिकायतों की जांच करना और सीवीसी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करना। परिषद् द्वारा दिनांक 28 अक्तूबर से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 मनाया गया, जिसका विषय था–"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि"।

इस दिवस का उद्देश्य शासन में नैतिकता और पारदर्शिता के प्रति अधिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। हाल के वर्षों में निवारक सतर्कता पर विशेष ध्यान देते हुए, सीवीसी ईमानदारी को बढ़ावा देता है और सक्रिय नागरिक भागीदारी के साथ भ्रष्टाचार उन्मूलन का प्रयास करता है।

सतर्कता जागरूकता अभियान के दौरान बीएमटीपीसी द्वारा किए गए विभिन्न क्रियाकलापः

i. कार्यकारी निदेशक, बीएमटीपीसी द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा शपथ दिलाई गई। अधिकारियों/कर्मचारियों को आयोग की वेबसाइट के माध्यम से भी ई–शपथ दिलाई गई।
ii. बीएमटीपीसी परिसर में विभिन्न स्थानों पर बैनर लगाना।
iii. 10 सितंबर, 2024 को हडको कार्यालय में हडको द्वारा आयोजित साइबर स्वच्छता पर वेबिनार में सहभागिता।
iv. 29 अक्तूबर 2024 को स्टीन ऑडिटोरियम, आईएचसी, नई दिल्ली में हुडको द्वारा आयोजित सतर्कता कार्यक्रम में सहभागिता।
v. बीएमटीपीसी में डॉ. के.एम. सोनी, अपर महानिदेशक (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी, नई दिल्ली द्वारा "ईपीसी संविदा" – सतर्कता परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान।

प्रणालीगत सुधार उपायों की पहचान और कार्यान्वयन के भाग के रूप में, 30 सितंबर, 2024 को सीवीओ, बीएमटीपीसी ने बीएमटीपीसी के अधिकारियों के साथ अयोध्या, उत्तर प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही प्रदर्शन आवास परियोजना का दौरा किया। इस पर एक रिपोर्ट तैयार की गई है जिसमें निविदा/संविदा का निष्पादन आदि में सुधार के लिए सुझाव दिए गए हैं तथा भविष्य की परियोजनाओं में इन्हें लागू करने की सलाह दी गई है।

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद
संस्थागत संरचना

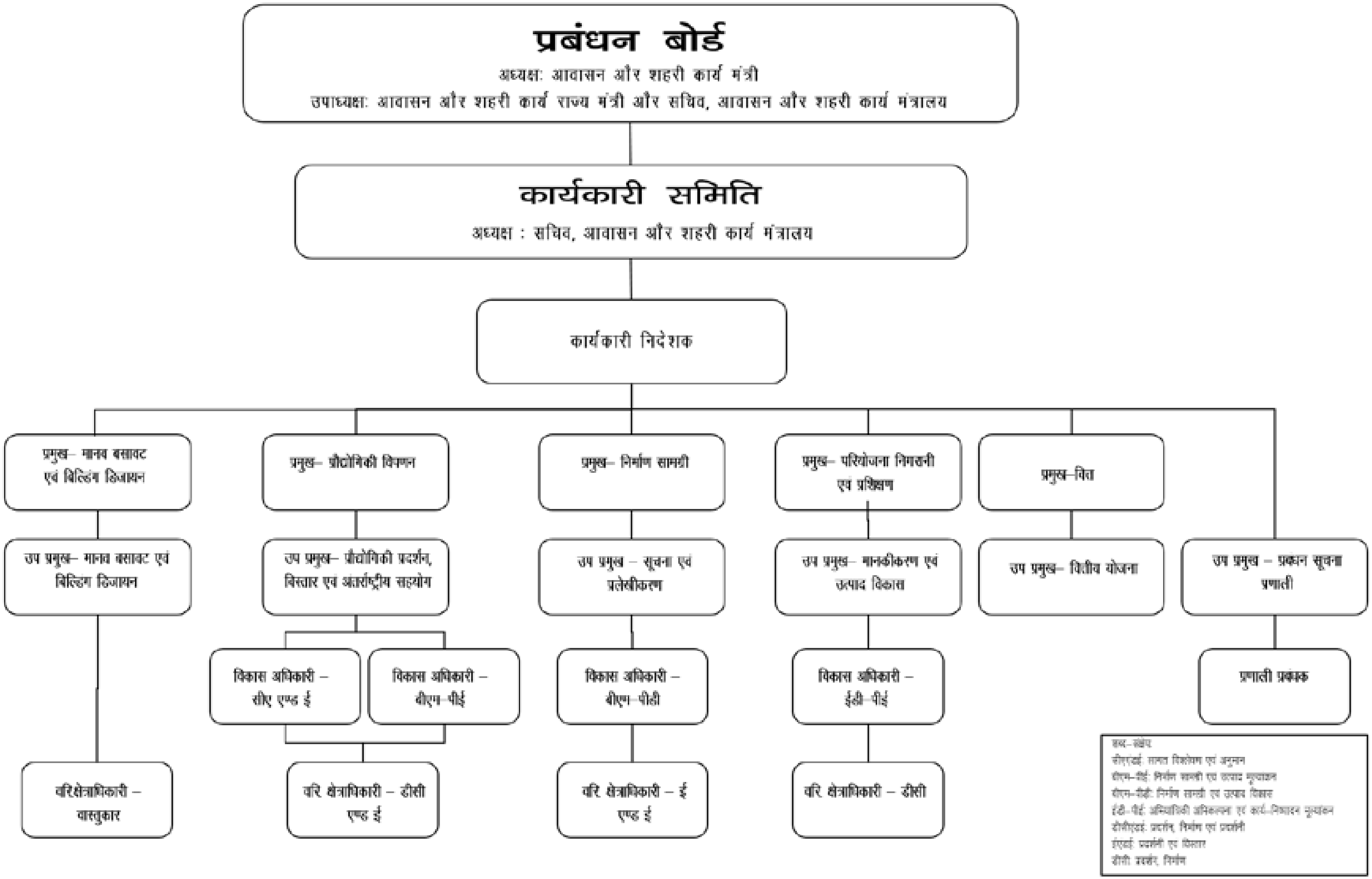

VIII. स्टाफ/कर्मचारियों की संख्या (31.03.2025 की स्थिति के अनुसार)

क्र.सं.	नाम व पदनाम	कार्यग्रहण की तारीख
1.	डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल कार्यकारी निदेशक	17.01.2008
2.	एम. रमेश कुमार प्रमुख–मानव बसावट एवं बिल्डिंग डिजाईन	01.04.1993
3.	अरविंद कुमार उप प्रमुख–प्रबंधन सूचना तंत्र	15.04.1999
4.	चंडी नाथ झा उप प्रमुख–मानकीकरण एवं उत्पाद विकास	09.09.1999
5.	पंकज गुप्ता उप प्रमुख–सूचना एवं प्रलेखन	14.10.1999
6.	दलीप कुमार वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी–प्रदर्शन निर्माण एवं प्रदर्शनी	04.03.1991
7.	आकाश माथुर वरिष्ठ क्षेत्राधिकारी–वास्तुकार	01.01.2002
8.	अनीता कुमार वरिष्ठ प्रोग्रामर	03.10.1996
9.	एम. रामकृष्णा रेड्डी संपर्क अधिकारी	29.10.2003
10.	पंकज गुप्ता वित्त अधिकारी	01.03.1994
11.	प्रवीण सूरी तंत्र विश्लेषक	01.09.1994
12.	एस.एस. राणा पुस्तकालय अधिकारी	01.04.1998
सहायक स्टाफ/कर्मचारी		
13.	अश्वनी कुमार सहायक क्षेत्राधिकारी	01.01.2002
14.	सुमन सहायक (तकनीक)	01.01.2002
15.	योगिता शाह सहायक (प्रशासन)	01.01.2002
16.	मुकेश कुमार कनिष्ठ तकनीकी सहायक	01.11.2002
17.	राजीव पंत कनिष्ठ लेखा सहायक	01.11.2002

क्र.सं.	नाम व पदनाम	कार्यग्रहण की तारीख
18.	सावित्री बलिआरसिंह कनिष्ठ प्रशासन सहायक सह हिंदी टंकक	05.10.1998
19.	एम.ए.रजनीकांत कनिष्ठ कार्यालय–सह–लेखा सहायक	30.01.2004
20.	सुरेश कुमार कनिष्ठ आशुलिपिक	01.11.2002
21.	मोहन कुमार ड्राफ्टसमैन	30.01.2004
22.	जगीरी लाल एलडीसी (हिंदी टंकक)	03.08.1993
23.	डी.चेन्ना केसावुलु एलडीसी	05.10.1998
24.	वेंकटैया एलडीसी (जेरॉक्स)	01.01.2001
25.	जे.विनोद कुमार एलडीसी (डायरी) (प्रतिनियुक्ति पर)	01.10.2002
26.	विनोद कुमार एलडीसी	01.01.2004
27.	लाल बहादुर चपरासी सह संदेशवाहक	03.08.1993
28.	बिजेंद्र कुमार चपरासी	01.05.1995
29.	अशोक कुमार चपरासी सह संदेशवाहक	01.11.1995
30.	धीर सिंह चपरासी	01.01.2001
सेवा–निवृत्ति		
1.	एस.के. गुप्ता उप–प्रमुख– प्रौद्योगिकी प्रदर्शन, विस्तार एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (सेवा–निवृत्ति की तारीखः 31.12.2024)	26.10.1993
2.	डी. प्रभाकर क्षेत्राधिकारी (सेवा–निवृत्ति की तारीखः 31.12.2024)	29.01.2004
3.	चन्दर पाल सिंह पुस्तकालय सहायक (सेवा–निवृत्ति की तारीखः 31.01.2025)	03.08.1993

IX. लेखा

- परिषद् को आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार से वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान वेतन हेतु 7.50 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। अन्य स्रोत यथा शुल्क, प्रशिक्षण, एनयूएचएफ, एलएचपी, डीआरएमसी, टीपीक्यूए, प्रकाशन, ब्याज इत्यादि से परिषद् को 158.95 करोड़ रुपए प्राप्त हुए।

- इसके अतिरिक्त, ईबीआर ऋण के चुकौती के सापेक्ष आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 1770.44 करोड़ रुपये (लगभग) जमा किये गये थे। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की संस्वीकृति आदेश के अनुसार 1770.44 करोड़ रुपये (लगभग) हुडको को ब्याज भुगतान के रूप में संवितरित कर दिए गए हैं।

- प्राप्ति एवं भुगतान लेखा विवरणी के अनुसार इस वर्ष के दौरान परिषद् ने 18,50,69,56,522.00 रुपये (~1850.69 करोड़ रुपये) की कुल राशि खर्च की है जिसका सारांश इस प्रकारं है:

मुख्य मदें	राशि (रूपए में)
• भारत के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन आवास परियोजनाओं का निर्माण, उभरती सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों की पहचान/मूल्यांकन/आकलन/विकास/अनुप्रयोग सहित तकनीकी क्रियाकलापों पर व्यय	9,20,09,969
• विभिन्न संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं का आयोजन एवं सहभागिता, सबके लिए आवास (सहायता देना, दस्तावेजीकरण, जागरूकता एवं क्षमता निर्माण) पर प्रसार के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों को मुख्य धारा में लाना, राज्य सरकारों के बीच ज्ञान स्थानांतरण	36,10,538
• डीआरएमसी, एलएचपी, एआरएचसी, टीपीक्यूए एवं अन्य संबंधित क्रियाकलापों पर व्यय	60,87,07,178
• कार्यालय उपकरण, कंप्यूटर पेरिफेरल आदि सहित वेतन, स्थापन एवं प्रशासन खर्चों पर व्यय	9,35,48,620
• ईबीआर ऋण एवं प्रतिभूति जमा के रिफंड/ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज का भुगतान	17,70,90,80,217
योग	**18,50,69,56,522**

लेखाओं की लेखा–परीक्षा मैसर्स कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी, सनदी लेखाकार द्वारा की गई है। वर्ष 2024–25 का तुलन–पत्र तथा लेखा विवरण अगले पेजों में दिया गया है।

कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार

स्वतंत्र लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

सदस्यगण
निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
नई दिल्ली

वित्तीय विवरणियों की लेखा परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमनें सोसायटीज पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद् (सोसायटी) की संलग्न वित्तीय विवरणी की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र एवं उस समाप्त वर्ष का आय–व्यय लेखा, प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे का विवरण तथा महत्वपूर्ण लेखाकंन नीतियों का सारांश सहित व वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां शामिल हैं।

हमारे अभिमत और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार एवं लेखांकन हेतु हमें दी गई स्पष्टीकरण के अनुसार ये वित्तीय विवरण ऐसे तरीके में अपेक्षित सूचना प्रदान करते हैं जो आवश्यक थे एवं भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों के अनुसार सही एवं उचित दृष्टिकोण प्रदान करते हैः

(क) तुलन पत्र के मामले में, परिषद् (सोसायटी) के कार्य 31 मार्च, 2025 के यथानुकूल हैं।
(ख) आय एवं व्यय लेखों के विवरण के मामले में वर्ष की समाप्ति पर, उस तिथि को अधिशेष यथावत है और
(ग) प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के मामले में वर्ष की समाप्ति पर, उस तिथि पर प्राप्तियां एवं भुगतान यथावत हैं।

अभिमत का आधार

हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानकों (एसए) के अनुसार लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के अंतर्गत हमारा उत्तरदायित्व हमारी रिपोर्ट के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षक का उत्तरायित्व खंड मे वर्णित है। हम उन नैतिक अपेक्षाओं के अनुसरण में स्वतंत्र संस्था हैं जो वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक है एवं हमने इन अपेक्षाओं के अनुसार अपनी अन्य नैतिक उत्तरदायित्व पूरे किए हैं। हमारा विश्वास है कि लेखापरीक्षा के साक्ष्य जो हमने प्राप्त किये हैं हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त एवं यथोचित हैं।

वित्तीय विवरणियों हेतु प्रबंधन एवं अभिशासन के उन व्यक्तियों के दायित्व जिन्हें प्रभार दिया गया है

प्रबंधन उपरोक्त लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण की तैयारी एवं उचित प्रस्तुतिकरण तथा ऐसे आंतरिक नियंत्रण

पताः एमबी–1, भूतल, गली नं. 8 मास्टर ब्लॉक, विपरीत मधुवन पार्क, निकट निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन, दिल्ली–110092
दूरभाषः+91-9540778658, +91-8375849755
ईमेलः mangalsinghkomandoor@gmail.com
प्रधान कार्यालयः फ्लैट नं. 1–504, दिव्य शक्ति कॉम्पलैक्स, 7–1–58, धर्म करण रोड, अमीरपेट, हैदराबाद–500016
दूरभाषः 91 7207057799 ईमेलः komandoorco@gmail.com एवं info@komandoorco.com
शाखाः नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, आगरा, अहमदाबाद, बंगलुरू, भुवनेश्वर, भोपाल, चंडीगढ़, कोयम्बटूर, गाजियाबाद, गुवाहाटी, गुरूग्राम, कोहिमा (नागालैंड), लखनऊ, पटना, पुणे, रांची, रायपुर, तिरूपति, विजयवाड़ा एवं विशाखापट्टनम

के लिए उत्तरदायी है जो प्रबंधन वित्तीय विवरण तैयार करने में आवश्यक मानता है कि ये वित्तीय विवरण तात्विक मिथ्याकथन चाहे प्रवंचना से हो या त्रुटिवश, से मुक्त हैं।

इन वित्तीय विवरणियों को तैयार करने के लिए प्रबंधन संस्था को चालू संस्थान के तौर पर जारी रखने, विगोपन करने यथा लागू, चालू संस्थान से संबंधित विषय एवं लेखांकन के आधार पर चालू संस्थान का उपयोग करने में संस्था योग्यता का आकलने करने लिए उत्तरदायी है जब तक कि प्रबंधन संस्था को परिसमाप्त अथवा प्रचालन बंद न करना चाहता हो अथवा वास्तविक विकल्प न होने के कारण ऐसा करना पड़ा हो।

अभिशासन के वे व्यक्ति जिन्हें प्रभार दिया गया है भी संस्था के वित्तीय सूचना प्रक्रिया का पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा–परीक्षक के दायित्व

हमारा उद्देश्य वित्तीय विवरणों के बारे में पूर्ण रूप से युक्तियुक्त आश्वासन प्राप्त करना है चाहे वह धोखाधड़ी अथवा त्रुटि के कारण भौतिक गलत बयानी से मुक्त हो एवं लेखापरीक्षा रिर्पोट जारी करना है जिसमें हमारा अभिमत शामिल हो। युक्तियुक्त आश्वासन उच्च स्तर आश्वासन है लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार की गई लेखा परीक्षा हमेशा भौतिक गलत बयानी को पकड़े जब यह घटित हो। ये मिथ्या कथन धोखाधड़ी एवं त्रुटि से भी हो सकते हैं एवं इसे तब तात्विक माना जाता है जब यह अलग–अलग अथवा एक साथ की गई हो, उनसे इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिये गये उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित होने की अपेक्षा हो।

एसए के अनुसार लेखा परीक्षा के हिस्से के तौर पर हमने पेशेवर निर्णय का प्रयोग किया है एवं पूरी लेखा परीक्षा में पेशेवर संशय को बनाये रखा। हमने निम्नलिखित भी कियाः

- वित्तीय विवरणों के भौतिक गलत बयानी की पहचान करना व उसका आकलन करना चाहे वह धोखाधडी के कारण हो या त्रुटि के कारण तथा उन जोखिमों के प्रत्युत्तरकारी लेखापरीक्षा का निष्पादन करना एवं लेखा परीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करना जो हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त व समुचित हो। धोखाधड़ी के कारण भौतिक गलत बयानी न पकड़ पाने के जोखिम त्रुटि से होने वाले जोखिम से बड़े हैं चूंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, गबन, जानबूझ कर गलती करना, गलत प्रस्तुतिकरण अथवा आंतरिक नियंत्रण की अवहेलना शामिल हो सकती है।
- लेखापरीक्षा प्रक्रिया की अभिकल्पना करने के उद्देश्य से लेखा परीक्षा के प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की जानकारी लेना जो परिस्थितियों में यथोचित हों लेकिन संस्था के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावोत्पादकता पर हमारा अभिमत व्यक्त करने के प्रयोजनार्थ न हो।

प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता एवं प्रबंधन द्वारा लेखांकन अनुमानों व संबंधित विगोपनों की औचित्यतता का मूल्यांकन करना।

- लेखांकन के आधार पर चालू संस्था का उपयोग एवं प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्यों के आधार पर प्रबंधन की उपयुक्तता

पताः एमबी–1, भूतल, गली नं. 8 मास्टर ब्लॉक, विपरीत मधुवन पार्क, निकट निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन, दिल्ली–110092
दूरभाषः+91-9540778658, +91-8375849755
ईमेलः mangalsinghkomandoor@gmail.com
प्रधान कार्यालयः फ्लैट नं. 1–504, दिव्य शक्ति कॉम्पलैक्स, 7–1–58, धर्म करण रोड, अमीरपेट, हैदराबाद–500016
दूरभाषः 91 7207057799 ईमेलः komandoorco@gmail.com एवं info@komandoorco.com
शाखाः नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, आगरा, अहमदाबाद, बंगलुरू, भुवनेश्वर, भोपाल, चंडीगढ़, कोयम्बटूर, गाजियाबाद, गुवाहाटी, गुरुग्राम, कोहिमा (नागालैंड), लखनऊ, पटना, पुणे, रांची, रायपुर, तिरुपति, विजयवाड़ा एवं विशाखापट्टनम

कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार

पर निष्कर्ष निकालना चाहे उसमें घटना अथवा स्थितियों से संबंकधित भौतिक अनिश्चिता मौजूद हो जो चालू संस्था के तौर पर जारी रखने में संस्था की योग्यता पर महत्वपूर्ण संशय डाल सकते हों। यदि हमारा निष्कर्ष है कि भौतिक अनिश्चितता मौजूद है तो हमें वित्तीय विवरणों में संबंधित विगापनों के प्रति लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसकी ओर ध्यान आकर्षित करना अथवा यदि ऐसी विगोपन अपर्याप्त हैं तो अपने अभिमत में संशोधन करना आवश्यक है। हमारे निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षक रिपोर्ट की तिथि को प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालांकि भावी घटनाएं व स्थितियां संस्था को चालू संस्था के तौर पर जारी रखने में बंद होने का कारण भी हो सकती हैं।

हम अन्य विषयों में से उन व्यक्तियों के बारे में जिन्हें अभिशासन में प्रभार दिया गया है, आंतरिक लेखापरीक्षा में कोई महत्वपूर्ण विसंगति जो हमने अपनी लेखापरीक्षा के दौरान चिन्हित की हैं सहित लेखापरीक्षा का सुनियोजित कार्यक्षेत्र व समय एवं महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्ष की सूचना देते हैं।

अन्य विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

आगे हम रिपोर्ट करते हैं कि:

क) हमने वे सभी सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए जो हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ हमारे सर्वोत्तम ज्ञान व विश्वास में आवश्यक थे।

ख) हमारे मतानुसार, सोसाइटी द्वारा उचित लेखा बहियां रखी गई हैं जहां तक उन बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है।

ग) इस रिपोर्ट में दर्शाया गया सोसाइटी का तुलन पत्र, आय व व्यय का विवरण तथा प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा इन लेखा बहियों दर्शाये गए आंकड़ों के अनुरूप हैं।

कृते कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन सं. 001420एस/एस200034

ह0
सीए मंगल सिंह
(साझीदार)
सदस्यता सं. 547176
यूडीआईएन: 25547176बीएमआईडीपीओ9088
दिनांक: 15.10.2025
स्थान: दिल्ली

पता: एमबी-1, भूतल, गली नं. 8 मास्टर ब्लॉक, विपरीत मधुवन पार्क, निकट निर्माण विहार मेट्रो स्टेशन, दिल्ली-110092
दूरभाष:+91-9540778658, +91-8375849755
ईमेल: mangalsinghkomandoor@gmail.com
प्रधान कार्यालय: फ्लैट नं. 1-504, दिव्य शक्ति कॉम्पलैक्स, 7-1-58, धर्म करण रोड, अमीरपेट, हैदराबाद-500016
दूरभाष: 91 7207057799 ईमेल: komandoorco@gmail.com एवं info@komandoorco.com
शाखा: नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, आगरा, अहमदाबाद, बंगलुरू, भुवनेश्वर, भोपाल, चंडीगढ़, कोयम्बटूर, गाजियाबाद, गुवाहाटी, गुरूग्राम, कोहिमा (नागालैंड), लखनऊ, पटना, पुणे, रांची, रायपुर, तिरूपति, विजयवाड़ा एवं विशाखापट्टनम

bmtpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

यथा 31 मार्च, 2025 को तुलन–पत्र

राशि (रुपये में)

देयताएं	अनुसूची	2024-25	2023-24
मूल / पूंजीगत निधि एवं देयताएं			
मूल / पूंजीगत निधि	1	10,00,000	10,00,000
आरक्षित निधि एवं अधिशेष	2	18,10,76,139	20,86,37,800
गैर–चालू देयताएं			
दीर्घावधि देयता	3	2,00,00,00,00,000	2,00,00,00,00,000
अभिनिर्धारित निधि	4	1,72,67,16,177	91,48,58,275
उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान	5	2,21,67,148	-
वर्तमान देयताएं	6	3,16,18,52,342	3,21,40,87,576
योग		**2,05,09,28,11,806**	**2,04,33,85,83,651**
आस्तियां			
गैर–चालू आस्तियां			
संपत्ति, संयत्र एवं उपस्कर	7	1,62,54,262	1,81,59,457
आावासन औरं शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्य	8	2,00,00,00,00,000	2,00,00,00,00,000
चालू आस्तियां			
नकद एवं बैंक में शेष	9	2,52,82,97,931	1,66,63,68,284
ऋण एवं अग्रिम	10	2,51,77,13,552	2,60,81,73,883
अन्य चालू आस्तियां	11	3,05,46,061	4,58,82,027
योग		**2,05,09,28,11,806**	**2,04,33,85,83,651**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां	17		

हमारी सम तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन:001420एस/एस200034

कृते निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

ह०
सीए मंगल सिंह
साझीदार
सदस्यता सं. 547176
यूडीआईएन: 25547176बीएमआईडीपीओ9088

ह०
पंकज गुप्ता
वित्त अधिकारी

ह०
डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 15.10.2025

bmTPC

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

राशि (रुपये में)

आय	अनुसूची	2024-25	2023-24
अनुदान सहायता	**12**	7,50,00,000	7,50,00,000
शुल्क/अभिदान/कार्यान्वयन प्रभार	**13**	56,85,676	2,50,29,744
अन्य आय	**14**	1,51,69,327	1,56,59,250
योग (क)		**9,58,55,003**	**11,56,88,994**
<u>व्यय</u>			
वेतन, स्थापन एवं प्रशासन पर व्यय	**15**	11,61,84,094	8,48,56,049
प्रसार/संगोष्ठी/कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सबके लिए आवास इत्यादि पर व्यय	**16**	48,88,406	26,23,761
मूल्याह्रास	**7**	23,44,164	27,60,137
योग (ख)		**12,34,16,664**	**9,02,39,947**
वर्ष के लिए अधिशेष/घाटा (क–ख)		(2,75,61,661)	2,54,49,047
तुलन पत्र में ले जाया गया अधिशेष/(घाटा) के निमित्त शेष		**(2,75,61,661)**	**2,54,49,047**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां

हमारी सम तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन:001420एस/एस200034

कृते निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

ह०
सीए मंगल सिंह
साझीदार
सदस्यता सं. 547176

ह०
पंकज गुप्ता
वित्त अधिकारी

ह०
डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 15.10.2025

bmTpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

राशि (रुपये में)

	2024-25		2023-24	
प्राप्तियां				
1 **प्रारंभिक शेष**				
बैंक में शेष				
अनुसूचित बैंकों में:				
– केनरा बैंक में जमा	21,34,12,259		22,65,38,883	
– भारतीय स्टेट बैंक में स्वीप –एलएचपी खाते	1,35,32,47,097		28,34,45,505	
– बचत/चालू खातों में:				
– केनरा बैंक	26,31,995		11,32,105	
– भारतीय स्टेट बैंक	85,77,566		1,43,40,711	
– भारतीय स्टेट बैंक (एनयूएचएफ)	1,07,761		17,68,64,194	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी अगरतला	10,07,483		1,96,30,962	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी चेन्नई	1,07,007		17,83,14,012	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी इंदौर	1,69,47,596		11,54,01,170	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी लखनऊ	10,05,143		50,87,496	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी राजकोट	9,956		2,32,73,133	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी रांची	9,99,810		25,48,32,731	
– भारतीय स्टेट बैंक (एआरएचसी)	1,03,179		64,60,85,799	
– भारतीय स्टेट बैंक (डीएचपी)	6,82,11,432	1,66,63,68,284	3,56,79,760	1,98,06,26,461
2 केंद्र सरकार (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय) से अनुदान सहायता		7,50,00,000		7,50,00,000
3 शुल्क/प्रशिक्षण कार्यक्रम/संगोष्ठी से प्राप्तियां एवं अन्य प्राप्तियां		22,65,698		23,23,099
4 अन्य आय/प्रकाशन की बिक्री, पीएसीएस इत्यादि से प्राप्तियां एवं ब्याज		1,70,40,807		1,56,59,250
5 प्राप्त प्रतिभूति		2,07,25,137		6,40,75,873
6 एनएचयूएफ – गुजरात सरकार से रिफंड		94,25,09,000		-
7 हुडको ऋण पर आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्त ब्याज		17,70,44,26,803		17,72,94,17,197
8 प्रदर्शन आवास परियोजनाओं के सापेक्ष मंत्रालय से प्राप्तियां		-		19,20,42,500
9 लाइट हाउस, टीपीक्यूए एवं डीआरएमसी परियोजनाओं के सापेक्ष प्राप्तियां		57,14,55,481		1,25,52,30,890
10 स्वीप एवं बचत खाते पर ब्याज जो आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को प्रतिदेय है और केनरा बैंक से		3,54,63,243		2,24,16,407
योग		**21,03,52,54,453**		**21,33,67,91,677**
भुगतान				
1 स्थायी आस्तियों की खरीद	4,38,969		4,24,601	
2 वेतन, स्थापन एवं प्रशासन पर व्यय	9,31,09,651		8,43,39,173	
3 प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठी,/कार्यशाला इत्यादि पर व्यय	36,10,538	9,71,59,158	35,83,903	8,83,47,677
4 प्रतिभूति का रिफंड		38,25,547		98,16,595
5 ईबीआर पर हडको को प्रदत्त ब्याज		17,70,44,26,803		17,72,94,17,197
6 ऋण एंव अग्रिम (निवल)		8,27,867		1,98,58,488
7 **अभिनिर्धारित निधियां**				
– लाइट हाउस परियोजनाएं	35,79,95,708		1,62,45,12,851	
– किफायती किराया आवास परिसर (एआरएससी) योजना	24,01,53,371		1,96,31,336	
– अहमदाबाद, गुजरात में प्रदर्शन आवास परियोजना	66,15,884		15,20,105	
– अगरतला, त्रिपुरा में प्रदर्शन आवास परियोजना	-		69,807	
– अयोध्या, उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन आवास परियोजना	96,49,680		4,01,89,063	

bmTPC

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

राशि (रुपये में)

	2024-25		2023-24	
– भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रदर्शन आवास परियोजना	1,780		30,04,630	
– गुवहाटी, असम में प्रदर्शन आवास परियोजना	1,33,97,515		1,13,92,469	
– मलवाल (जम्मू कश्मीर) में प्रदर्शन आवास परियोजना	3,36,02,868		2,97,52,098.00	
– तिरुपुर, तमिलनाडु में प्रदर्शन आवास परियोजना	55,78,952		2,42,49,405	
– दीमापुर, नागालैंड में प्रदर्शन आवास परियोजना	2,31,63,290		4,40,48,440	
– वैश्विक आवास प्रौद्योगिकी चुनौती	-		7,78,362	
– डेटा संसाधन निगरानी प्रकोष्ठ	1,05,58,099	70,07,17,147	2,38,34,870	1,82,29,83,436
8 **बैंक में अंतिम शेष**				
– केनरा बैंक में जमा	18,05,15,520		21,34,12,259	
– भारतीय स्टेट बैंक –एलएचपी/एनयूएचएफ/एआरएचसी खाते में स्वीप	1,38,89,55,445		1,35,32,47,097	
– बचत/चालू खातों में जमा				
– केनरा बैंक	64,94,199		26,31,995	
– भारतीय स्टेट बैंक	80,53,381		85,77,566	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी अगरतला	10,08,746		10,07,483	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी चेन्नई	89,086		1,07,007	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी इंदौर	61,822		1,69,47,596	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी लखनऊ	1,68,449		10,05,143	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी राजकोट	58,364		9,956	
– भारतीय स्टेट बैंक एलएचपी रांची	1,04,409		9,99,810	
– भारतीय स्टेट बैंक (एनयूएचएफ)	94,26,09,693		1,07,761	
– भारतीय स्टेट बैंक (एआरएचसी)	73,134		1,03,179	
– भारतीय स्टेट बैंक (डीएचपी)	1,05,683	2,52,82,97,931	6,82,11,432	1,66,63,68,284
योग		**21,03,52,54,453**		**21,33,67,91,677**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां

हमारी सम तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन:001420एस/एस200034

कृते निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

ह०
सीए मंगल सिंह
साझीदार
सदस्यता सं. 547176

ह०
पंकज गुप्ता
वित्त अधिकारी

ह०
डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 15.10.2025

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची–1–मूल / पूंजीगत निधि	2024-25		2023-24	
वर्ष के आरंभ में शेष		10,00,000		10,00,000
योग		**10,00,000**		**10,00,000**

अनुसूची 2 – आरक्षित निधि एवं अधिशेष	2024-25		2023-24	
1. आरक्षित पूंजी				
प्रारंभिक शेष	9,50,73,210		9,46,48,609	
वर्ष के दौरान परिवर्धन	4,38,969	9,55,12,179	4,24,601	9,50,73,210
2. व्यय की तुलना में आय का आधिक्य				
प्रारंभिक शेष	11,35,64,590		8,85,40,144	
जोड़ें : आय व व्यय लेखा से अंतरित अधिशेष/घाटा	(2,75,61,661)		2,54,49,047	
	8,60,02,929		11,39,89,191	
घटाएं : आरक्षित पूंजी निधि में अंतरित राशि	4,38,969	8,55,63,960	4,24,601	11,35,64,590
योग		**18,10,76,139**		**20,86,37,800**

अनुसूची 3 – दीर्घावधि की देयता	2024-25	2023-24
राष्ट्रीय शहरी आवास निधि		
पीएमएवाई (शहरी) मिशन के अंतर्गत राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता के तौर पर संवितरण करने के लिए हडको से ऋण	2,00,00,00,00,000	2,00,00,00,00,000
योग	**2,00,00,00,00,000**	**2,00,00,00,00,000**

अनुसूची 4 – अभिनिर्धारित निधियां	2024-25		2023-24	
1 एआरएचसीएस से प्राप्त				
प्रारंभिक शेष	61,86,30,457		64,53,50,457	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		-	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	23,76,00,000	38,10,30,457	2,67,20,000	61,86,30,457
2 राष्ट्रीय शहरी आवास निधि				
प्रारंभिक शेष	21,040		21,040	
वर्ष के दौरान प्राप्त (गुजरात सरकार से)	94,25,09,000		-	
घटाएं: वर्ष के दौरान संवितरण	-	94,25,30,040	-	21,040
3 टीपीक्यूए हेतु पाप्त				
प्रारंभिक शेष	-		56,23,022	
वर्ष के दौरान प्राप्त	52,87,252		1,83,11,808	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	52,87,252	-	2,39,34,830	-
4 अयोध्या, उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	1,03,43,808		1,64,81,592	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	-		3,95,48,400	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	(10,44,205)		54,87,131	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	96,83,773	17,04,240	4,01,99,053	1,03,43,808
5 दीमापुर, नागालैंड में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	4,29,19,122		3,86,72,074	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		5,53,68,300	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	13,70,902		70,69,345	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	2,32,05,888	1,83,42,332	4,40,51,907	4,29,19,122
6 तिरुपुर, तमिलानाडु में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	80,76,146		3,07,80,119	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		68,75,000	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	3,66,705		53,99,578	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	55,77,171	21,32,270	2,41,79,395	80,76,146

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची 4 – अभिनिर्धारित निधियां	2024-25		2023-24	
7 गुवहाटी, असम में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	5,51,38,870		3,16,95,979	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	-		3,62,51,200	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	12,043		14,83,867	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	1,35,11,607	4,16,15,220	1,13,24,442	5,51,38,870
8 अहमदाबाद, गुजरात में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	(1,19,07,274)		(1,10,13,323)	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		23,30,000	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	(1,59,265)		18,21,873	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	67,29,978	(1,84,77,987)	14,02,078	(1,19,07,274)
9 भोपाल, मध्य प्रदेश में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	8,51,172		24,46,806	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		58,75,000	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	-		45,34,032	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	-	8,51,172	29,36,602	8,51,172
10 चिम्बल, गोवा में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	3,33,15,127		2,95,92,893	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		-	
जोड़ें: रिवर्स किया गया वेतन एवं प्रशासन व्यय	-		37,22,234	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	-	3,33,15,127	-	3,33,15,127
11 मालवाल, जम्मू एवं कश्मीर में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	2,98,20,932		2,46,97,023	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	-		3,90,65,800	
घटाएं: प्रभाजित वेतन एवं प्रशासन व्यय	29,16,798		42,57,820	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	3,37,16,960	(68,12,826)	2,96,84,071	2,98,20,932
12 पंचकुला, हरियाणा में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	-		(31,67,550)	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		11,57,000	
जोड़ें: रिवर्स किया गया वेतन एवं प्रशासन व्यय	-	-	20,10,550	-
13 अगरतला, त्रिपुरा में प्रदर्शन आवास परियोजना				
प्रारंभिक शेष	-		(73,21,513)	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		55,71,800	
जोड़ें: रिवर्स किया गया वेतन एवं प्रशासन व्यय	-		17,49,713	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	-	-	-	-
14 वैश्विक आवास प्रौद्योगिकी चुनौती				
प्रारंभिक शेष	(87,81,968)		(96,94,810)	
वर्ष के दौरान प्राप्त	-		-	
घटाएं: रिवर्स किया गया वेतन एवं प्रशासन व्यय			9,12,842	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	-	(87,81,968)	-	(87,81,968)
15 डाटा संसाधन सह निगरानी केन्द्र				
प्रारंभिक शेष	(2,19,46,637)		(1,12,48,219)	
वर्ष के दौरान प्राप्त	45,29,000		1,88,20,000	
घटाएं: वसूली योग्य राशि से अंतरण	-		(99,72,477)	
घटाएं: वर्ष के दौरान उपयोग/व्यय	1,05,33,184	(2,79,50,821)	1,95,45,941	(2,19,46,637)
16 लाइट हाउस परियोजना–अगरतला, त्रिपुरा				
प्रारंभिक शेष	12,06,21,531		30,36,21,114	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	37,59,32,829		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	-		27,30,00,000	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	17,34,18,649	32,31,35,711	45,59,99,583	12,06,21,531

bmTpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची 4 – अभिनिर्धारित निधियां	2024-25		2023-24	
17 लाइट हाउस परियोजना–चेन्नई, तमिलनाडु				
प्रारंभिक शेष	(54,67,526)		(21,80,851)	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	33,63,516		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	-		-	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	(21,03,713)	(297)	32,86,675	(54,67,526)
18 लाइट हाउस परियोजना–इंदौर, मध्य प्रदेश				
प्रारंभिक शेष	3,91,24,059		7,75,94,511	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	3,36,79,474		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	-		14,33,60,000	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	6,60,60,675	67,42,858	18,18,30,452	3,91,24,059
19 लाइट हाउस परियोजना–लखनऊ, उत्तर प्रदेश				
प्रारंभिक शेष	2,62,41,272		13,46,88,643	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	4,53,18,983		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	-		20,45,03,711	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	6,47,19,797	68,40,458	31,29,51,082	2,62,41,272
20 लाइट हाउस परियोजना–राजकोट, गुजरात				
प्रारंभिक शेष	(1,74,71,804)		(1,63,68,027)	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	1,38,86,348		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	-		-	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	(27,27,191)	(8,58,265)	11,03,777	(1,74,71,804)
21 लाइट हाउस परियोजना–रांची,, झारखंड				
प्रारंभिक शेष	(46,70,052)		4,31,65,649	
वर्ष के दौरान प्राप्त (केन्द्र सरकार से)	5,80,03,079		-	
वर्ष के दौरान प्राप्त (राज्य सरकार से)	3,14,55,000		59,72,35,371	
घटाएं: वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	5,34,29,571	3,13,58,456	64,50,71,072	(46,70,052)
योग		**1,72,67,16,177**		**91,48,58,275**

अनुसूची 5 – उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान	2024-25	2023-24
उपदान	1,69,37,809	-
छुट्टी नकदीकरण	52,29,339	-
योग	**2,21,67,148**	**-**

अनुसूची 6 – चालू देयताएं	2024-25		2023-24
बकाया देयताएं	76,31,097		64,27,602
सांविधिक देय	1,69,826		12,19,424
प्रतिभूति (एलएचपी) परियोजनाएं	20,45,94,819		18,53,55,157
प्रतिभूति (डीएचपी) परियोजनाएं	1,81,77,514		1,00,38,939
प्रतिभूति/ईएमडी (अन्य)	10,02,988		1,14,81,635
टीएनयूएचडीबी/राजकोट नगर निगम को देय राशि	4,55,096		4,55,096
बैंक के ब्याज (एलएचपी) के सापेक्ष आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को प्रतिदेय राशि	10,00,82,809		10,54,81,871
बैंक के ब्याज (एआरएचसी) के सापेक्ष आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को प्रतिदेय राशि	4,20,74,948		6,23,07,955
राष्ट्रीय शहरी आवास निधि पर उपचित ब्याज परंतु राष्ट्रीय शहरी आवास निधि को देय नहीं	2,50,40,48,447		2,57,06,03,176
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय – एनयूएचएफ को प्रतिदेय राशि	28,36,14,798		26,07,16,721
योग	**3,16,18,52,342**	**-**	**3,21,40,87,576**

bmtpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची 7 – संपत्ति, संयत्र एवं उपस्कर									2024-25	2023-24
	सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक	निवल ब्लॉक
	01.04.2024 की स्थिति के अनुसार लागत	परिवर्धन (30.09.2024 तक)	परिवर्धन (30.09.2024 के पश्चात)	बिक्री/अपमार्जन	कुल	01.04.2024 तक	चालू वर्ष	31.03.2025 तक	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार
कार्यालय भवन	3,43,19,817	-	-	-	3,43,19,817	1,94,26,353	14,89,346	2,09,15,699	1,34,04,118	1,48,93,464
फर्नीचर एवं फिक्सचर	37,93,415	-	-	-	37,93,415	33,26,907	46,651	33,73,558	4,19,857	4,66,508
कार्यालय के उपस्कर	2,08,93,119	32,909	76,705	-	2,10,02,733	1,96,02,825	2,04,233	1,98,07,058	11,95,675	12,90,294
कम्प्यूटर/पेरिफेरल	2,19,79,023	1,21,000	1,28,200		2,22,28,223	2,09,46,015	4,87,244	2,14,33,259	7,94,964	10,33,008
सॉफ्टवेयर	4,58,000	-	80,155	-	5,38,155	3,41,072	62,802	4,03,874	1,34,281	1,16,928
एयर कंडीशनर	10,35,166	-	-	-	10,35,166	9,43,164	13,800	9,56,964	78,202	92,002
पंखे एवं कूलर	81,224	-	-	-	81,224	72,995	1,234	74,229	6,995	8,229
टीवी व वीसीआर	4,03,117	-	-	-	4,03,117	3,71,287	4,775	3,76,062	27,055	31,830
प्रदर्शन पट्ट, पैनल, डिस्प्ले मॉडल	1,20,84,905	-	-	-	1,20,84,905	1,18,57,711	34,079	1,18,91,790	1,93,115	2,27,194
	9,50,47,786	**1,53,909**	**2,85,060**	-	**9,54,86,755**	**7,68,88,329**	**23,44,164**	**7,92,32,493**	**1,62,54,262**	**1,81,59,457**
पिछला वर्ष (2023-24)	**9,46,48,609**	**4,02,231**	**22,370**	**25,424**	**9,50,47,786**	**7,41,28,192**	**27,60,137**	**7,68,88,329**	**1,81,59,457**	**2,05,20,417**

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची 8 – आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्य राशि	2024-25	2023-24
पीएमएवाई (शहरी) मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय शहरी आवास निधि हेतु हुडको से लिए गये ऋण की चुकौती हेतु आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्य राशि	2,00,00,00,00,000	2,00,00,00,00,000
योग	**2,00,00,00,00,000**	**2,00,00,00,00,000**

अनुसूची 9 – नकद एवं बैंक में शेष	2024-25		2023-24	
क. **1. बैंक में शेष**				
– केनरा बैंक में शेष	18,05,15,520		21,34,12,259	
– एसबीआई में स्वीप/जमा	1,38,89,55,445		1,35,32,47,097	
– बचत/चालू खातों में:				
– केनरा बैंक	64,94,199		26,31,995	
– भारतीय स्टेट बैंक	80,53,381		85,77,566	
– भारतीय स्टेट बैंक (एनयूएचएफ)	94,26,09,693		1,07,761	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) अगरतला	10,08,746		10,07,483	
– भारतीय स्टेट बैंक (एआरएचसी)	73,134		1,03,179	
– भारतीय स्टेट बैंक (डीएचपी)	1,05,683		6,82,11,432	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) चेन्नई	89,086		1,07,007	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) इंदौर	61,822		1,69,47,596	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) लखनऊ	1,68,449		10,05,143	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) राजकोट	58,364		9,956	
– भारतीय स्टेट बैंक (एलएचपी) रांची	1,04,409	2,52,82,97,931	9,99,810	1,66,63,68,284
योग		**2,52,82,97,931**		**1,66,63,68,284**

अनुसूची 10 – ऋण एवं अग्रिम	2024-25		2023-24	
1. कर्मचारियों को दिया गया अग्रिम		1,26,149		2,98,922
2. एनयूएचएफ के अंतर्गत आवास और शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्य राशि – पीएमएवाई (शहरी) के अंतर्गत ईबीआर से केंद्रीय सहायता		2,50,40,48,447		2,57,06,03,176
3. पूर्व संदत्त व्यय		11,70,621		-
4. नगद अथवा इसी रूप में प्राप्य अग्रिम एवं अन्य राशि अथवा कीमत जो प्राप्त की जानी है				
क. प्राप्त राशि – अन्य	53,78,121		2,98,69,379	
ख. प्रतिभूति जमा (कार्य स्थल)	-		4,20,000	
ग. स्रोत पर कर कटौती एवं प्राप्य जीएसटी	69,90,214	1,23,68,335	69,82,406	3,72,71,785
योग		**2,51,77,13,552**		**2,60,81,73,883**

अनुसूची 11 – अन्य चालू आस्तियां	2024-25	2023-24
बैंकों में स्वीप/सावधि जमाओं/बचत खातों पर उपचित ब्याज	3,05,46,061	4,58,82,027
योग	**3,05,46,061**	**4,58,82,027**

bmTPC

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष हेतु आय व व्यय लेखा की अनुसूचियों को क्रमबद्ध करने वाला भाग

राशि (रुपये में)

अनुसूची 12– अनुदान सहायता (अशोध्य अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)		2024-25	2023-24
1	केंद्र सरकार (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)	7,50,00,000	7,50,00,000
	योग	**7,50,00,000**	**7,50,00,000**

अनुसूची 13– शुल्क/अभिदान/कार्यान्वयन प्रभार		2024-25	2022-23
1	प्रशिक्षण कार्यक्रम/स्थलीय समीक्षा /संगोष्ठी प्राप्तियां/नवरीति शुल्क	18,20,101	11,19,223
2	प्रकाशनों की बिक्री, पीएसीएस इत्यादि से प्राप्तियां	4,02,597	13,39,372
3	कार्यान्वयन व्यय	34,62,978	2,25,71,149
	योग	**56,85,676**	**2,50,29,744**

अनुसूची 14– अन्य ब्याज		2024-25	2023-24
	<u>निम्नलिखित पर ब्याज</u>		
1	अनुसूचित बैंकों में सावधि जमाओं पर	1,47,67,174	1,52,69,736
2	अनुसूचित बैंकों में बचत खातों पर	2,62,520	2,99,933
3	कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम पर	74,400	89,581
4	आयकर रिफंड पर	65,233	-
	योग	**1,51,69,327**	**1,56,59,250**

अनुसूची 15– वेतन, स्थापन एवं प्रशासन पर व्यय		2024-25	2023-24
1	वेतन एवं भत्ते	7,48,35,107	6,78,88,923
2	उपदान	1,96,33,463	20,00,000
3	छुट्टी नकदीकरण	66,87,544	41,600
4	एलटीसी व्यय	8,13,055	1,98,115
5	चिकित्सा व्यय	27,39,944	29,53,982
6	प्रशासन व्यय	1,14,74,981	1,17,73,429
	योग	**11,61,84,094**	**8,48,56,049**

अनुसूची 16– प्रसार/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम, इत्यादि पर व्यय		2024-25	2023-24
1	प्रदर्शनी, संगोष्ठी एवं सम्मेलन व्यय	32,02,190	12,64,348
2	मुद्रण एवं प्रकाशन	6,23,004	1,20,592
3	नवरीति ई–पाठ्यक्रम व्यय	1,26,000	2,82,547
4	कार्य निश्पादन मूल्यांकन प्रमाणन योजना	9,37,212	9,56,274
	योग	**48,88,406**	**26,23,761**

bmTpc

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

अनुसूची 17– महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां एवं लेखाओं पर टिप्पणियां

सिंहावलोकन

वर्ष 1990 में स्थापित निर्माण सामग्री एंव प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद् (बीएमटीपीसी) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार का अनुदान सहायता प्राप्त एक स्वायत संगठन है। बीएमटीपीसी को बड़े पैमाने पर क्षेत्र अनुप्रयोग हेतु आपदा रोधी निर्माण प्रथा सहित किफायती पर्यावरणनुकूल, ऊर्जा दक्ष एवं उभरती निर्माण सामग्री एवं निमार्ण प्रौद्योगिकी प्रोत्साहित तथा हस्तांतरित करने के कार्य सौंपे गये हैं।

1 **महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां–**

क) **लेखांकन प्रणाली:** लेखा भारत में लागू सिद्धातों एवं अधिसूचित लेखांकन मानकों के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं का अनुपालन करते हुए तैयार किए गये हैं।

ख) **संपत्ति, संयत्र एवं उपकरण:** स्थायी आस्तियां की लागत आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार प्रदत्त अर्जन में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाई है। सभी स्थायी आस्तियां सामान्य वित्तीय नियम, 1963 एवं अब तक संशोधित नियमों व विनियमों के अनुसार मानी गई हैं।

ग) **मूल्यह्रास:** मूल्यह्रास अवलिखित दरों पर एवं आयकर अधिनियम, 1961 में यथा विनिर्दिष्ट रीति में प्रदान किया गया है।

घ) **सरकारी अनुदान:**

(i) वर्ष के दौरान प्राप्त सरकारी अनुदान की गणना आईसीएआई द्वारा जारी 'सरकारी अनुदान हेतु लेखांकन' पर लेखांकन मानक 12 के अनुसार की गई है।

(ii) विशेष प्रयोजन के लिए प्राप्त अभिनिर्धारित निधि का उपयोग उसी प्रयोजन के लिए किया जिसके लिए निधि प्राप्त हुई है एवं ऐसी निधियों के अव्ययित शेष को पूर्णतया प्रयुक्त होने अथवा वापस किए जाने तक अग्रेनीत किया गया है।

(iii) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय या अन्य सरकारी एजेंसियों से प्राप्त अप्रयुक्त परियोजना निधियों पर अर्जित ब्याज, जहां शर्तों में वित्त पोषण एजेंसी को राशि वापिस किए जाने प्रावधान है, को आय के रूप में नहीं माना जाता है, अपितु इसे देयता के रूप में मान्यता दी जाती है।

ङ) **सेवानिवृत्ति हितलाभ–**

(i) परिषद् अपने स्वयं के भविष्य निधि न्यास में अंशदान करता है जिसे आयकर प्राधिकारियों द्वारा मान्यता दी गयी है एवं वर्ष के दौरान भविष्य निधि न्यास अदा किए गये अंशदान को राजस्व में दर्शाया गया है।

(ii) परिषद् ने सेवानिवृत्ति पर कर्मचारियों को उपदान और अवकाश नकदीकरण के भुगतान के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम के साथ समूह उपदान नकद संचय पॉलिसी और समूह अवकाश नकदीकरण पॉलिसी ली है। वर्ष के दौरान परिषद ने अवकाश नकदीकरण और उपदान के सापेक्ष 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार देयता निर्धारित की और तदनुसार लेखा बही में प्रावधान किया।

च) **सामान्य:** विनिर्दिष्ट रूप में उल्लखित न की गई लेखांकन नीतियां आमतौर पर स्वीकार्य लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप अन्यथा हैं।

2 **आकस्मिक देयताएं:** परिषद् के सापेक्ष दावे कर्ज–शून्य के तौर पर अभिस्वीकृत नहीं किये गये है।

3 प्रबंधन के अभिमत में चालू आस्तियों, ऋणों एवं कारोबार के सामान्य तरीके में दिये गये अग्रिम राशियों की वसूली पर राशि तुलन–पत्र में दर्शाई गई राशि से कम नहीं होगी। इसके अतिरिक्त लेखाओं में सभी ज्ञात देयताओं के प्रावधान किए गये हैं।

4 परिषद आयकर अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के खंड (कग) के उपखंड **(i)** के अंतर्गत पंजीकृत है और इसकी आय पर आयकर से छूट प्राप्त है। इसे AAATB0304QE20218 के रूप में विशिष्ट पंजीकरण संख्या प्रदान की गई है। इस प्रकार लेखाओं में आयकर का प्रावधान नहीं किया गया है। परिषद् नियमित तौर पर टीडीएस, जीएसटी एवं अन्य सांवधिक देयताएं जमा कर रहा है।

5 **आय और व्ययः** चूंकि आय और व्यय लेखा शीर्ष बड़ी संख्या में हैं, समान प्रकृति के व्यय और राजस्व और विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आने वाले वित्तीय विवरणों की बेहतर प्रस्तुति के लिए आवश्यकतानुसार एक साथ जोड़ा गया है।

6 क) आवास और शहरी मामले मंत्रालय ने अपने पत्र संख्या एन–11022/1/2018–एचएफए–III–यूडी (सी. सं. 9035628) दिनांक 14.03.2018 के माध्यम से बीएमटीपीसी को निम्नलिखित की सूचना दी हैः
मंत्रिमंडल ने 20.02.2018 को आयोजित अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ–साथ हमारे मंत्रालय के निम्नलिखित प्रस्ताव अनुमोदित किए हैः

- बीएमटीपीसी वित्त मंत्रालय से परामर्श करके पीएमएवाई (शहरी) परियोजनाओं के लिए चार वर्षों में ऋणदाता एजेंसी अथवा वित्तीय संस्थान के माध्यम से 60,000 करोड़ रुपये की सीमा तक अतिरिक्त बजटीय संसाधन (ईबीआर) से निधियां जुटाएगी;
- बीएमटीपीसी भारत सरकार की ओर से ऋण लेगी एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की सलाह पर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों एवं केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) को पीएमएवाई (शहरी) के लिए संवितरित करेगी;
- भारत सरकार ऋण का परिशोधन करेगी एवं सहमत नियम व शर्तों पर जो वित्त मंत्रालय द्वारा विनिश्चित किए गये है, पर चुकौती के दायित्वों की पूर्ति करेगी।

ख) उपरोक्त को देखते हुए, मूलधन और ब्याज की राशि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आवंटित निधि से पूरी की जाएगी और राशि की प्रभावकारी निश्चितता है, वसूली योग्य अपेक्षित राशि को अलग परिसंपत्ति के रूप में दर्शाया गया है अर्थात गैर–चालू परिसंपत्ति और एनएसएसएफ/हुडको से प्राप्त ऋण तुलन पत्र में दीर्घकालिक देयता के रूप में दर्शाया गया है।

ग) आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पीएमएवाई (शहरी) कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय शहरी आवास कोष (एनयूएचएफ) के अंतर्गत लिए गए ऋणों पर ऋणदाताओं को देय मूलधन और ब्याज, परिषद को प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय की ओर से उधार लिए गए ऋण पर ब्याज का भुगतान मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजनार्थ ब्याज भुगतान की नियत तारीखों पर प्रदान की जाने वाली रसीदों से किया जाएगा। तदनुसार, ब्याज व्यय/आय को आय और व्यय लेखा के माध्यम से नहीं दर्शाया गया है लेकिन वित्तीय विवरणों में इसे वर्तमान देयता/चालू आरित के रूप में दर्शाया गया है।

घ विभिन्न हल्के आवास परियोजनाओं और राष्ट्रीय शहरी आवास निधि के लिए आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्त निधि पर अर्जित ब्याज मंत्रालय को वापस कर दिया जाता है। तदनुसार, इन निधियों पर अर्जित ब्याज आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को देय देयता के रूप में दर्शाया गया है (अनुसूची 6–चालू देयताएं और प्रावधान देखें)।

7 जहां भी आवश्यक समझा गया आंकड़ों को पुनः व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है एवं उपरोक्त कथोक्त सभी सूचना प्रबंधन द्वारा दी गयी है एवं लेखापरीक्षकों ने उन आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

8 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों का अभिन्न भाग बनने वाली अनुसूचियां 1 से 17 संलग्न हैं

हमारी सम तिथि की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते कोमांडूर एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन:001420एस/एस200034

कृते निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद

ह०	ह०	ह०
सीए मंगल सिंह	पंकज गुप्ता	डॉ. शैलेश कुमार अग्रवाल
साझीदार	वित्त अधिकारी	कार्यकारी निदेशक
सदस्यता सं. 547176		

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 15.10.2025

संवर्धनात्मक कार्यक्रमों में सहभागिता

I. वेबिनार/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि

- जनवरी–मई, 2024 के दौरान एसपीए, नई दिल्ली के ''सामग्री और प्रौद्योगिकी'' विषय पर मास्टर ऑफ प्लानिंग (हाउसिंग) के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनेक प्रस्तुतिकरण।

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा 2–5 अप्रैल, 2024 को आपदा जोखिम न्यूनीकरणः शैक्षणिक संस्थानों के लिए लचीलापन निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

- 22 अप्रैल, 2024 को झांसी में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर नई निर्माण प्रौद्योगिकियों के साथ भारतीय सेना के रूपांतरण पर इंडिया ग्रीन समिट और एक्सपो 2024 का आयोजन।

- नवरीति का 18वां बैचः 3 मई से 10 मई, 2024 तक नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

- 21 मई, 2024 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा शहरी लचीलेपन पर हितधारक परामर्श का आयोजन।

- आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 29–30 मई, 2024 को नई दिल्ली में "शहरी भारत की पुनर्कल्पना" पर चिंतन शिविर का आयोजन।

- 5 जून, 2024 को नई दिल्ली में एनआईडीएम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत ग्रीन विजन 2047ः जलवायु क्रियाओं, प्रकृति आधारित समाधानों, स्वास्थ्य और सुरक्षा को डीआरआर के साथ एकीकृत करने के विषय पर युवा नेताओं के सम्मेलन का आयोजन।

- दक्षिण पश्चिम मानसून 2024 की तैयारियों की स्थिति की समीक्षा के लिए गृह मंत्रालय द्वारा 11–12 जून, 2024 को नई दिल्ली में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के राहत आयुक्तों/सचिवों (डीएम) और एसडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा, होमगार्ड और अग्निशमन सेवाओं पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन।

- 15 जून, 2024 को गुवाहाटी में भारतीय वाणिज्य मंडल द्वारा उभरती निर्माण प्रणालियों पर गोलमेज सत्र का आयोजन।

- 8 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में आईआईटी खड़गपुर द्वारा समावेशी नगर नियोजन और सुगम्य निर्मित पर्यावरण पर नए पाठ्यक्रमों के लिए विचार–मंथन सत्र का आयोजन।

- 11–12 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में जीजीजीआई द्वारा भारत सर्कुलर इकोनॉमी फोरम – भारत के सर्कुलर ट्रांजिशन का नेतृत्वः उद्योग में उभरती प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष विषय पर सम्मेलन का आयोजन।

- भारतीय निर्माण सामग्री के लिए इंबोडॉयड कार्बन डेटाबेस की स्थापना पर 18 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में सीईपीटी विश्वविद्यालय अहमदाबाद और शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से हितधारक परामर्श का आयोजन।

- एनसीएचएफ, राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र द्वारा 24–26 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में भारतीय आवास सहकारी समितियों के अध्यक्षों/निदेशकों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम का आयोजन।

- 1 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली में बीएनआरडी और आईएसडीए द्वारा इन्फ्राकॉन 2024 – डिजिटल निर्माण प्रबंधन और उभरती प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी का आयोजन।

- 9–13 सितंबर, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय और एनआईडीएम द्वारा नई दिल्ली में "मौसम की भीषण घटनाओं के संदर्भ में शहरी बुनियादी ढांचे के लचीलेपन" पर राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन।

- 12 सितंबर, 2024 को थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजीज के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा जन अवास के लिए उभरती निर्माण प्रणालियों पर सत्र का आयोजन।

- नवरीति का 19वां बैचः 6–13 सितंबर, 2024 तक नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

- 14 सितंबर, 2024 को एसएआईएआरडी – हिमालयी जलवायु कंसोर्टियम द्वारा जोशीमठः हिमालयी शहरी लचीलेपन के लिए एक जागृति आह्वान पर वेबिनार का आयोजन।

- 17 सितंबर, 2024 को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित वर्चुअल स्ट्रक्चरल स्टील एजुकेशन फोरम के दौरान स्टील आधारित उभरती निर्माण प्रणालियों पर सत्र का आयोजन।

- 25 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में कंक्रीट इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा टिकाऊ निर्माण तकनीकों पर सेमिनार और इंजीनियर्स दिवस समारोह का आयोजन।

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एशियाई विकास बैंक द्वारा 25 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में जलवायु एवं स्वास्थ्य समाधान भारत सम्मेलन का आयोजन।

- 4 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली में टेरी (टीईआरआई) द्वारा ग्रीहा परिषद हितधारक अधिवेशन 2024 का आयोजन।

- 8–10 नवंबर, 2024 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स द्वारा नई दिल्ली में फ्यूचरिस्टिक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा एनआईडीएम रोहिणी परिसर, नई दिल्ली में 11–15 नवंबर, 2024 तक भूकंप जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

- 18 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन।

- 4 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सहयोग से सीआईआई द्वारा भारतीय आवास परिदृश्य – किफायती से सुलभ तक सम्मेलन का आयोजन।

- 4–5 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में टेरी द्वारा ''निर्मित पर्यावरण में जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने'' पर 16वें ग्रीहा शिखर सम्मेलन का आयोजन।

- 6 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर कार्यशाला – प्रमुख अवसरः सीओडीआरआर कार्यशाला 6 का आयोजन।

- 9–10 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में एनडीएमए, एनआरएससी, आईएमडी और सीआरओपीसी द्वारा लचीलापन निर्माण में सामाजिक न्याय और सबसे कमजोर समुदायों के सशक्तिकरण विषय पर बिजली और मौसम की भीषण घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

- 8 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत की अतिसंवेदनशीलता ऐट्लस पर विशेष सत्र का आयोजन।

- नवरीति का 20वां बैचः 17–24 जनवरी, 2025 तक नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

- 21 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में गलोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट (जीजीजीआई) और फिक्की द्वारा एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत मास्टर प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास सत्र का आयोजन।

- 27–28 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में जीजीजीआई, सीआईआई और आईजीबीसी द्वारा एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन परियोजना के अंतर्गत लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

- 10 फरवरी, 2025 को भोपाल सैन्य स्टेशन, सीडीआरआई, आईआईएसडी और आईआईटी कानपुर के साथ संयुक्त रूप से भोपाल में नई निर्माण प्रौद्योगिकियों, हरित पहलों और जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीले बुनियादी ढांचे के साथ भारतीय सेना के रूपांतरण पर द्वितीय भारत हरित शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2025 का आयोजन।

- 20 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में सीआईआई द्वारा रियल एस्टेट और भवन प्रौद्योगिकी–अभिनव भारत के भविष्य का निर्माण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन।

- 20 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में सीआईआई द्वारा रियल एस्टेट और बिल्डिंग टेक्नोलॉजी (आरईबीटी) एक्सपो 2025–अभिनव भारत के भविष्य का निर्माण विषय पर आयोजन।

- 4 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में एनआईडीएम और एनडीएमए द्वारा भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन।

- 4–5 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (यूएसएपी) द्वारा ''स्टेनलेस स्टील के माध्यम से राष्ट्र निर्माणः सर्कुलर इकोनॉमी को अपनाना'' पर केंद्रित ''सस्टेनेबल आर्किटेक्चरः सर्कुलर इकोनॉमी'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

- 6 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में भारतीय सतत विकास संस्थान (आईआईएसडी) और सीएमआई (कार्बन माइनस इंडिया) द्वारा वैश्विक स्थिरता शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन।

- 19–20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में नवीन भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी का आयोजन।

- 21 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आपदा प्रबंधन एवं सुदृढ़ अवसंरचना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

- 21 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी, गाजियाबाद में सीपीडब्ल्यूडी सहायक कार्यकारी अभियंता 2024 बैच के लिए 52 सप्ताह के फाउंडेशन प्रशिक्षण के भाग के रूप में ''नई और नवोन्मेषी निर्माण सामग्री''पर सत्र का आयोजन।

- जनवरी–मई, 2025 के दौरान एसपीए, नई दिल्ली के मास्टर ऑफ प्लानिंग (हाउसिंग) के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए ''सामग्री और प्रौद्योगिकी'' विषय पर अनेक व्याख्यान।

II. तकनीकी समिति/कार्य समूह/ बैठकें इत्यादि

- 26 अप्रैल, 2024 को सीएसआईआर–केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की की अनुसंधान परिषद् की बैठक का आयोजन।

- 10 मई, 2024 को जयपुर में इस्पात संरचनात्मक प्रणालियों की शुरूआत के माध्यम से भवनों में इस्पात गहन निर्माण के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इस्पात मंत्रालय की परियोजना समीक्षा समिति की बैठक का आयोजन।

- 21 मई, 2024 को नई दिल्ली में अवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के जलवायु वार्ता पर अंतर–मंत्रालयी सलाहकार समूह की छठी बैठक का आयोजन।

- 4 जुलाई, 2024 को डीएचपी जम्मू में प्रदर्शन आवास परियोजना की प्रगति की निगरानी और उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रचार–प्रसार के लिए तकनीकी समूह की बैठक का आयोजन।

- 8 जुलाई, 2024 को संयुक्त सचिव (सीबीयूडी/डीएवाई एनयूएलएम/पीएम स्वनिधि) की अध्यक्षता में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के प्रशिक्षण संस्थानों के साथ मिशन कर्मयोगी पर समीक्षा बैठक का आयोजन।

- 16 जुलाई, 2024 को सीएसआईआर–सीबीआरआई द्वारा रुड़की में मूल्यांकन समिति की बैठक का आयोजन।

- 26 जुलाई, 2024 को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी भवनों के सौरीकरण पर समीक्षा बैठक का आयोजन।

- 30 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में भारत, वियतनाम, थाईलैंड, इंडोनेशिया और कंबोडिया के लिए एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक का आयोजन।

- 28 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जलवायु परिवर्तन पर विशेषज्ञ समिति (ईसीसीसी) की 16वीं बैठक का आयोजन।

- 29 अक्तूबर, 2024 को सचिव, एचयूए की अध्यक्षता में प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी के लिए केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) की 70वीं बैठक।
- 21 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में नीति आयोग द्वारा साइट आसन्न कारखाना कर्मचारी (एस.ए.एफ.ई.) आवास का आयोजन।
- 20 मार्च, 2025 को सचिव, एचयूए की अध्यक्षता में प्रधान मंत्री आवास योजना–शहरी के लिए केंद्रीय मंजूरी और निगरानी समिति (सीएसएमसी) की 71वीं बैठक।
- 11 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में सचिव (एचयूए) की अध्यक्षता में बीएमटीपीसी की कार्यकारी समिति की 65वीं बैठक।
- 3–4 अक्तूबर, 2024 को रुड़की में सीएसआईआर–सीबीआरआई की शोध परिषद की 66वीं बैठक।
- 18 अक्तूबर, 2024 को नई दिल्ली में बीआईएस द्वारा सीईडी:32 अनुभागीय समिति की बैठक का आयोजन।
- 13 नवंबर, 2024 को बीएमटीपीसी में सतर्कता जागरूकता अभियान के दौरान बैठक और डॉ. के.एम. सोनी, एडीजी (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी द्वारा ईपीसी संविदा – सतर्कता परिप्रेक्ष्य पर विशेष व्याख्यान।
- 2 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन (एएलसीबीटी) परियोजना के अंतर्गत तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की तीसरी बैठक।
- 10 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में सचिव (एचयूए) की अध्यक्षता में बीएमटीपीसी की कार्यकारी समिति की 66वीं बैठक।
- 7 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) के भाग–5 में संशोधन के लिए बीआईएस द्वारा भवन निर्माण सामग्री सीईडी:46पी3 के पैनल के अंतर्गत तकनीकी बैठक का आयोजन।

III. अन्य

- एसपीए, दिल्ली, आईआईटी दिल्ली के छात्रों और अन्य कॉलेजों के छात्रों, पेशेवरों, उद्यमियों को नई और पर्यावरणनुकूल निर्माण सामग्री/प्रौद्योगिकियों पर मार्गदर्शन करना, और विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए भवनों के स्थायित्व मानकों (अवशोषित ऊर्जा, थर्मल आराम, संसाधन संरक्षण और दक्षता) पर मार्गदर्शन करना।

- इस्पात मंत्रालय द्वारा गठित ''स्क्रैप मेटल (लौह और अलौह) में परिचालित होने वाली अर्थव्यवस्था पर कार्य योजना का कार्यान्वयन'' पर समिति में प्रतिनिधित्व करना।

- नीति आयोग के लिए "निर्माण/आवास क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों को अंगीकृत करने में सर्वोत्तम प्रथाओं" के संबंध में मंत्रालय के लिए इनपुट तैयार किए गए।

- उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन प्राधिकरण द्वारा ''भारत में निर्माण और तोड़–फोड़ (सी एंड डी) अपशिष्ट प्रबंधन के लिए परिचालित होने वाली अर्थव्यवस्था रणनीति – उत्तर प्रदेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ भारत की नीतियों, प्रथाओं और चुनौतियों का एक व्यापक विश्लेषण – सितंबर 2024'' पर इनपुट तैयार किए गए।

- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा ''जैव विविधता और स्वास्थ्य संबंधों को मुख्यधारा में लाने के लिए मसौदा वैश्विक कार्य योजना'' पर इनपुट तैयार किए गए।

- ''भवन क्षेत्र पर अंतर–मंत्रालयी कार्य समूह के लिए भवन डिजाइन और निर्माण सामग्री'' पर इनपुट तैयार किए गए।

- ''पेरिस समझौते के कार्यान्वयन हेतु शीर्ष समिति की 5वीं बैठक में लिए गए निर्णय पर कार्रवाई बिंदु'' पर प्रस्ताव हेतु इनपुट तैयार किये गए।

- मंत्रालय के लिए "कच्चे/पक्के आवास के संबंध में आईआईपीएस और सांख्यिकी एवं कार्यान्वयन कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा प्रयुक्त परिभाषाओं में सामंजस्य और सामंजस्य स्थापित करना" विषय पर इनपुट तैयार किए गए।

- ''संभावित राष्ट्रीय शहरी कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में जलवायु लचीलापन और कम कार्बन शहरी परिवर्तन पर विश्व बैंक की रिपोर्ट'' पर इनपुट तैयार किये गए।

अनुबंध II

प्रस्तुतिकरण सहित प्रस्तुत/प्रकाशित आलेखादि

- जनवरी–मई, 2024 के दौरान एसपीए, नई दिल्ली के 'सामग्री और प्रौद्योगिकी' विषय पर मास्टर ऑफ प्लानिंग (हाउसिंग) के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनेक प्रस्तुतिकरण।

- 2–5 अप्रैल, 2024 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरणः शैक्षणिक संस्थानों के लिए लचीलापन निर्माण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भारत के असिंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 22 अप्रैल, 2024 को झांसी में सैन्य इंजीनियरिंग सेवा (एमईएस) द्वारा नई निर्माण प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना को बदलना विषय पर विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित इंडिया ग्रीन समिट और एक्सपो 2024 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के 18वें बैच 3 मई से 10 मई, 2024 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती निर्माण प्रणाली पर प्रस्तुतिकरण।

- 21 मई, 2024 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित शहरी लचीलेपन पर हितधारक परामर्श के दौरान भारत का अतिसंवेदनशीलता एटलस – आपदा न्यूनीकरण और तैयारी के लिए एक साधन पर प्रस्तुतिकरण।

- 5 जून, 2024 को नई दिल्ली में एनआईडीएम द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित भारत ग्रीन विजन 2047: जलवायु परिवर्तन संबंधी कार्रवाइयों, प्रकृति आधारित समाधानों, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को डीआरआर के साथ एकीकृत करने के विषय पर युवा नेताओं के सम्मेलन के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- दक्षिण पश्चिम मानसून 2024 की तैयारियों की स्थिति की समीक्षा के लिए गृह मंत्रालय द्वारा 11–12 जून, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के राहत आयुक्तों/सचिवों (डीएम) और एसडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा, होमगार्ड और अग्निशमन सेवाओं के वार्षिक सम्मेलन के दौरान भारत का अतिसंवेदनशीलता एटलस – आपदा न्यूनीकरण और तैयारी के लिए एक उपकरण पर प्रस्तुतिकरण।

- 15 जून, 2024 को गुवाहाटी में भारतीय वाणिज्य मंडल द्वारा आयोजित उभरती निर्माण प्रणालियों पर गोलमेज सत्र के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 8 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित समावेशी नगर नियोजन और सुगम्य निर्मित पर्यावरण पर नए पाठ्यक्रमों के लिए विचार–मंथन सत्र के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 11–12 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में जीजीजीआई द्वारा आयोजित इंडिया सर्कुलर इकोनॉमी फोरम – भारत के सर्कुलर ट्रांजिशन का नेतृत्वः उद्योग में उभरती प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 18 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में सीईपीटी विश्वविद्यालय अहमदाबाद और शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय निर्माण सामग्री के लिए सन्निहित कार्बन डेटाबेस की स्थापना पर हितधारक परामर्श के दौरान सतत तकनीकी समाधानों पर प्रस्तुतिकरण।

- 24–26 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली में एनसीएचएफ, राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित भारतीय आवास सहकारी समितियों के अध्यक्षों/निदेशकों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 1 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली में बीएनआरडी और आईएसडीए द्वारा आयोजित इन्फ्राकॉन 2024 – डिजिटल निर्माण प्रबंधन और उभरती प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण

- 9–13 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय और एनआईडीएम द्वारा आयोजित ''मौसम की भीषण घटनाओं के संदर्भ में शहरी बुनियादी ढांचे की लचीलापन'' पर राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान भारत का अतिसंवेदनशीलता एटलस – आपदा न्यूनीकरण और तैयारी के लिए एक उपकरण पर प्रस्तुतिकरण।

- 12 सितंबर, 2024 को थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजीज के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित विशेष सत्र के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के 19वें बैच 6 सितंबर से 13 सितंबर, 2024 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती निर्माण प्रणाली पर प्रस्तुतिकरण।

- 17 सितंबर, 2024 को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित वर्चुअल स्ट्रक्चरल स्टील एजुकेशन फोरम के दौरान स्टील आधारित उभरती निर्माण प्रणालियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 25 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में कंक्रीट इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सतत निर्माण तकनीकों और इंजीनियर्स दिवस समारोह पर संगोष्ठी के दौरान सतत तकनीकी समाधानों पर प्रस्तुतिकरण।

- 25 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एशियाई विकास बैंक द्वारा आयोजित जलवायु एवं स्वास्थ्य समाधान भारत सम्मेलन के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- सितंबर, 2024 में इंजीनियर्स दिवस पर आयोजित तकनीकी सम्मेलन की कार्यवाही में झारखंड इंजीनियर्स सर्विस एसोसिएशन (जेईएसए) के लिए ''नवीन प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके लाइट हाउस परियोजनाओं के कार्यान्वयन'' पर तकनीकी शोधपत्र का प्रकाशन।

- 8–10 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में इंडियन एसोसिएशन ऑफ स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स द्वारा आयोजित फ्यूचरिस्टिक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा एनआईडीएम रोहिणी परिसर, नई दिल्ली में 11–15 नवंबर, 2024 तक आयोजित भूकंप जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 4 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के सहयोग से सीआईआई द्वारा आयोजित भारतीय आवास परिदृश्य – किफायती से सुलभ तक सम्मेलन के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 4–5 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में टेरी द्वारा आयोजित ''निर्मित पर्यावरण में जलवायु कार्रवाई में तेजी लाने'' पर 16वें ग्रीहा शिखर सम्मेलन के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) द्वारा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से दिनांक 6 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में आयोजित भूकंप जोखिम न्यूनीकरण – महत्वपूर्ण अवसर: सीओडीआरआर कार्यशाला 6 कार्यशाला के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 9–10 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली में एनडीएमए, एनआरएससी, आईएमडी और सीआरओपीसी द्वारा आयोजित लचीलापन निर्माण में सबसे कमजोर समुदायों के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विषय पर बिजली और मौसम की भीषण घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 8 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष सत्र के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- नवरीति : नवोन्मेषी निर्माण प्रौद्योगिकी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के 20वें बैच 17 जनवरी से 24 जनवरी, 2025 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती निर्माण प्रणाली पर प्रस्तुतिकरण।

- 27–28 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में जीजीजीआई, सीआईआई और आईजीबीसी द्वारा आयोजित एशिया लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन परियोजना के अंतर्गत लो कार्बन बिल्डिंग ट्रांजिशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जन अवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 10 फरवरी, 2025 को भोपाल में भोपाल सैन्य स्टेशन, सीडीआरआई, आईआईएसडी और आईआईटी कानपुर के साथ संयुक्त रूप से आयोजित नई निर्माण प्रौद्योगिकियों, हरित पहलों और जलवायु अनुकूल अवसंरचना के साथ भारतीय सेना में बदलाव पर द्वितीय भारत हरित शिखर सम्मेलन और एक्सपो 2025 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 20 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में सीआईआई द्वारा आयोजित रियल एस्टेट और भवन प्रौद्योगिकी – अभिनव भारत के भविष्य का निर्माण के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 20 फरवरी, 2025 को नई दिल्ली में सीआईआई द्वारा आयोजित रियल एस्टेट और बिल्डिंग टेक्नोलॉजी (आरईबीटी) एक्सपो 2025 – नवोन्मेषी भारत के भविष्य का निर्माण के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 4 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में एनआईडीएम और एनडीएमए द्वारा भूकंप जोखिम न्यूनीकरण पर राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर आयोजित कार्यशाला के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 4–5 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (यूएसएपी) द्वारा आयोजित ''स्टेनलेस स्टील के माध्यम से राष्ट्र निर्माणः परिचालित होने वाली अर्थव्यवस्था को अंगीकृत करना'' पर केंद्रित ''सतत वास्तुकलाः परिचालित होने वाली अर्थव्यवस्था'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 6 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में भारतीय सतत विकास संस्थान (आईआईएसडी) और सीएमआई (कार्बन माइनस इंडिया) द्वारा आयोजित वैश्विक स्थिरता शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- 19–20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित नवीन भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी के लिए सामूहिक आवास हेतु उभरती निर्माण प्रणालियों पर शोध–पत्र।

- 19–20 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में आयोजित नवीन भवन निर्माण सामग्री एवं निर्माण प्रौद्योगिकियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन–सह–प्रदर्शनी के लिए पीएमएवाई–यू के अंतर्गत लाइट हाउस परियोजनाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी परिवर्तन पर शोधपत्र।

- 21 मार्च, 2025 को नई दिल्ली में दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आपदा प्रबंधन एवं सुदृढ़ अवसंरचना पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान भारत की अतिसंवेदनशीलता एटलस पर प्रस्तुतिकरण।

- 21 मार्च, 2025 को राष्ट्रीय सीपीडब्ल्यूडी अकादमी, गाजियाबाद में सीपीडब्ल्यूडी सहायक कार्यकारी अभियंता 2024 बैच के लिए 52 सप्ताह के फाउंडेशन प्रशिक्षण के भाग के रूप में "नई और अभिनव निर्माण सामग्री" पर सत्र के दौरान सामूहिक आवास के लिए उभरती आवास प्रौद्योगिकियों पर प्रस्तुतिकरण।

- जनवरी–मई, 2025 के दौरान एसपीए, नई दिल्ली के ''सामग्री और प्रौद्योगिकी'' विषय पर मास्टर ऑफ प्लानिंग (आवास) के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनेक व्याख्यान।

निर्माण सामग्री एवं प्रौद्योगिकी संवर्द्धन परिषद्
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार
कोर 5ए, पहली मंजिल, इंडिया हैबीटेट सेंटर,
लोधी रोड, नई दिल्ली – 110003
टेलीफोन नं. 91–11–24636705, 24638097; फैक्स नं. 91–11–24642849
ई–मेल: info@bmtpc.org

@bmtpcdelhi bmtpc.mhua www.bmtpc.org